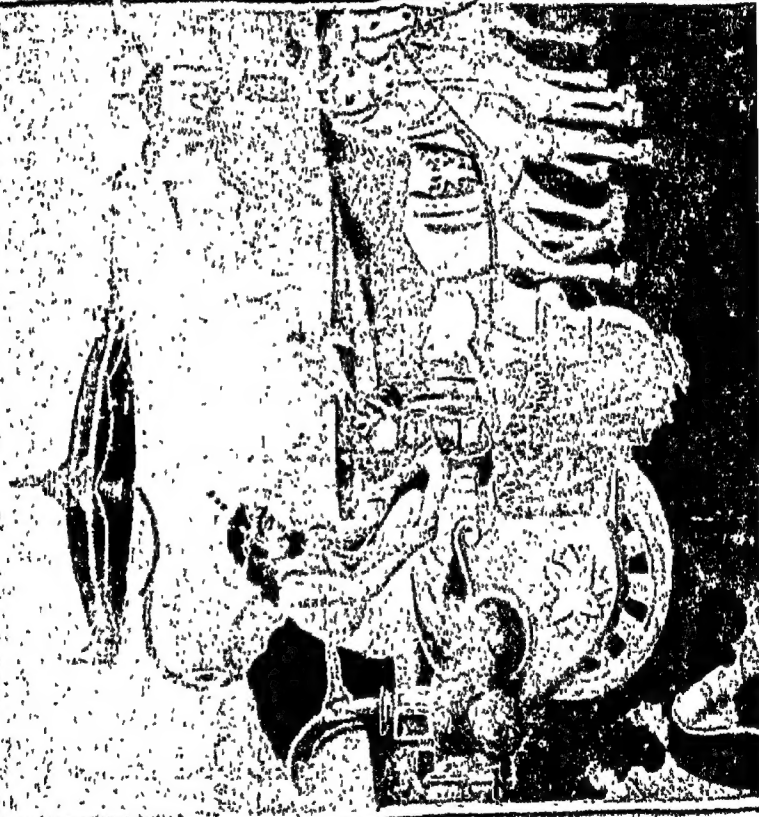


रुक्मिणी

लेखक—

पं० पद्मदास ।

मूल्य १॥५



संगन बहा

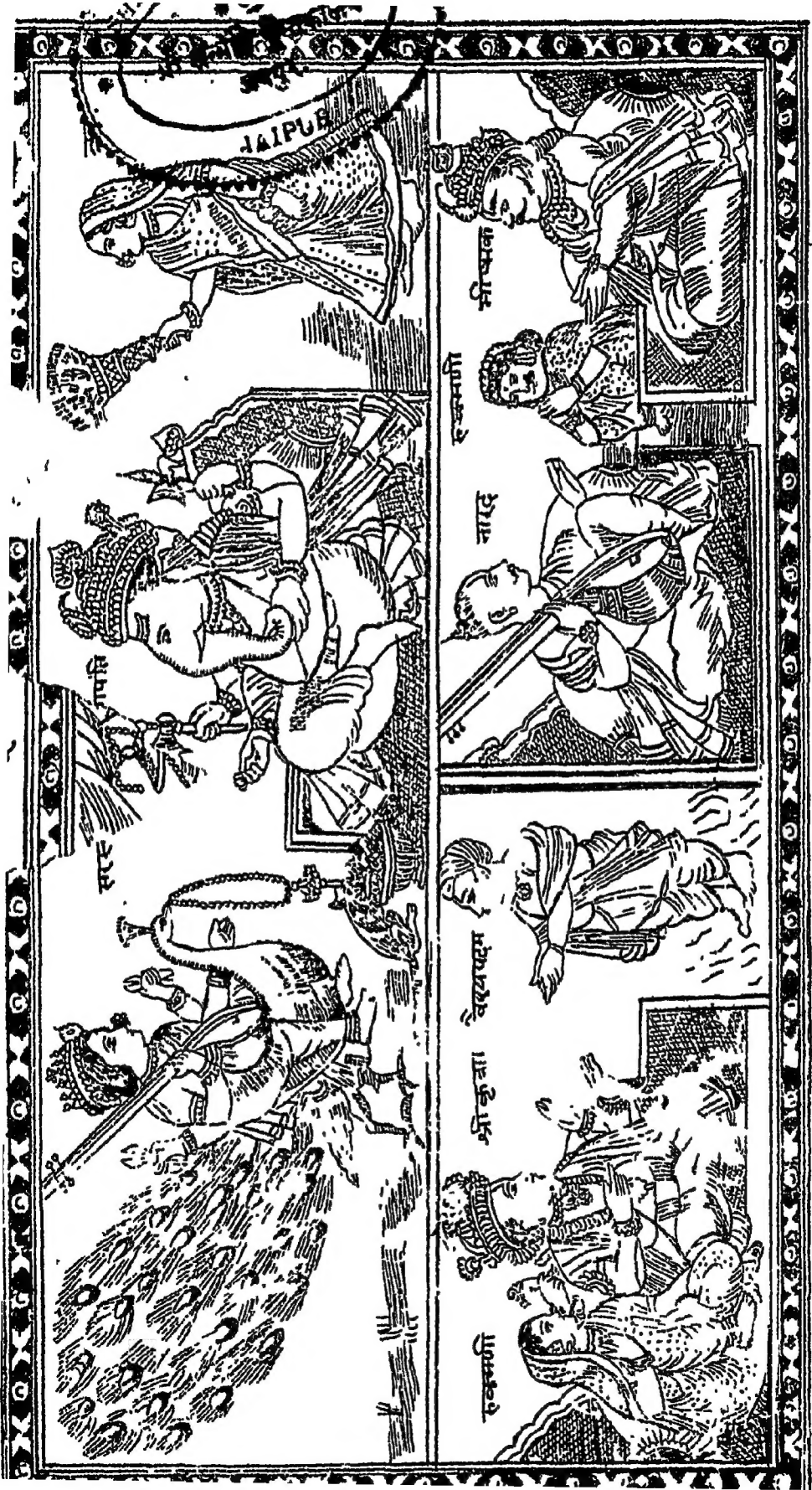
प्रकाशक—

लाला जयानन्द लाल

प्रयाग काशी प्रिन्स

मथुरा

461 E



JAIPUR

सीता

राम

नारद

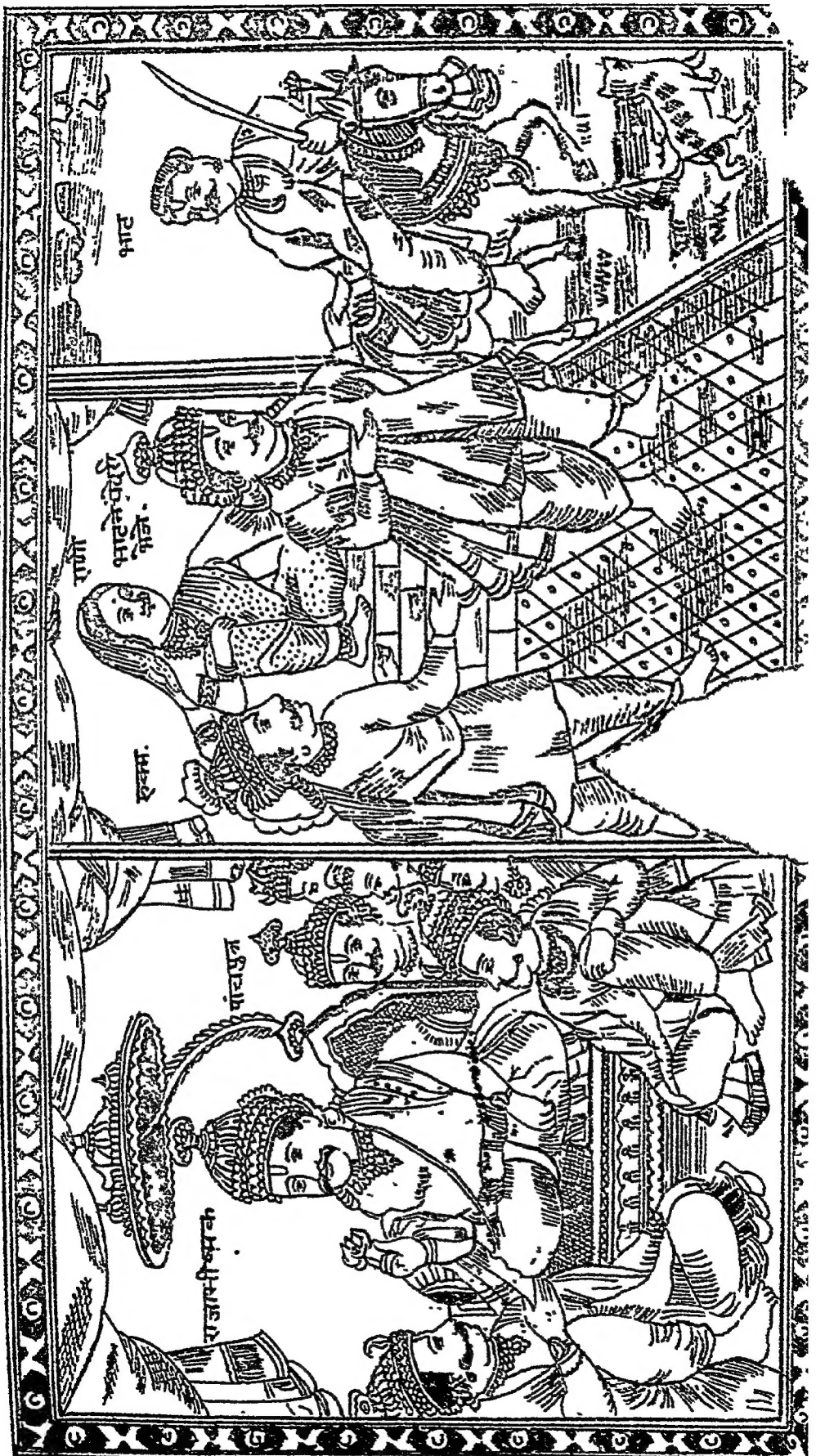
गणपति

सरस्वती

वेदव्यास

श्रीकृष्ण

राम





साम्राज्य की जान चली

लेवा मुकुट हरी



मिस्रपाल की जान आवे.



एकमा. माता

एकमणी विलाप को.



एजा भीम.

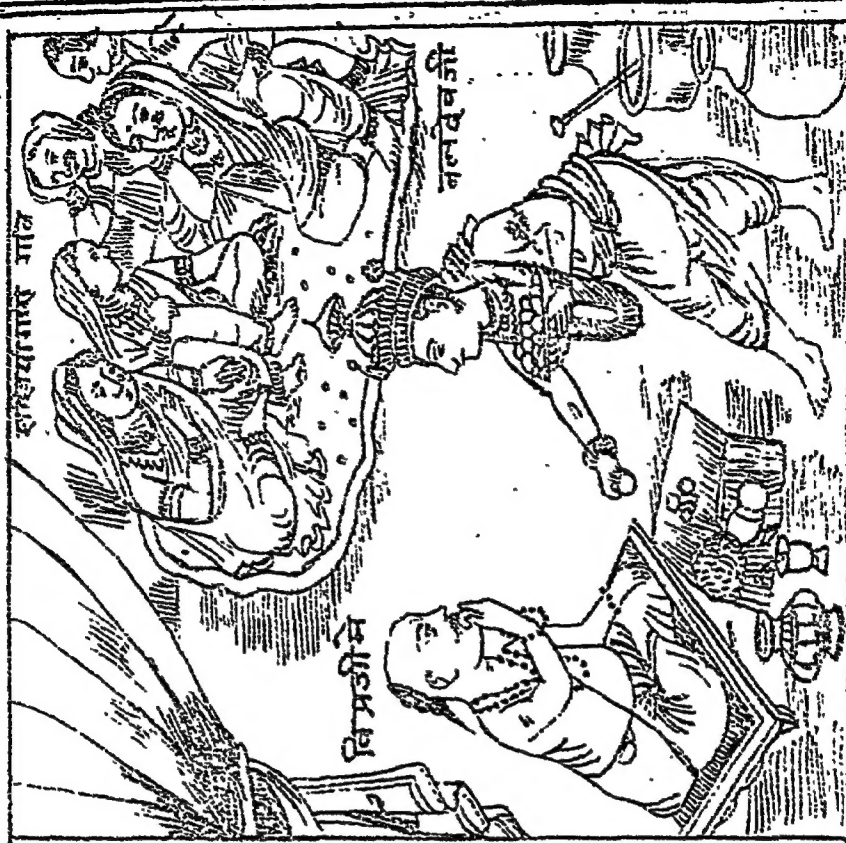
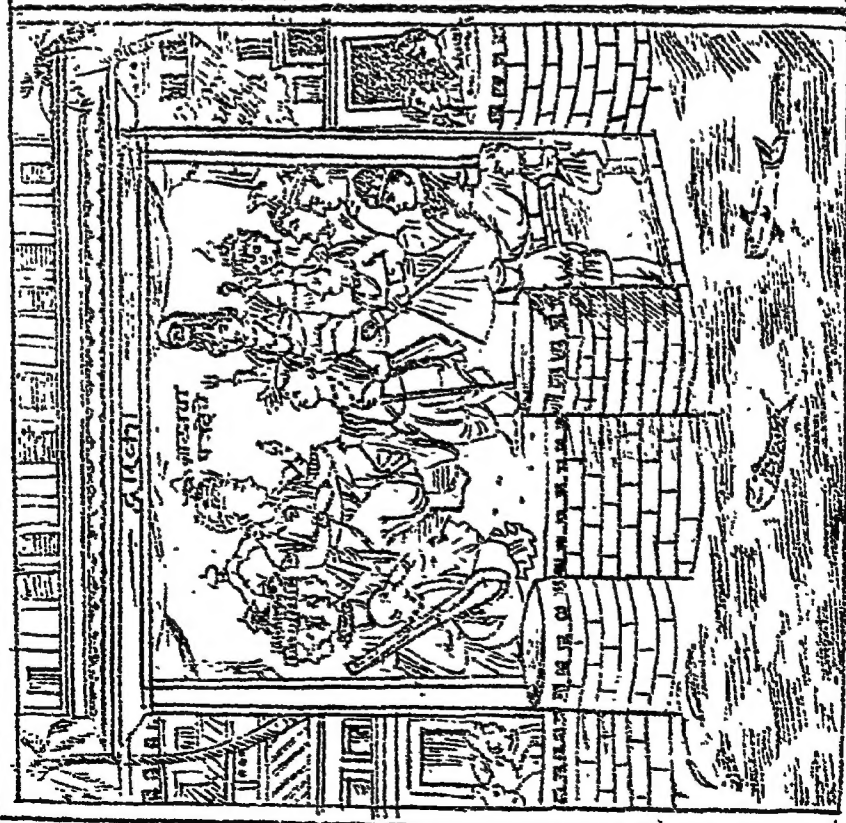


ब्रह्मणाते पति सुह.

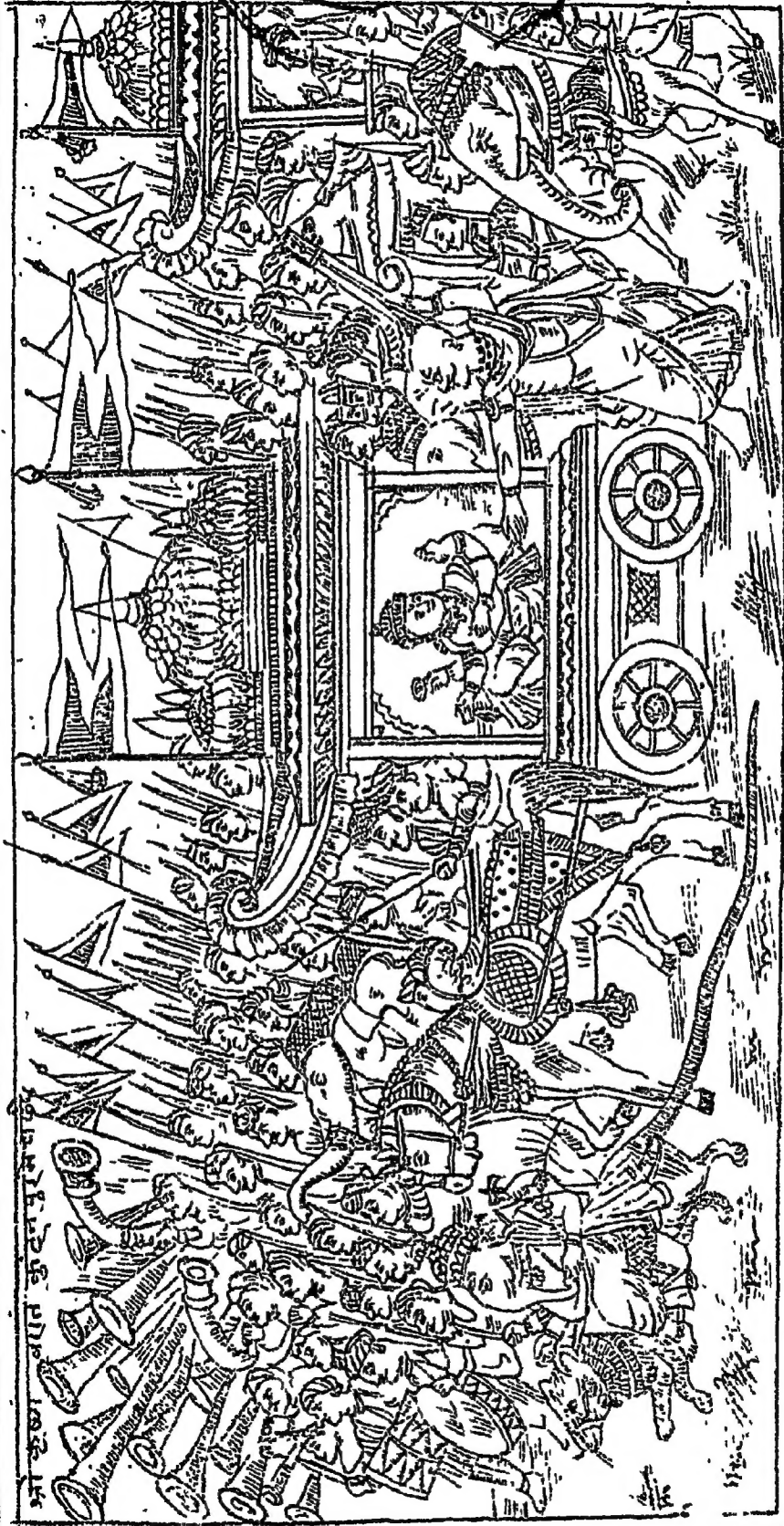


राजा.

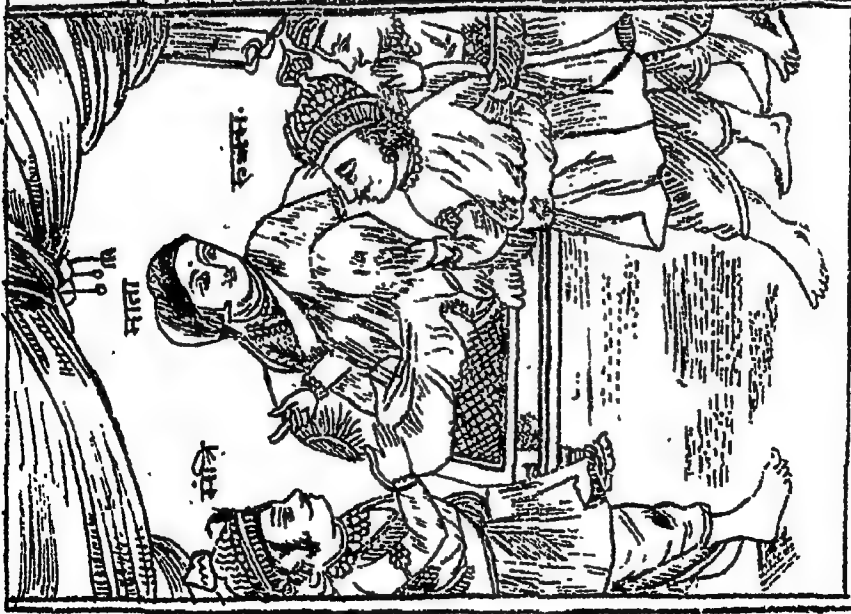




श्री कृष्ण गीत कुटुम्बिका





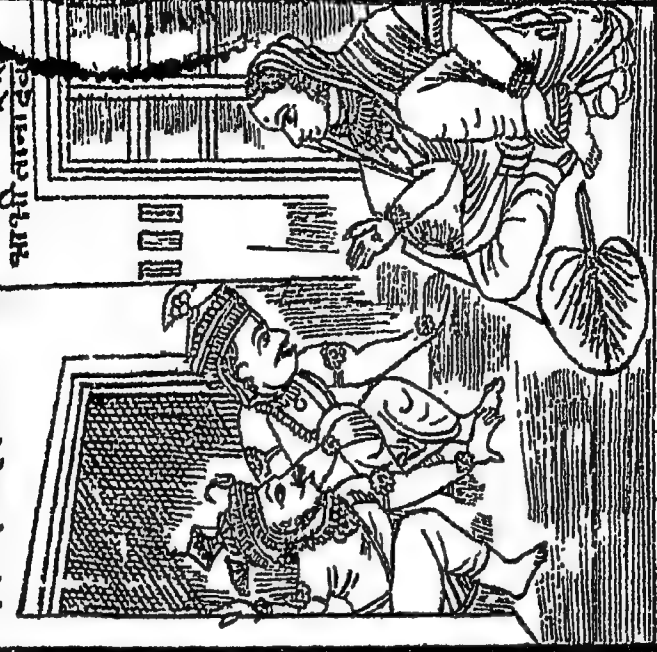




एकमेयाकृष्णयुद्धः

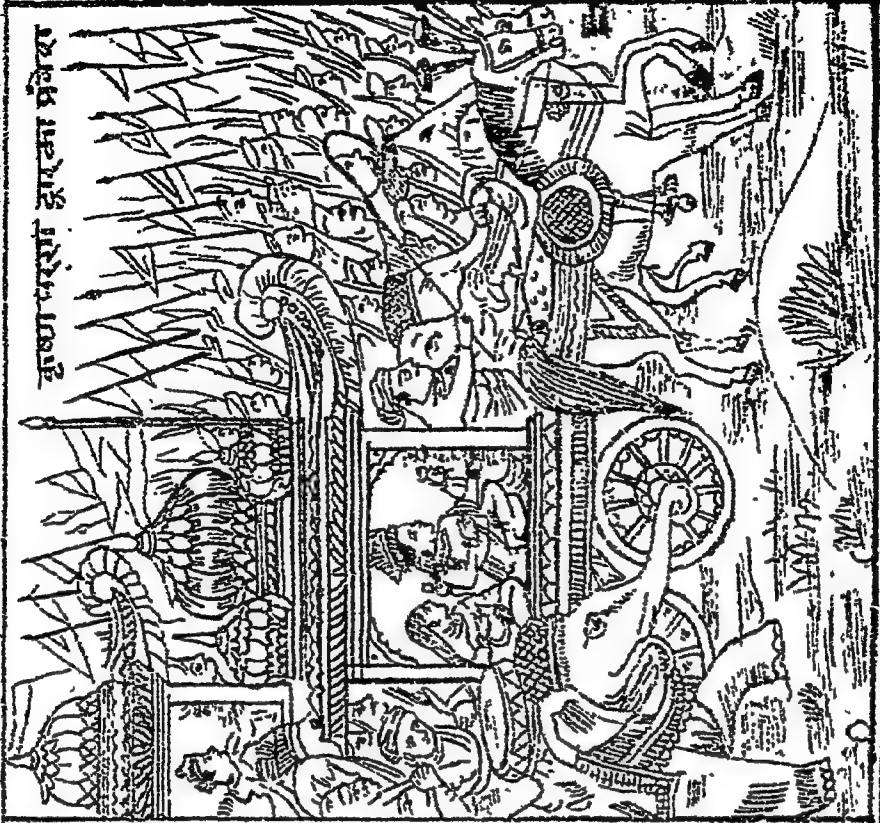


द्विसप्त चंदेरीकाया



भाभी तानादेव

कुशाग्रशृङ्गा द्वारका प्रवेश



॥ श्रीगणेशायनमः ॥ श्रीगुरुचरणकमलेभ्योनमः ॥ अथपदम
इयाकृतवृहदरुकमिणीमंगललिख्यते ॥ दोहा ॥ गवरीनंदनवीन
वाँ, सुरपतसुरतसुजौगा ॥ कृष्णातणोबीहावलौरिधिसिधप्रसिधप्र
वाँगा ॥ रागमारू ॥ रिधिसिधप्रसिधप्रवाणाभर्णीजेकृष्णातणोरि
हावौ ॥ सुंडाडंबरशसिचंद्रमा लाललौचनोवारौ ॥ १ ॥ थूहनि
गातठमकैचालोशिरसाहैदौमारौ ॥ गवरीनंदनविधनविहंडनव
खखंडनसुखसारौ ॥ २ ॥ दौतौसनमुखदिनकरभलखे उरफूल
दौहारौ ॥ पहिलेबेदपुराणाअगौचरवरणीलैजसथारौ ॥ ३ ॥ मसा
बाहनकरधनुफरसीपहिलेपूजातेरी पदमभगोप्रणमंपायलागै
आसापूरौमेरी ॥ ४ ॥ दोहा ॥ ब्रह्मसुतानैवीनवौ, सरस्वतिहंसारू
ढा ॥ बाणीमातावेगद्यौ, मोमनमायामूढा ॥ १ ॥ रागमारू ॥ बाणी

मातावेगकरोनीमुखमंडनव्याकरणीयेकगाकरधनुबीणांसोह
 दूजेपुस्तकधरणी॥१॥ तीजेअमीकमंडलअलखैचौथेसोहैथा
 लौ॥आदअंतअवतारभवानीसेवकगनेप्रतिपालौ॥२॥ छंदपिंग
 लाभैवनजागूँनहिंजागूँव्याकरणीकेवलभगतिकराकैशवकी
 कलमलमायाहरणी॥३॥कासमीरमुखमंडनदेवीदुखखंडनसु
 खदाता॥पूरणवह्मपदमकेस्वामीबरह्यौशारदमाता॥४॥दोहा॥
 जैमाताज्वालामुखी, जैजैजगतकरी॥ बरदेअप्रणीभनतकौ,
 तुमसेकाजसरी॥१॥पहलेध्याईपंडवाँ, अरजुनछोटैभौव॥नगर
 कौनागरच्या, उंडीदिवाईनीव॥२॥तुमगुनविद्यासरस्वति, जा
 चतनरसबकोया॥यहबरदीज्येपदमनें, रुकमणिमंगलहोय॥३॥
 रागमाख॥बचनतुमारौसुभद्यूदुरगाधौलागढकीराणी॥बाव

नमैरुंचौसठजोगणतूगडियाअगवाणी॥४॥कृपाकरौतेरजन
ऊपर निजमुखवेदबखाणी॥सतयुगमें तैरक्षाकीनीकलयुगमें
सहनाणी॥५॥ कंठांआणविराजौछुरगाहृदयनानमृदुबाणी॥
ब्रह्माघरब्रह्माणीसोहैइंद्रधराइंद्राणी॥६॥केशवकेवलक्षमीसो
हैरिषिमुनिजनध्यावै॥बडे बडे राक्षसतुमहानियाँयहबेदमेंगावै
॥७॥ अंबअशोधेसनरसुखिया बचनसिद्धहोयजावै ॥ तेरीमहि
माकबलगवरणौजनपदमइयागावै ॥८॥ दोहा॥संसारसागरअ
धिकजल, सूक्तवारनपार॥गुरुगोविंदकिरपाकरौ, गावौसंग
लचार। १। गुरुगोविंद बताइये, हरिथरप्याब्रह्मंड । येकखंडब्र
ह्मंडमें, जेथरप्यानवखंड।२। सुरतेतीसूवीचवा, ब्रह्माविष्णुम
हेश ॥ जटाजूटगंगावहै, कंठविराजेसेस ॥३॥ सावनांपतिवान

वां आदिब्रह्म अवतारः॥ सकलसृष्टिजनैरर्ची, पंथचलावगाहार
 ॥४॥ रागमाखू ॥ ब्रह्मावेदनिगमरोनायक भूलानैसमभ्तावै ॥
 चितेदसुनेकृष्णकोमंगल मौख्यमुक्तिफलपावै ॥१॥ मंगलसु
 नेमहासुखउपजैभनइच्छाफलपावै ॥ कायाकष्टकदेनहिंव्यापै
 जनपदमइयोगावै ॥२॥ दोहा ॥ ब्रह्माजीकोसुमिरिये, जलथल
 कियोविचार ॥ च्याखूंवेदचौदाभवन, सबकोसिरजनहार ॥ ३ ॥
 रागमाखू ॥ च्याखूंवेदभवनचवदेमेसबामिलासिरजनहारौ ॥ ना
 रदशारदसनकसनंदन, शंकरसेसपियारौ ॥ १ ॥ जबदेइंद्रराजसत्र
 करिहौ दिनब्रह्माँकोसारौ ॥ बृद्धउमरब्रह्मावाणिबेठौ प्रहररुद्रको
 न्यारौ ॥ २ ॥ ब्रह्माँ भवनतीकोनायक अग्यासबवरतावै ॥ हिर
 देधरिकसुनिहैं मंगल भगतिमुगति फलपावैं ॥ ३ ॥ मंगलसुण्यौ

भगतिहो अवैप्रभुकोदासकहावै। कायानिर्मलसहजहोइजा
वैपदमइयौजसगावै॥४॥ दोहा॥ परमेश्वरकोबीनवाँ, श्रीपति
अलखअभेव॥तीनैलोकउपाविया, भवनचतुदसदेव॥१॥ राग
मारू ॥ भवनचतुरदसदेवदामोदरजलथलजीवउपाया॥ दस
अवतारधन्याअबिन्यासी आपगरभनहिंआया ॥ १ ॥ परमे
श्वरकूबीनवाँजीयरप्याप्रथवी अकासा ॥ चंद्रसूरताराजिनथर
प्या पाणीपवनप्रकासा ॥ २॥ परमेश्वरकूबीनवाँजीजिनशुड
प्याबूहमंडा॥ जलथलजीवउपावियाजीसप्तदीपनवबूँडधरिक्को
मेघमालजिनथरपियाजीकरदियादिवसरुशते। रजनरेनहोई।
दरसायाबिनसायापरभाते॥४॥ शेषनागाशिरधरणीहा ॥ परमगु
पातालपठाया॥ ऊपरजलधरनीचेकीना॥ ब्रिसस्तकधन्यो भा

॥५॥ दोनामौरगादवउधारणजुगजुगमेंहरिदिपंथचलावगाहार
नआग्यादीज्ये भक्तआपकालिया ॥६॥ सोइसाहसमभावै ॥
रायणसाइसोइपरगटजाणौ॥कृष्णकोपसिसपालउधापंगलसु
मिणिब्यावबखाणौ ७ कबलगकहंकहाँलौनरगुशेषपव्यापे
पाया॥पदमकहैतेरीलखीनजावैबिनथंभेभैडछाया॥८॥ब्याव
तणीमुदुबाणौबौलौ रागरंगसुरगावौ ॥ चंदनचर्चचतुरभुजपू
जाँदासपदमबलियावौ॥९॥दोहा॥गौरीपतिनैवीनवौ, नौदिसुर
असवार। जटा जूट गंगाबहैकठभुजंगौहार। १। रागमाला। कठ
भुजंगौहार। बिशजैअरुसहिभुगछाला॥ चंद्रालिलाटरवीज्यांवे
मकेपंन्नगभूषणमाला १ सलीसिंगीडमरुकरमैऔरबरणीश्र
पमाला॥ बह्माप्रगटकरेसुष्टींकूविष्णु पौषणवाला ॥२॥ परम

गती विष्णुसेतुमरी राक्षसबचनदिराया ॥ जो जो राक्षसहुये भ
वनमें तुमहीं बचनसुनाया ॥ ३ ॥ नंदीगणा अरु स्वामकारतिक
बीरभद्रमनभाया ॥ आदिप्रभु अवतारधारिकें सबकुंआ जानि
भाया ॥ ३ ॥ अजर अमर अविन्यास किहिये सर्वरिषी मनभाया ।
पदम कहै प्रणमैं शिवशंकर खंडमाल लटकाया ॥ २ ॥ राग
मारू ॥ गौरिंगंकौ कंथ भगीजे सहसुबचन उचारै ॥ जटा मुक
टा शिरगंग खलहलै खग असुरांसिरडारै ॥ १ ॥ माथे सेली गलं रुड
भाला कर मेढमरूराजे ॥ भांगधतूरा विषम अहारी कंथ गवरिको
छाजे ॥ २ ॥ उगगणपति जाके सीस बिराजै सुरति बिचार नहोई ।
पूरण ब्रह्मपदम के स्वामी पारबती पातिसोई ॥ ३ ॥ दोहा ॥ परमगु
रु गुरुदेवजी, रहौ कृपाल सहाय ॥ तादिन करमस्तक धन्यो भा

गजुप्रगट्यौ आय ॥ १ ॥ रागमाख ॥ गुरुगोविंदकबीनवाँजी अवि
न्यासी आ देवा ॥ तनमनगुरपैवारणांजी करुगुरांकी सेवा ॥ १ ॥
गुरुप्रेममातमाजी गुरुतुमदीनदयाला ॥ जबतुमकृपाकरी
स्वामीजी मिदजायकाल अकाला ॥ २ ॥ गुरुबडेपरमारथीजी
सीसहाथ धर दी न्हा ॥ ध्यानधर्यौ गुरदेवतुमारी जनु अपणां क
रली न्हा ॥ ३ ॥ गुरुमेरेमातपिताजी गुरहे भाई बंधा ॥ अगम अगो
चरतुरतबतायातौ डादियाजमफंदा ॥ ४ ॥ देवगुरुतुम अगयादी
ज्यौ जदबुधदेवौ निहाई, पदम कहै गुरग्यानभनेने भक्तिमुक्तिफ
लपाई ॥ ५ ॥ गुरुगोविंदकेसरगौ आयौ कुलकीलज्जाफेरी ॥ पूरण
ब्रह्मपदम के स्वामी आसा पूरौ मेरी ॥ ६ ॥ रागमाख कंठीतिलक-
ण्यौ हिरदामें मन आयौ विसवासो ॥ जबतुमकृपाकरी स्वामीजी

कटगईजमकीफासौं१ जमकापाससहीतुमकाटैशरणतुह्मारी
आर्यौ ॥ जबंतुमकृपाकरीस्वामीजी तबगुरुनामसुनायौ ॥२॥
दुखखंडनसुखदायकस्वामीगुरुतुमदीनदयाला ॥ दासपदम
परकिरपाकीज्यौअंतरकरौउजाला ॥३॥ यादकियोहरिपदम
नैलियाहजूरबुलाय ॥ आज्ञादीन्हीश्यामनेपीतांबरपीहिराग्र
॥५॥ रागमारू ॥ पायलग्योहरिकेपदमइयौ बैठयादवराई ॥
कृष्णरुकमणीकीरतगावो॥निजमुखआपसुनाई ॥१॥ रुकम
गिकहैसखातुमसुनियोरचियोचित्तलगाई।योमंगलपरगटतु
मकरियोपुरीद्वारकामाई ॥२॥ अज्ञाले पदमइयौ आयौ नि
जमुखमंगलगाईज्यैआज्ञादीकृष्णरुकमणीकियाउचारसुख
दाई ॥३॥ सुरतेतीसूंआज्ञादीज्यौ रागरंग सुरगावौ ॥ पारब

हस्तुमपारलगावोरुक्मणिब्यावरचावों ॥ ४ ॥ दोहा ॥ रुक्म
रिमंगलगावतों, हुयेपवित्तरगामाकायाराकलमिसभरेहोत
सुखीसबधामा ॥ १ ॥ नरनारीमंगलसुनेहरिचरणोंचितलायाना
रीअमरापुरबसै, नरबैकुंठांजाय ॥ २ ॥ ब्याबलौभागीरथीश्रीभा
गवतपुराणा ॥ बोलैराणीस्कमणी, सुनियोभगतसुजौगा ॥ ३ ॥ कू
डमतीनाभाखियो, कथियोसोहोपरवौणा ॥ यहकीरतश्रीकृष्ण
की, समभरकरौबखौणा ॥ ४ ॥ म्हंभहारिमतसूंकहुंलीजियोइयाम
सुधारा ॥ पदमभंगेप्रणमंसदा, भक्तौप्राणाअधारा ॥ गनननाय
नराजकुं, बिनवौबारंवारंभ्यापूरणकरौ, रचदूयोमंगलचा
रा ॥ ६ ॥ रागमाख ॥ गवरीनंदगणेशमनाऊंसबकुंशीसनवाऊं ॥ स
रतेतीसंआज्ञादीजियेरुक्मणिमंगलगाऊं ॥ १ ॥ कृष्णरुक्मणी

आनादीन्हीनिकटहजूरबुलायौ ॥ नंदकैवराधवरजूकोपदमा
इयोयशगायौ ॥ २ ॥ दोहा ॥ सदाभवानीदाहिनी, कीज्यौमोरिस
हायाकीरतगाऊंश्रीकृष्णकी, लीज्यौ आपवणाय ॥ १ ॥ रागमारू
लीज्यो आपबनायभवानीनिजसेवकरजानौ ॥ कृष्णकोपासि
सपालसंहारण रुकमनिब्यावबखानौ ॥ २ ॥ पुरबजनमकीसीता
कहिये लक्ष्मीजनमसुजानौ ॥ रामचन्द्र अवतारकहीजेवसुद्वं
पुत्रबखानौ ॥ ३ ॥ जहैजहैभीरपरीभक्तनमेंपरमद्यासिआ
ये ॥ पदमभरणेंपायेलागूयादवानाथकहाये ॥ ४ ॥ इतिमंग
लाचरणअष्टपदी ॥ अथकथाप्रारंभः ॥ रागमारूको ॥ दो ॥ द
क्षिणदेशसुहावनौराजामीवनरेस ॥ गढचौरासीगंजगा, शोसप
चायणदेस ॥ १ ॥ रागमारू ॥ शोसपचायणदेसभणीजेपांचपुत्रये

कवाई ॥ त्रिभुवनतारणजगतउधारण सिंधुसुतायहआई ॥ १ ॥
कुलछत्तीसोंजातभरणीजेधरधरमंगलचारो ॥ चावउछावसक
लनगरीब्राह्मणबेदउचारो ॥ २ ॥ रतनजटितकेभवानबनेहे भो
तियनलूगौलागी कुंदनपुष्पकेभवनदेखिकेभयेविप्रअनुरागी ॥
॥ ३ ॥ तिनकेपरबजनमालिथालिछुभाधिररुकमणअमसार ॥ भो
वनरेखरअधिकदानदिय नौबतबाजेंद्वारा ॥ ४ ॥ पंडितबेगबुला
याराजाजनमनक्षत्रादिरवाई ॥ ब्राह्मणकहेनक्षत्रकरडा नामरु
कभरणीवाई ॥ वाररानीइचरसिद्धजोगहैंस्वातिनक्षत्रजआई ॥
लक्ष्मीकोअवतारहुयोहैरुकमरणौवधराई ॥ राजासेजोसीइम
बोलेअष्टसिद्धनौनिधछाई ॥ ७ ॥ गर्लगलीमेंनारकेलहैवागेर
गरगाई ॥ घरघइवंदनवारलगईसुगंधरहिलिपठाई ॥ ८ ॥ रा

जाभीं वधरै तत बधाई हाटवाट रंग छाया ॥ चौहटडा सिंगार क
राया स खिय न संग लगाया ॥ ९ ॥ मग मग है अधिक चतुराई पुर
पनवा लगो पाला ॥ लछमीं मद्रबसे सबही के ब्राह्मण किये निहा
ला ॥ १० ॥ अधिक अधिक सुंदर चतुराई घुडला गिरया न लेखा ॥
कुंदन पुर सिंगार ओपमा गावै पदम विशेषा ॥ ११ ॥ दोहा ॥ सुय
श सुन्यौ स्वर्ग लोक में, नारद अपगो कान ॥ बीणों मँझीणों सुराँ कर
तचले गुणगान ॥ १२ ॥ छंद ॥ एक समें नारद गुसाईं भवन भीषम
के गये ॥ कर जोर राजा भीम ठाढ़ौ मुनि कैसे आवन किये ॥ १३ ॥ आ
रती बहु मांति की नही जोरि करि पूजा करी ॥ ताहि दिन राजा भीष
मनें आसि खामां गी खरी ॥ १४ ॥ राग मारु ॥ नारद कहै सुनो नृप मे
री ॥ लछमीं रुकमण बाई ॥ द्वारावती सगाईं कर द्यौ और ठिकाणी

नाई ॥ १ ॥ छप्पनकोटियादवनकोराजानंदजुकौलालकन्हई
श्रीगिरधरसूंकरोसगाईयादवजोडेनाई ॥ २ ॥ दानोमारणदेवउ
धारणलियाभनुजअवतारी ॥ देहबचनरणवासपथारदासपदम
बलिहारी ॥ ३ ॥ छंद ॥ रुक्मणीकीमातावोलीपुत्रचरणौलागरी
मनभावताबरदेहिनारदपूर्वप्रगटेभागरी ॥ १ ॥ मनमेंसकुचकछु
हरखिकेकरजोरतबठाढीभई ॥ कृष्णवरतांकूबरौ यहआसिखा
नारददई ॥ २ ॥ रागसारू ॥ नारदवचनकहेरुकमणकौ नंदनंद
नवरथारौ ॥ सांवरिसूरतमाधुरिमूरत पीतपीतांबरवारौ ॥ १ ॥
रुकमणिकहेसुनोरिषिराजाकयाहारिकीसहनाणौ ॥ गोकुलमाँ
हौंगवालघरणोरकैसेनिदिचयजाणौ ॥ २ ॥ मोरमुकुटकानाँबिचकुं
डलकौरतुभमणिंसहनाणौ ॥ शंखचक्रअरुच्यारभजौहंगरुडा

सनअहनाणौ ॥३॥ च्यारहिभूजाच्यारहीआयुध नंदयशोदा
प्यारौ ॥ पदमभगैरुकमगिंकूछुपकहिबरसीकृष्णमुरारौ ॥४॥
॥छंद॥ रुकमनीकोबरदेनारदआपमुनिभोजनकिये ॥ताहिदि
नतैकैवरिरुकमनिहरिमिलनकेब्रतकिये ॥१॥रुकमनीयूहदूठा
नोकृष्णमोकूबरजुले ॥ दासपदमकहगयेनारदअंबिकाहारिवर
मिते ॥२॥ रागमारू ॥ राणीकहैइकंतपथारौप्यारीरुकमगणवा
ई ॥हौसरवग्य आपकूसूकैबरद्योमोहिबताई १ नारदकहैचंदेरी
राजादंतवक्रसेभाई ॥जुरासिंधसेकाकाकहियेचहुदिशिफिरहु
हाई ॥२॥ कहराजशिशुपालधरापति नवखंड मैनिहिछानौ ॥
पदमभगैनारदइमभाखेसत्थबचनपरमानौ ॥३॥ दोहा ॥ नारद
कहैराणीसुगौंचंदेरीकोराय ॥ डाहलसंसगपणकरौदीन्हौगुप

तबताय ॥ १ ॥ न पकं कृष्णवसा विधौ राणी कंसिसपाल ॥ नारदहुं
बध्यानाखग्यौ करदानाकोकाल ॥ २ ॥ दानवबधिया देवदुखपृथ्वी
करा पुकार ॥ भुको भारउतारणो लियौ कृष्ण अवतार ॥ ३ ॥ चार्ता
राणी कूया प्रकार सैं कह के नारद जी अपणों स्वल्थान पैं जाले भये ॥
॥ दोहा ॥ रावरणवासपधारिया मिली सहेली द्वार ॥ किंणारी
बार्हडी करी किंडरी राजा कै वार ॥ सखी भग्यो सुगुराज वीसौ भल
भी व भुवार ॥ या छै बार्हक मणी भीषम गृह अवतार ॥ २ ॥ जबरा
जा सौ सौ कियो चिंता बहुत कराय ॥ धुक है महाराजो विणो जनम अ
कारथ जाय ॥ ३ ॥ बार्हक मणी कारगोर राजा जो वेवीद ॥ पल
पल देखत न घटै नैगान आवै नीद ॥ ४ ॥ रागमारू ॥ ताल छ पका
नैगानी द पलक नहिं भंपे चितवतरे न बिहावै ॥ चंद्रबदन चूडाम

गिकारण सुर्तसौवरो आवै ॥ १ ॥ असुराँ भसगंगणमतिकी ज्या
वैतौ है सब कीठा ॥ मथुरामल्लह अवोरजी त्या देवद्वार का दीठा ॥
॥ १ ॥ बसुदेव नंदन असुर निकंदन तीन लोक के राजा ॥ बहस
भगौराजा इमि भागै अरे हमार काजा ॥ ३ ॥ सोरठा ॥ भीषम सुता
जन भियाँ कृष्णसम र्पणियाँ ॥ कहत सुनत पातक कहे संग त्वरक
मणियाँ ॥ १ ॥ दोहा ॥ बंदन दन चूडा भगो, भीषम अह अवतार
बंधू रुकम हूयौ भलौ, मंत्रि शिरौ मण सा ॥ २ ॥ रागा मारु ॥
कुंदन पुरमें भीम नरेश्वर पौंच पुत्र अधिकारी ॥ जिग्रा सुखोटी एक
रुकम गणी लछमी की अवतारी ॥ १ ॥ रुकम हूयो अरु रुकम कै वर
है रुकम के सब लभारी ॥ रुकमारथ रुकम गदक हिये छठरी राज
कुलारी ॥ १ ॥ राजा भीव कै वर रुकम हूयो मंत्र करवै बैठा ॥ इक

कन्याकुँसौबरजुगता सौबरकितनहिदीठा ॥ ३ ॥ रुकमइयौ
कहसुगोराजार्जीथेतौसगलीजागौ ॥ म्हानैतौबालकबुधआवै
पिछलीतुमहिपिभागौ ॥ ४ ॥ राजाभगौसुगौरुकमइयौबरवन
वारीजानौ ॥ छप्पनकोटयादवनकोराजायादवंबशाबखानौ ॥
निभुवनमायनिघटैकरदख्योउनसभकोइनलागौ ॥ पढमभगौ
राजायैबोलेरुकमइयाकेआगे ॥ ६ ॥ दोहा ॥ कैवरकनौधरयुँभ
गौ, दीकमयहलौजान ॥ गोकुलगऊचरावतौभलौसरायोकान्ह
॥ १ ॥ रागमारू ॥ वृन्दावनमेंगऊचरावैभिडवाल्यांरसाथे ॥
कामनिमोहैवसिवजावै जीमेउणरहाथे ॥ १ ॥ परनारीकेप्र
खेभूमेगागेदानमहीको ॥ तुमजुकहौनिभुवनकोराजा चौथो
खंडअहीको ॥ २ ॥ छनिवंशहास्तिनापुरवौरया फिरबडवालयौ

जानौ॥ जिनकाकुलकीलज्जा आवेतिनकोकहाबखानौ॥३॥
दरसनकालेबौलेकुडोतनमनधरअभिमानौ॥ पदमभगोरुक
इयो भाखेभलोसरायोकान्हौ॥४॥ दोहा ॥ भौवभगोसुतमा
हरा थे छोभूढगैवार। औरैके भुजदायछै हरजीकेभुजच्यार॥
॥१॥ रागमारू॥ चतुरभुजनेच्यारूंभुजसौहैगरुडासनगोबिंदा
ब्रह्मादिकसनकादिकथरप्यासूरजअहिनिसचंद्रा॥१॥ वासगाके
शिरधरणीथरपीजलपातालचलायो जलथलपवनअपरबल
पानीविचाबचमुलकबसायो॥२॥ ज्यंभरजादआपहारिबाँधीहुक
मीकामचलायो॥ पदमभगोप्रणमैपायेलागौबिनथंभआभोछा
यो॥३॥ दोहा॥ कैवरभगोसुगाराजवी, सांझलभींवसुवाल। पुरब
चंदेरीराजवी, बरबस्यांशिशुपाल॥१॥ रागमारू॥ दम्मघाष

राजा कौन दूधनको वारन पारा ॥ शिव किरया तें लक्ष्मी पाई सो
 हेरा ज दुवारा ॥ १ ॥ भंडारी को ठारी सो है हस्ती तुरी आ पारो ॥ आ पा
 से अधिक भरली जे अडवाडियां आ धारो ॥ सब ली से तीस गण
 की जे पाणी पहली पाजे ॥ कैवर भग्यो सुन ज्यो राजा जी गवल्यां
 संकुल लाजे ॥ ३ ॥ दरुम धोषरो पुत्र भग्यो जे दुस्रो बली इक दुमौ ॥
 जिन संग चढे भयाथ गच्छौ हग खंडी वाकी जानौ ॥ ४ ॥ जा कंन वै
 निना गुंरा जा पूरवत गोनरे सा ॥ पहली तो सब जा दूजी तया कौस
 लिथारा बंद सा ॥ ५ ॥ समंद तणै जाय सरणै बैठो नगर सब सा सो मां
 हैं ॥ डर लौ वेवा हरनहि आवे मां नो भिल गयो अई ॥ ६ ॥ काल जम
 न के आगि भागो थासुं किस डोछानौ ॥ पदम भग्यो रुक मइयो भां
 डे मलो स रायै कान्हौ ॥ ७ ॥ दोहा ॥ भौव भग्यो सुत मां हरातु महो

निपट अयान ॥ नखेपशगिरवरधारियो कुवज्याराख्योमान ॥
॥१॥ सीतौंशिवाहरचढ्यौ सायरबांधीपाज ॥ धनुषबांणकरधा
रिके देवसुधाज्याकाजा ॥२॥ रागमारु ॥ सायरपाज सहिकरबां
धीवांनररीक्षामिलाया ॥ कुंभकरणमहिरावणमान्या आगेअसु
रसताया १ रावणारूपदेखसीताको असुरकुबुद्धिबुधिआई ॥
रावणकेदशमस्तकछेदेबंधतेतीसछुडाई ॥२॥ बिभीषणनेराज
तिलकदेकनकमालपहिराई ॥ जनकसुताजबलेकरआया घर
घरबजीबघाई ॥ ३ ॥ असंकजुगां अवतारभक्तहित साखबेदमे
गाई ॥ पदमभणौंभीषमयैमाखेवहअबजादुराई ॥४॥ दोहा ॥ भी
वभणौंसुतमांहरारुकमणियहबरसाज ॥ जिनेअघासुरमारिया
वृक्ष अमौलिकभांज ॥१॥ रागमारु ॥ वृक्षअमौलिकप्रभुनेता

न्यासकदासुरसंधान्यौ नलकुंवरदो कबलवंता लिनको मलउरला
न्यौ ॥ १ ॥ जमुनाजलमेंकालीनाथ्यौ बलिअजगरकुं मान्यौ ॥
कंसमारघरणो शिरचून्थौ जटुवनको कियौ उबारौ ॥ २ ॥ वीर
कुबलियाकुंजरमान्यौ मुष्टिकमल्ल अखाडो ॥ असुरकंसचौ गुर
पछाड्यौ असुरांतगोपंवाडो ॥ ३ ॥ येहअवतारपँवाडा भारथाय
मह्येताजार्गु ॥ छप्पनकोटियादवकोराजा जिंघारोवंशबख्सागु
॥ ४ ॥ तीनलोकअरुचवदाभुवनमें नहीं कि सीसैछानौ ॥ पदमभ
गो भीषमयुभाखे वरबनवारीजानौ ॥ ५ ॥ दोहा ॥ कंसजतेडीपूत
नाजहर लगायोगात ॥ सिसुमारनआवतभई, सुनअचरजकी
ता ॥ १ ॥ रागआसावरी ॥ लालकोमें मुखदेखनको आई ॥ ऐकारा
तवसी असुरनकीनगरी देहमहादुखपाई ॥ पुरुषनकामूढानहि

देख्या अडसटतीरथन्हार्इ ॥ १ ॥ जबमै ध्यान धर्यो बैकंठ मै वैकंठ
मंखाली पाई ॥ २ ॥ येता बालक देख्या वृजमैं इनमैं जो तसवाई ॥
जो म्हे थारा बुरा चिताऊँ आखिन मीसौ हखाई ॥ ३ ॥ चित सुद्ध्या
गाज सो दारानी पलना दिया बताई ॥ बिषल गायथ न मुखमैं दीयो
सुते खैचय दुराई ॥ ४ ॥ पड्यो जाय जब डोढ जो जन के असुर
न संक्या आई ॥ पदम भगौ प्रणमैं पाये लागूं माता की गति पाई ॥
॥ ५ ॥ छंद ॥ ब्यावैर अरु प्रीति लाय कबै बरसूं कीजिये ॥
राजत खत ब्याह के यूँ गवाल कूं सुत दीजिये ॥ जात कुल के ही रास
बमिल ब्याह कै से दीजिये ॥ मान बचन भुवाल भीषम भूल यह म
तिकीजिये ॥ दम्भ घोष को शिशु पालरा जाता हि कन्या दीजिये
जात सूरसुजात सुंदर जाय सगपण कीजिये ॥ ताय कन्या देत सो

भा चनमौरप्रतीजिये ॥ २ ॥ रागमाखू ॥ तालछप्को ॥ भरीसभा
में इंदरको प्यावृजसुं भेटन आई ॥ याबृज ऊपर जल बरसावो सब
कंदेवो बहाई ॥ १ ॥ आवरछनको आदिले कन्या खूं पुन बुलाई ॥
बरस्यौ घन अंत सु रधारा परवतलीयो उठाई ॥ २ ॥ राजा
भौवभगौरुक्रमइया किंशारा जाको दीजौ ॥ ओछे संगे सगापणा कर
तां मान बडाई छीजौ ॥ ३ ॥ पूरे संगे सगारत करतौ वाके शरणीजो
वसुदेवनंद असुरदल गंजन उनको कन्या दीजौ ॥ ४ ॥ विलमनक
रोहुकम उरधारौ पीछे जवाब न दीज्ये ॥ पदमइया मते रे गुणागा
वै काम भले राकी ज्ये ॥ ५ ॥ दोहा ॥ चमकिकनौ धरउ ठिचल्यो घ
र जाय पूछीमाय ॥ तखतचंदेरी छे डिके, सगपण अकुल कराय
॥ १ ॥ रागमाखू ॥ सात बरस की बाई रुकम गिा संग खलगाजा

थानराजाबहुपेणादीन्हौ बैठकरोठकुराई ॥३॥ दोहा ॥ येकहि
 बरमेदोमाता, मलीकायसेहोय ॥ पुरुषजुपूजेदेवता, भूतजुपूजे
 जोय ॥१॥ भीमउवाच ॥ रागमरुबाँसबीडाअपणौकुलजारिए
 सोपुत्रतुह्यारो ॥ पिताबचनमरखनहिंमानैरुकमकैवरअपगारो
 ॥१॥ राजाभणौसुगौराणीतुमयेहवातनसोई, पदमभणौप्रणमैपा
 मेलागैकरदेखौसबकोई ॥ रागआसावरीतालदीपचंदी ॥ कहाते
 रनंदनंदनमनमान्यौ ॥ टंक ॥ रागोअरजकरैराजासेबृद्धभयो
 हमजान्यौ ॥१॥ जातपौतकुलवाकेनार्हिसोरुकमणिबरठान्यौ
 ॥२॥ बृन्दावनमेंगऊचराबै कौंधिकामरकान्यौ ॥ ३ ॥ पदमभ
 णैराणीगैभाखे मोरमुकटवाकोटान्यौ ॥४॥ रागसोरठ ॥ भो
 लीराणीबावरीहै गिरवरधारीनेपरणास्यां ॥ टेर ॥ शठरुकमइयौ

येकनमानेकहशिसपालबुलास्यौ ॥ १ ॥ नोशिसपालचंदेरीकोरा
जाहोनिभुवनपतिध्यास्यौ ॥ २ ॥ जोहरिन्होरेभवन्पधारै घर
बैठागतिभास्यौ ॥ ३ ॥ प्राणतजैपणप्रणनिहिछाडूँरुकमगिरथ
बैठास्यौ ॥ ४ ॥ पदमश्यामजोहरिनिहिआवै तोमरस्यौविष
खास्यौ ॥ ५ ॥ दोहा ॥ राणीसुराजाकहैसुगौप्राणआधार ॥ ती
नलोकपतिकृष्णकीरुकमगिहैबरनार ॥ १ ॥ रागमारु तालछ
पको ॥ तीनलोककेनायककेसोकैताकियापैवाडा ॥ मारेदानव
देवउबारैअनगिनदैत्यअस्वाडा १ बालरूपहोयहतीपूतनापह
लप्रवाडाकीया ॥ पाईसजाश्रीधरजोसीविप्रजानजिवादिया ॥
२ मलअस्वाडेहस्तीमान्याकरसंदसनउपारो ॥ कालीनागना
थकरल्याथोनखपरगिरवरधारो ३ मान्योकंसकेसगहकेसौजन

वै कोटिक अरुण अंग की शोभा विद्युतरूप लजावै ॥१॥ राणी
के मन चिंता उपजी कुंवरि बडी अब होई ॥ पुत्र बुलाय रुकमने भाषे
बर सोधी उयो कोई ॥२॥ राणी कहै सुनो रुकम इयारु क मणि बोद
विचारो ॥ साखां सिर सरीखौ सग पण कारज सुधरे थारो ॥३॥ क
हरु क मइयो सुन हे जननी राजा मंत्रि पठावां ॥ बडा धराणो वाई
ब्यावाँ तौ जग में यश पावाँ ॥४॥ चंदेरी शिसपाल धरापति जिंगने
कौ कबुलावां ॥ पदम भणै यूँ कह अ भिमानी राज दुवार जावां ॥५॥
राग मारुता लछपको ॥ राव और बरहे रे माता थोर काई
भाँवै ॥ माखन चोर छाँछ को दानी तिन को राव सरीवै ॥६॥ ग
जदल ठाट गढौ रौ पुरोत खत चंदेरी सोहे ॥ च्यार खूँट न वखंड नि
चाले इस डो और न कोहे ॥२॥ नेम धरम की सबा बिध जाँगी नगर ध

रामकीपाजा ॥ सुंदरवरशिसपालभणीजेतायनभ्रं पैराजा ॥ ३ ॥
रुकमइयाकाबचनसुणोसुणाहिवडामौहीसाल्यो ॥ देखोमतिरा
जाभीष्टमकीकरेजौवाइरबाल्यो ॥ ४ ॥ मातासुतामिलभंजवि
चारेदोधनलागेकोई ॥ करेसगाईदेरनकीजैहोनीहोयसोहोई ॥
॥ ५ ॥ रुकमइयाकाबचनसुनेसुनगाढोमतोउपावो ॥ बिप्रबुलाय
सुलगनलिगवावोचंदेरीपहुँचावो ॥ ६ ॥ दोहा ॥ रावरणावासपधारि
गाराणीसुबतलाय ॥ हुकमकैवरउत्तरदियो, करताकोटिउपाय
ररागमाहृतालछप्रको ॥ करताकोटिउपायनरस्वरविधनाओ
छीबाराणीराणीभणोसुणोराजाजीगहेंथारीमतजाणी ॥ ७ ॥ राणी
भणोसुनोराजाजीयेहीबालमनपेखो ॥ रुकमइयौथारीपतराखे
बैठाबैठादेखो ॥ ८ ॥ राणीभणोसुणोराजाजीथारीबातनभाई ॥

जी जो डेहात ॥ कर जो री विनती करं सुगौ न रे इ व र बा त ॥ २ ॥ रा
ग मारु ॥ सुगौ न रे इ व र बा त ह मारी ब्या ह त गौ बु ध रा खौ ॥ भली बु
री भै र हौ नि रा ला बो भकै व रा सिर ना खौ ॥ १ ॥ रुक म ड्यौ अति मूर
ख रा जा कहें सूनी नहिं मानै कुल अभिमान बडा हिं रा खै ब द भे द न
हिं जानै ॥ २ ॥ असुर तणा दल ऊपर ह र ख्यौ छा ड्यौ त्रिभुवन राई
पूरण ब्रह्म पद म के स्वामी जिन य ह सृष्टि उपाई ॥ ३ ॥ रुक म नी व
चना दोहा बंधु मात मा नी न हों, पिता कहि सो बात ॥ कृष्ण त जो शी
स पाल को, पाणी गि ह णा क रा त ॥ १ ॥ रुक म ड्यौ की बा त सुन, रुक म
गि च ली रिसा य ॥ नैन भ ड आसू प डे, सर व र न्हं व रा जा य ॥ २ ॥ क
हतौ नी र प्र वा ह ल्युं के आवै गो पाल ॥ प्राण त जूँ या बी र पै, नहिं प र गौ
शि स पाल ॥ ३ ॥ राग मारु ॥ साव रा की ब ड ली ज स ह ल्यौ सब मि

लज्हाँवराचाली॥रुक्मकभुक्मकपगानेवरबाजेसुघडसख्यौसैगहा
ली॥१॥ औरसहेल्यौरातीरौरुक्मभगिणीचपधारी॥जबजल
मांहीडुबगालागीआदकियागिरधारी॥२॥ मुजापकडहरिबाहर
लीनीयाकाईबातबिचारी॥कौनदेशमेंजनमतुहमारोकौनघरां
अवतारी॥३॥ कुंदनपुरमेंजनमहमारोभौवधरांअवतारी॥ना
नीखीचगामायसौलगवणीदादाजातपैवारी॥४॥ वाचादेहभी
वकीकैवरीजबधरांपधारी॥ बाचातौम्हेंजबहींदेऊरूपचतुर
भुजधारी॥५॥रूपचतुरभुजधान्याहारिनेशोभाअनंतअपारी
औरौतौधुडलासोहैकृष्णगरुडअसवारी॥६॥ शिवबाचाअरुब्र
ह्माबाचाबाचाकृष्णामुरारी॥ जनमजनमकासाहबमेरोहूँअरधां
ग्याथारी॥कैहूँकृष्णजीभुगौरुक्मभगिणीथेतौसुसिरहीज्यौ।माबे

प्रह्लादबचायो॥ उग्रसेनपराकिरपाकीनी राजाकरबैठायो॥ ४॥
दोहा॥ भगवतजानिहारिअवतरे, राजादशरथधामपरणीसीता
पैजकर, धनुषचढायोराम॥ १॥ रागमारु॥ धनुषचढाय किया
दोयकुटका राजासबमुखजोहै॥ सुरनरमुनिजनरहेअचभेब्रह्मा
कामनमोहै १ रावणकादसमस्तकछेद्याकियोबिभीषणराजा
परशरामच्छत्रीबंशकट्याशस्त्र अवधपुरसाजा ॥ २॥ बारा
हरूपहोयपृथ्वीलियायौजागैसकलजहाना॥ मच्छरूपहोयवेद
निकारया ब्रह्माकरबखाना ॥ ३॥ वावनहोकरपृथ्वीमापीबल
पातालपढायो॥ नृसिंहरूपहोयहत्योहरणाकुस जनप्रह्लाद
बचायो॥ ४॥ जहांजहांभीरपरीभक्तनमेंवहांआपचलिआयो॥
पद्मभरणेबुद्धाअवतारी बहुताकामबनायो ॥ ५॥ रागसोरठ

तालठूमरी॥ राजाबरेहृथ्योकारौकानौ ॥ टेक॥ जानौतुमारी अ
कलरावजी वृद्धसमयनिषछानौ ॥ १ ॥ साठानुद्धिगईअबथौ
कीपुत्रकहैसामानौ ॥ २॥ वृन्दावनमेंधेनुचराई सांग्यासाहिको
दानौ ॥ ३॥ भटकताफिरयौगोकुलगालियनमें कैसारावबखानौ
॥ ४॥ आवहींतजोरावहठ अपनो लोगहैंसीधरानौ ॥ ५॥ अरि
भयमानवस्यौसिंधूमैंवौम्हांसुंनहिछानौ ॥ ६॥ योंशिसपाल
चंदेरीकोराजा लाखगढाकोरानौ ॥ ७॥ उनकातजौग्वालधादे
ते लाजनेकउरआनौ ॥ ८॥ ब्याहनआवैच्यदेरिधरापतियहतुम
निश्चयजानौ ॥ ९॥ पदमभगौराणीयैभाखै थेमानौमलमानौ ॥
॥ १०॥ दोहा ॥ राणीकहराजासुगौ, येहीअरजमहाराज ॥ तुम
बैठाभालाभजौ, कुंवरसुवारैकाज ॥ १॥ राजासूराणीकुंवर मं

टाकोइमतौउपावैकागदबेगीदीज्यो ढकहैरुकमणीसुनौकृष्ण
जीयायेभलीसुनाईलगनसांकडेसावोदेवैकागजपहुँचनार्इ ९
कागदलिखमिस्सरनेदीज्यौ येकमजलआयरैसी ॥ येकघडी
औरयेकरातमेंकागदआयरदेसी। १०। बाचादेयभोंवकीकैवरी
रंगमहलमेधार्इ ॥ औरसेहल्यां कबकी आर्इ तेक्योंवारलगार्इ ॥
। ११। जलमेंमातान्हान्वणलागी आगथेकृष्णमुरारी ॥ वोंदेखत
बाहरनहिंनिकसी लाजकरीअतिभारी ॥ १२॥ फिटफिटहेह्यां
रीबार्इरुकमणीकुलकुंदागलगायौ ॥ बडाघरांरीबेटीहोयकरजा
यगवालबतलायौ ॥ १३॥ फिटफिटहेम्हारीमायसुलखणी ॥ उ
ठउठजायपरांरी ॥ पदमभरणप्रणमौकहरुकमण म्हारौबरगिर
धारी ॥ १४॥ दोहा ॥ पंडितबेगबुलाइया, लीन्हानिकटबिठाय

लगनलिखाव राजरानीकांसौधवनाय॥१॥ रागमारू॥ सगला
दोषनछोड़ौजोसीनिरमनसावोकाढौ॥ पत्रीदेखरपाटौमांडोव
डीमुहूरतसाधौ॥ १॥ जोसी भगैसुनौरानीजीनिरमलसा
हौकाढ्यौ॥ इगसावामेंचकनहींपिण सुकनास्वामीआडौ॥ २॥
दोहा॥ कुंवरकहैमंत्रीसुनौ, रावबुलावोतेज॥ लगनलिखा
योवाइराजको, देवाचैदेरीभेज॥ १॥ रागमारू॥ मंत्रीभेजदिये
हलकारोसुरसतभाटबुलायो॥ रुकमकुंवरजीयादकियाछैसुन
तनचनउठधायो॥ १॥ सुरसतभाटसबैलोआयोचौरपदारगुदरा
यो॥ जायसमामेंमुजरीकीन्हौंटीकोहातधरायो॥ २॥ बाइरुक
मणकोलगनलिख्योछै नपकोभतीसुनावौ॥ जावौगुपतकहौम
तिकिगनेतीखाखडनैधायौ॥ ३॥ बिसटालासंकामनहींछैशि

शुपालेकर दीज्यौ। कह पदमइ गौ कै वर रावसुं अरु मुख बचन की
ज्यौ ॥४॥ दोहा ॥ दीकी डाहल ते डियो। पुर भें मंगल चार ॥ राजा
भीव अरु रुकमणी, दोनो करे विचार ॥ राग मारु ॥ बोले रुकमण
संगु महाराजा थ्यान्यौ गिरधारी ॥ रुकमइ ये राणी डाहल सुंक
रीस गार्इ म्हांरी ॥ १ ॥ बोले राजा सुबाइ रुकमण परगार स्यां बिन
बारी ॥ छप्पन कोट यादव संग आसी बलदा ऊहल धारी ॥ २ ॥ तेती
सकोटि देवता आसी शिव नंदी असवारी ॥ शिशपाल की सैन्यां
मारि भूको भार उतारी ॥ ३ ॥ भक्त हेत धरे अवतारौ दास जांण कर
आवै ॥ सब लाने छोडि गिरधारी अबल मान बधानै ॥ ४ ॥ दुष्टाने
तौ कालौ दीखै भक्तौ भूधर गोरो ॥ पदम भरणे भीष मयूं भारै वर बन
वारी तोरी ॥ ५ ॥ दोहा ॥ सुरसत भाट चढा विद्या, तुरि अमोल कआ

गा ॥ पवनजबेगउताबला, बेगबेगापिलौगा १ रागमारु ॥ तु
रीपलागौबेगकरौनेबाटौविमलनकीज्यौ ॥ बटवाल्यसंवातन
कीज्योबेगाकागददीज्यो ॥ १ ॥ सुरसतभाटचंदरीनेचल्याफू
ल्यौ अंगनआई ॥ बिधवानारहुसकतीकन्यासोहीआडी आई ॥
॥ २ ॥ तिलकविहूणौमिल्योपांडियाउरधाकेसौनारी ॥ मालमु
कदमौमिल्यो चौधरीऊँधेघडेपनिहारी ॥ ३ ॥ मुँडमूँडियामिल्या
मोडियाबिनमुद्राकाजोगी ॥ छुरीमारगंतराडा ॥ मिलियासाम्हौ
मिलियासोगी ४ ल्यालीजरखंडूडियाभिलियाखोटासुगनखं
वारी ॥ सुरसतभाटवाटमैंऊँभौलीन्हंसुकनबिचारी ५ इतरा
तौ उगादेआख्यादेख्याऔ सुग्याभीकाना म्हारे घरकुशलर
हीज्यौपडौ बौदकीजाना ६ येतौसुकनपालसबहुवाजायर

करसैकाई। सुरसतसुकनशोचमनमाहीं मतलब अगलीनाही
७ दोहा॥ सुरसतसुकनबुराहुवा, चंदेरीकीओर ॥ बांवीबोले
कौचरी, फोहीकूकेभोश ॥ १॥ रागमाखतखतचंदेरीजायरपौच ॥
भीतरभेदजनायौ ॥ कागदलेडाहलकरदीन्हों दूतकठासूंआयौ
॥ १॥ दसहजारहेवरलिखभेज्या कागदरुक्रमपठ्यौ ॥ कुंदनपु
रमेंकैवरसूरमोंसबहीशीसिनवायौ ॥ २॥ कुंदनपुरकाटेवासुनके
फूल्यौअंगनमायौ ॥ पदमभरणंप्रणमेंपायेलागूटीकोरुकमपठा
यौ ॥ ३॥ दोहाकागदडाहलबांचिया, मनमेंकियौविचारयहका
गदनहिंभीवरा, कागदलिख्याकैवार ॥ रागमारू ॥ राजाभींबजी
ग्वालसरावैकैवरसरवैथानौ ॥ सांचीबातकहाम्हांथानेकागदलि
खियाछाने ॥ १॥ रावजरासिंघतेडियाजीभेलाहुवासबआइदोनू

राजा छत्रपती जब बैठा तखत निछाई २ विसटाला की बीनी जी
सुनौ नरेवर रावौ कुंदन पुर निहचे जु धहो सी पाखर सेल सँभावौ ॥
॥३॥ जरा सिध जब यूँ उठवो ल्या सुगाल्यो सभामें भ्रारी ॥ यादव क
टक बिडारां पलमें परगना भौं वकै वारी ॥४॥ उमरावां जब वीडोली
यौ पाखर सेल सँवारी ॥ इतना सुन कर दभघोष जी आये सभामें
भ्रारी ॥ कुंदन पुर की टोवी आयौ सब कुंवाँच सुनावौ ॥ पद सभगो
प्रणमैं पाय लागै जोशी बेंग बुलावौ ॥६॥ दोहा ॥ डाहल जोशी ते
डियो, लीनो तुरत बुलाया ॥ कुंदन पुर की पत्रिका म्हाने वांच सुग
या ॥१॥ राग मारू ॥ सतका बचन कहा सुन राजा निगम होय नहिं भू
दा ॥ ऐसी मुहूरत लिखी पत्रिका आवै भाग अफूटा ॥१॥ जोशी
कहे सुनौ राजा जी कहै यो हमारी की ज्ये ॥ सुतक योगमें सावौ लि

खियौ आगे पाँवन दीज्ये ॥ २ ॥ डाहल राजा बल कर बोल्यो, जोशी
थे घर जावो ॥ पदम भरणे में पाये लागू जोशी और बुलावो ॥ ३ ॥
दोहा ॥ पीपा जोशी तो डिया, रंगत खत बैठाया ॥ कुंदन पुर की पत्रिका
हमने बाँच सुनाया ॥ १ ॥ राग मारू ताल छपको । पीपा जोशी
टेवा बाँच सुन रे डाहल भाई ॥ वोतौ आप कृष्ण की नारी थारे लाय
कनाहीं ॥ १ ॥ कथाने राजा करो सागती कथां ने जान बग्यावो ॥ शिषि
पंचक में लिखा पत्रिका फेराले राग पावो ॥ २ ॥ डाहल राजा बलका
बोल्यो जोशी थे घर जावो ॥ पदम भरणे में पाये लागू जोशी और
बुलावो ॥ ३ ॥ दोहा ॥ संसन जोशी तो डिया, रंगत खत बैठाया ॥ कुंदन
पुर की पत्रिका, म्हाने बाँच सुनाया ॥ १ ॥ राग मारू । पोथी खोल
र पाटो मांडो घडी मुहूरत काढो ॥ यह सावामें चूक नही है सकुन

इयामहीआडौ॥१॥सुंदोससावाकरछोटैरासांवर्गमिलाई॥कै
वररावकाकहंजोडवानवग्रहकरोसहाई॥२॥लातपातयाभि
नउगुंतीबेधभीनाहीं॥कांतिसाम्ययेकार्गलदीखैभूत्युपंचक
कैमाहीं॥२॥संमनजोशीमनमेंरुपैशिशुपालौबलखावै॥जे
हूसावोखोटोकहसूंगरीवारकहावै॥४॥थालौडीपरभदराअट
कीपतराखेग्हारोसाई॥पदमभगेंजोशीमनसोचैफेरालेणानपा
ई॥५॥दोहा॥रावरसौडपधारिया,लीन्होंअपनेसाथा॥कुंदनपुर
काभाटने,मलाजिमावौभात१रागमारू॥बहुव्यजनपकवान
मिठाईमिसरीखीरमिलानी॥कुंदनपुरकासुरसतभाटकीखुबक
रीमिजमानी१घुडलापांचसातदसदीन्हामलोमनोरथकीन्है
पदमभगेंशिसपालभाटकोमुखमांग्यौसोइदीन्हों॥२॥दोहा॥

रावरणबासपधांरयाभाभीसुबतलाय॥टीकोआयोरोमालरो
थारैमनकाईमाय॥१॥रागमारू॥ सुरसतभाटमंगलेआयोडो
ह्यांभीतरधायो ॥ कुंदनपुरकोटीकोआयोभावजनेफरमायो
॥१॥भाभीभगोसुगौमहारादेवरयाकांइबातउठार्इ॥नांवजुनहो
भीवराजकोमहारमननहिंभाई॥२॥भाभीभगोसुगौजीदेवरकुं
दनपुरमतिजावौ ॥ इणअवसरथेरहौजीवताफेरहिरावकहावौ
॥३॥येपीयरउठजावौभाभीमहेकुंदनपुरजास्यां॥ भीषमकैवर
परणघरल्यावांथोरपगालगास्यां॥४॥महेपीयरतौजबसेंचाल्या
जबथेजातबणावौ॥ अबहीबातसमेटोदेवरक्यंथेलोगहैसावौ ॥
॥५॥आतुरहोयशिशुपालोबोल्योकडवाकाइसुनावौ ॥ छप्पन
कोटिबांधकरलाऊँतौमनेरंगचढावौ ॥६॥ थारो रंगहैतबहीजा

गाजबथेपरणपधारौ ॥ सौवनचुडलौघरघरपडसीअपजासहो
सीथारौ॥ ७॥ वाअरंवग्याहरिकीलक्ष्मीदयेवरमातजानौ ॥ ह्मा
रीकहीबुरीमतमानौलाजखोयघरआनौ॥ ८॥ बहुतेककहीयेक
नाहिमानदिम्मघोषराजारौ। पदमभगौभाभीयूँलभलोनहो
सीथारी॥ ९॥ दोहा॥ भाभीकासुनकरबचन, लागीउरबिचलाय
रोसभन्योपीछौफिन्यो, मनानक्रोधसमाय ॥ १॥ रागमारु ॥
भाभभिंभंगुणअधिकाजागयाजदभैंमिलवाधाया ॥ कुंदनपुर
भीषमकैवरीकाटेवाबाचसुणाया ॥ १ ॥ सुणकरटेवारासभरी
अतिनैनानीरबहाया॥ होतबहोणहारकाईथारौइसठावचनसु
नाया॥ २॥ रंगमहलेशिशुपालपधान्याउत्तरतापछिताया ॥ ब
भीनुगरीसेतीपूछ्यौकढवाबोलसुणाया॥ ३॥ इणनुगरीसंबोला

नाहींकरस्यांसनराचाया॥पदमभगेंडाहलअभिमानीक्रोधम
रेभरधाया॥४॥दोहा॥डाहलकोमनऊमग्यो, जरासिंधपैजाय॥
कागदआयोविद्रुमदेशते, थानेकिस्योसुहाय॥१॥पंडितह्मानेयु
कहैटीकोद्यौफिरवाय॥भाभीह्मानेंयूकहैजास्यौतौपतजाय॥
कहोतोटैवौभेल्ल्यांकहोतोद्याफिरवाय॥जरासिंधराजाबली
तुमहींकरौसहाय॥३॥रागमारू॥जंबेजरासिंधएसेबोल्यावौ
ल्याछुगारवाई॥उठकरपांवघज्योधरणीपरतबधरणीथरराई१
शौदिशामेंचीठीभेजौद्यौरेंगोरंडकामलीभांतपरणायरल्या
ऊतौरैजरासिंधबंका॥२॥द्वातकलमकागदमैगवावौमंत्रिसिबेबु
लावौ॥गादीरूपतस्वतकुलमंडुनजरासिंधपैआवौ॥३॥जंबेजरा
सिंधयेसेबोल्याबोल्यागहवरदानौ॥चड्ढुदिसामेंकागदफेरज्यु

भठआवैजानौ ॥४॥ चं। परकरौ बेग। स्वत। भे। जो। को। को। रा। व। नु। मा। ग।
ये। क। ल। ख। स। ढ्या। सां। च। रियां। छू। टा। प। व। न। बि। वा। य। णां ॥५॥ भौ। जां। बि। य। णी।
पे। रे। वां। था। ने। लि। खि। य। जा। य। व। चा। बौ ॥ र। वि। के। नी। चे। बि। न। म। ठ। वा। ल। य। न।
व। खं। डा। फि। र। जा। बौ ॥६॥ रा। म। रा। भो। तो। छे। लि। ख। ज्यौ। बे। ग। लि। खौ। अ।
स। वा। री ॥ ये। अ। व। स। र। ए। सो। ही। जा। यो। था। ने। स। र। म। ह। म। री ७ का। ग। द। ली।
खौ। वा। च। तां। प। ह। ली। का। ने। ध। णी। व। खा। नौ। जी। भौ। उ। ठे। ह। र। च। लू। च। दे। री। इ। त।
बी। हौं। कर। मा। नौ ॥८॥ सा। य। र। ल। ग। स। व। ही। च। ढ। आ। बौ। भ। ली। व। णा। बौ। सा।
जा ॥ पा। थ। च। लं। ता। प। हुं। च्यार। हि। यौ। लि। खी। ज। रा। सिं। ध। रा। जा ९ दो। हा।
दी। को। आ। यो। रु। क। म। ल। रौ। ग। ढ। प। ति। या। रंग। चा। व ॥ है। सिं। हौं। सि। मं। डे। रा। ज।
बी। बंधू। ने। सिं। ध। रा। व १ रा। ग। मा। रू ॥ बंधू। ने। सिं। ध। रा। व। लि। खा। बौ। थे। द। ल।
थं। भन। आ। बौ ॥ मं। त्री। ने। म्हा। रा। ज। क। ह। त। है। ह। मे। सरी। खे। जा। बौ ॥ १ ॥

सिंधमंत्रीजबचालियाजीभेट्यापवनबिवाना मानसरीवरपा
रकेराजाराकरसुरताना २ करसुलतानसहीकोराजासिंध
मंत्रीचढजावौ सबलतेजदंताधरराजासूतोजायजगावौ ३ मं
त्रीजायादियापरवानाअनतउछाहबचाथौ कुंदनपुररुकसाक
वरकोटीकोलेभटआथौ ४ टीकामेंदुबध्यासीदीखेनावभीवर
नाही ॥ यांसेतीसनमंधजकीताह्मांसूराजीनाही ५ सुनमंत्रीका
बचनजयहडायेंदंताधरवौलै । रविकेनीचेनवखंडमाहीनहिंसी
सपालैतौलै ॥ ६ ॥ चांपरकरैबेगचढबाकीसवै सैवारो हाथी ॥
नोउखंडामें, जाधरराजा चढयादंतधरसार्थी ॥ ७ ॥ दोहा ॥ नाद
हुवानवखंडमे, चढियादेसविंदस ॥ नौबतखानावाजिया, थरहर
कंप्यासेस ॥ १ ॥ रागमारू ॥ कंप्यासेसमहेरागिरकंप्याछिपगये

५ ॥ समद्वारा ॥ कंकन देसन रेखर चढि आदलां वारन हिं पारा ॥ १ ॥
गान्मंडल में नौ बतवा जौ बादल भरणा नै जा ॥ पहर कवज आग्रुध
कर धारे चढे दंत धार जा ॥ २ ॥ बोलन की बवहुत गुंजारा कामागो
सब ही मो है ॥ तरवता ऊपर नचे ताथ फारंग भरती सो है ॥ ३ ॥ हिंदल
ताद्वार पंहुं ताँ बाँटियारंग अपारा ॥ छत्रां छत्र पती मिल सो है ॥ अ
विरदां कामारा ४ ॥ धने चाव शिशु पाल ऊठ्यो तड भड ऊठवा सारा
जरा सिंध सेवा थां मिलिया जा ॥ जमहुवा जुहार ॥ ५ ॥ डेरा आग्र
बाग में दीया दंत धारा केरा जा ॥ पदम भरणे अण भें पाय लागूँ वा जे
नौ बतवा जा ॥ ६ ॥ दोहा ॥ स्वतपहुं च्या शिशु पाल कावौं चै
चतुर सुजाण ॥ देश वंगाले गढ पती हुई पलाण पलाण ॥ १ ॥ राग मा
रू ॥ हुई पलाण पलाण वंगाले करडा कागद भालौ ॥ दखै काक अरा

वैसारी चंदेरीनेचालौ १ मंत्रीभणैवंगालेरौजा बुधकनिबात
विचारी॥उनराजाभारतलिखभेज्या जान दूसरीत्यारी २ सु
गकेमत्रीबचनयेहडारौसभर्यारीसानशिशुपालापहलीजंग
भालांतौबंगालेरान ॥३॥ग्यारहलाखवांगभरवाया आयुधअ
धकाभालौ॥बडेसाथचंदेरीचालौ दलदेखगनेहालौ ॥४॥सत
राकुलीअसुरचढिछुट्याहुदादसोंदिसमेला॥चकेवचढयाचौस
रा बाज्याहुवाबंगालभेला ॥५॥ डेराआयादिवागंमैमिलकर
बैठाराजा ॥पदमभणैप्रणमैपायलागुं बाजैनौबत वाजा ॥६॥
दोहा ॥ घोडागूघरघुमैदौवांदलमैसार॥कछुभुजकोचकत
चढयोकुम्भकरणाकार ॥७॥रागमारु ॥ कुम्भकरणाकार
रखंडकोराजरीतठकराई॥अवडवाडियांआधारगुमानीदम्भघोष

राभाई ॥ १ ॥ ताजिखीचेलखलेंदारी हिरनूहीरहजारी ॥ कछ
भुजकेराजाकीशोभाअजनबणीअसवारी २ हिरणाहीरहजा
रीछूटाअवलकखंदअमाना॥पृथ्वीबीजसमौदलथंभनचढ्यारा
जकुलदाना॥३॥सबदलआनामिल्याचंदेरी दानाबैटेबधाई॥क
छभुजकाराजासूबाथांमिल्योजरा सिंधराई ॥ ४ ॥ डेरादिया
बागकेभीतरकच्छभुजकेराजा॥पदमभगोप्रणमैपायेलागूवा
जैनौबतवाजा॥५॥दाहा॥सांचरियादलसूरवां,कोटिगयंदाभा
र॥सांवतसंगलदीपरा, चढयाजानसियागार॥६॥रागमारू।
चढयाजानसियागारजुगतसूं चारूंखूंटाअबाजा ॥ संचरचढया
चंदेरीसाम्हां सिंगलदीपकाराजा ॥७॥ मदांवीचफिरदरियाई
असलजातकाघोडावाजीसीसभपेटाघालैंडांगभरेजलहोडा

॥ २ ॥ माहीं और मुरात बसो है कोई चढिया कोई पाला घोडा
ही सधूं मता गा जै सो लेला खसूं डाला ३ कूदे मल्ल फलंगं मारे हा
त गगना दिस घालै ॥ कछिया काछ अजब अडबडता खवौ खसी कर
बालै ४ ढल के ढाल फरु के नेजा दल दानै का आया ॥ देखौ ती
न दिवस चंदेरी दौनौ अंतन माया ॥ ५ ॥ डेरा दिया बाग के अंदर स
गल दलीप के राजा पदम भणे प्रणमै पाये लांगू बा जैनौ बतबीजा
॥ ६ ॥ दोहा ॥ मारु देस मंडौ वरा, मुरड चल्या दल पांश ॥ पवन तु
री पाखर धर्या, जंगी हौ दाभांश ॥ १ ॥ राग मारु ॥ जानी जोर
मला चाढ छूटा बजे नाद घणघौरा ॥ उडता पंछी उडन न पावै राजा
चाढ्या मंडौरा ॥ १ ॥ ठिमा ठिमाने वर ठम के पवन रूप के कागो
हस्ती ऊपर फेव अंबा डी चढे राज सुलतानो ॥ २ ॥ अभा माहि फ

रुकेनेजासरिसामिलचढिधायादलभजनदानोकुलभंडनच
ढचंदेरीआया ॥३॥ डेरादियावागकंअदंरभंडोवरकराजा ॥ पद
मभगेंप्रणमंपायेलागूवाजेनौबतबाजा ॥४॥ दोहा ॥ हौलरभई
दिवानमें, चाढिआयेरमभूल ॥ राजाचाढ्योकनोजिकौ, सिंघबद
नअबधूल ॥ १ ॥ रागमारु ॥ वेअवधूलदलौपतिराजा उमदाजान
वनार्ई ॥ सौंचारिचल्याचंदेरीनेदलचाढतौवारनलाई १ दलपंद
लसंगलइवार्ईसीअंधकारधुधकारा ॥ चंदेरीकनौजाविचालेबग
गयायेकलंगारा ॥ २ ॥ कौकडजायसबीदलपहुसौड्यावेगपठा
या ॥ जरासिंधसूजायरकहियौसिंधरावचढिआया ॥३॥ तड
भडभईवडेदरवारौसबहीसौग्हाँधाया ॥ रंगमहलसिसपलडाह
लकेसिंधरावचढिआया ॥४॥ आदरमौनबहुतसाकीन्हा भुजा

पकडबैठाया॥आदीगादीछौडजरासिंघतखतापरबैठाया ५ डे
रादियामहलकेमाँहींकनौजपतकेराजा॥पदमभगेंप्रणामेपाये
लागैबाजेनौबतबाजा॥दोहा-मरहटरामेवाडिया, मौरीभँवर
सुजंग॥चढ्यासिचानेकेहरी,हुवाहमेलारंग१ रागमारु॥रंगज
आमौलालगुलाबीचढ्याजौनरामौभी॥तडमडियाआयासब
राजाजानमलेरीसामौ ॥१॥ पैडेपैडेनचेउरबसीचलतीकरैनि
हास॥देववधूमनोचढीबिवानौगावैमंगलचारा॥२॥बाडीबाग
हवाईछूटउडतौचलेहिमामौ॥जुरासिंधमेवाडपतीकीहोड्डुई
सलामौ॥३॥डेरदियाबागकेमाँहींमेवाडपतिकेराजा॥पदमभ
गेंप्रणामेपायेलागैबाजेनौबतबाजा ४ दोहा॥गिरवराँगिरिसा
गरौतारातखततंबौलखतपोहोच्योसिसपालका, दूतगयारम

कौल ॥ १ ॥ रागमालादूतां जायद्विया परवानादभमघोषराभारी ॥
थांचाल्यांसिरबंधेसेहरोबेगकरौ असवारी ॥ १ ॥ लिखिया बा
चेरावडाहलरादिनदोयपहली आज्यौ ॥ मंढेजानदूसरी आसी
जुधकौसामौलयाज्यौ ॥ २ ॥ मिसलतहुईरावदरबांचढगौरा
बबडवंका ॥ चहुदिसचढीचावरीफौजौहुवानगरैडंका ॥ ३ ॥ च
ढचकडौलचंदेरीआयातारातंबौलकेराजापदमभगोंभगोंमपा
येलागंवाजैनौवतवाजा ॥ ४ ॥ दोहा ॥ कुलीछतीसूसाहनी, दलानां
वारनाहिपार ॥ कदमीकाराजाचढया, फौजांबहुतासिंगार ॥ १ ॥
रागमाला ॥ मंगलदेसमल्हारकुलढीमंजलदेसमल्हारा ॥ सातत
खतलेकेअवछूणीचढियाक्रोधअपारा ॥ १ ॥ कावलऔखंडा
रकराजादेसदेसकिलगाणा ॥ रूमसुंमनैतासवदीन्हाछाडच

लेकमठाणौ॥२॥प्रीयादेसबुखाराटौकापरबतराजसभाका॥सा
तूपतीसिंधकाराजासबदतणीलेसाजा ॥३॥ उजवकचढ्याला
खलेदूणांसौभारंगसभाका॥बजेतुमालफरूकेनेजाहुवादिख
णादिसहाका॥४॥यूकरताचंदेरीआयादलदानांकाछायाजौज
नसातजुरासिंधराजातखतछौडकेधाय॥डेरदिदामहलकेमा
हींतारातंबौलकेराजापदमभरणेंमपायेलांगंबाजैनौबतबा
जा॥दोहा॥सिंधसिरीसर्वओपमां, सकलगुणांगुणसारा॥तखत
चंदेरीराजवी, सैणांलिखूंजुहार १॥रागमाखुसैणांलिखूंजुहार
राजवीसबमंजीजुडआवा॥ नतासाथसरमलिखभेजोगढमुल
तानपठावो॥१॥मतबालाजिसिंधकेराजा, जंगजीतभिडदानां॥
बखतभांगराजारजपूतापुरपाटनकारानां ॥२॥ चंचलचहनप

बनहुँदकेरासाथयेहढावाना॥ मौकलचौपचल्याचंदेरीखतजा
यादियादिवाना॥३॥ नलचारौलदियादरवाजासिध्दसिरिम
नौही॥ जुरासिधिसपालनिखीहेराजाघणोंबडाई॥४॥ अक्
केकान्हुकुंदनपुरआवैनीकाँअवसरआयो॥ कंसबैरभिडवाल्या
सेतीराजाभौबजगायो॥५॥ सबहिसाथमतवालाल्याज्यो ज
बलगतुमरिदवाई॥ पायचलंतापहुँच्यारीज्यौलिखीजुरासिंघ
राई॥६॥ दोहा॥ सिंघबलीराजाभगौ, भलीसिंगारोजान॥ गा
दीहीकसमस्तकी, तपैबगतसुलतौन॥१॥ रागमारू॥ तपैवगत
सुलतौनराजवीसंगचढ्याबहुदानौ॥ ऊँभ्रांणछिपेरवितौई
फेरदियापरवाना॥१॥ दसूँदिसाकाराजाचलियागढबकाउल
गाणा॥ दानांद्वारदिवीचकबंधीफिरगयाडाकबिवाणा॥२॥ मं

गलदेसमुलकमलियागारिषाँचैदेसपलाशौ॥राजाचढयाहुकम
कैताबेसातलाखवीवाशौ॥३॥जंदुदीपगुजराततलेठानवसतने
जाधरिया॥मांनखानपोहलाभकुलंभीभीलभूपसौचरिया॥
सेसाजलभैपालसिमरीरूपखंडकाराजा॥करणाटकडुंगरपुर
दानौहुवाबरातीसाजा॥५॥धाराद्रोणतेधुरमंडणकौकनदेसग
लारौ॥स्वेतबंधरामेइवरराजाअरुबाराहमलारौ॥६॥आमाने
रअकलंदअखंडोअरूपून्यौपरबंधी॥दिलीदीपसुनपतकाराजा
असुरौजानउमंडी॥अनागरचालनिमंदीराजाखानदेसमुगला
ना॥कासीरूपचंदकाराजानवलदेससुज्जाणा॥दहतनांपुरला
गिरनेशुमानरिक्तवीजरानां॥मांनौस्यामसेरपरवतसेचढया
हुसरादानां॥९॥अलवरियाअंवालदेसशडाकीडोगादीसे॥मद

रासीबंगालीतिलंगादांतपंजाबीप्रीसै॥१०॥दानांदलडाहलकूं
भावैधरतीधरेनपावें।जंमधंएकाजौरावरराजाबखतभांग्याकेता
वें॥११॥हबसो।औरहिंडुनीकाला।जंवराभंवराआया॥सिंधीअर
बउभाडिचाढियाया।भंवरपटाबलखाया१२॥सांतरहुईसहस्रनौकौ
दीगाडी।जानसिंगगारी।असीलाखहलकासूडालाराततणीअं
वारी॥१३॥सायरभालसमंदज्यऊठेघटाधूमतीआई।औलाऊयें
गौलाऔलरियापडीनगारांधाई॥१४॥चंदरसूरछियारजसेती
हौगईरातअधेरी॥चिवरादियारावडाहलनेमौकलचल्याचंदेरी
॥१५॥चावकरेचंदेरीराजाजुराभिंधामनभाया॥नवजौजन
भेजरीबाफता जुरासिंधनिछुवाया॥१६॥सतरकौटदरवानों
चाकरबखतभांगुनैठाया॥राजाकरेजानरामोहोलाचौपदार

गुदराया ॥ १ ७ ॥ जरासिंधसेराजालखिया येकघाटसौआया ॥
पदमभरणेप्रणमेंपायेलागुं देवसंयोगिमिलाया ॥ १ ८ ॥ दोहा ॥
मदछकियामाताफिरे, जांगुवाखडाभूत। कलहजवाज्यांकाह
ला, जागुकजमरादूता १। आधिकउम्हाऊअचपला, सायरजि
रमासपूता। भटकांसूबटकाहुवै, थलबटकारजपूता २। अथशिशु
पालाकोरनानउबटणा। कीकथा ॥ दोहा ॥ चंदनचौकीउबटणा,
दुलेहनाशिशुपाल ॥ निनागुवेराजाजुडया, भलकेमोतिचन
माला १। भावजमहलपधारिया, घूमतडाशिशुपाल ॥ मदमातौ
इमभाखिगौ, थारउठीकांइभाला २ ॥ रागमारू ॥ व्यावउछाव
संगलनहिंगावोमुखडौकयंमूरभायो। म्हारितौशिरबैधेसेहरीथा
रेमननहिंभायो १ भावजभरणसुगौरायजादाकुंदनपुरमतिजा।

वौ॥म्हासूंछोटीबहनसुलखणीं तिन्हेंपरगघरल्यावौ ॥२॥ म्हां
नैटीकोरुक्रमालपठायौकीन्हिंघणींबडाई॥ आयालगनभैंकिं
णीविधछोडांम्हांरीहैहलकाई ॥३॥ अबलगकछुहुईनहोसीचा
येकरोहलकाई॥ जोकुंदनपुरचढकरजासो रहेंनमानवडाई॥रु
कमणिंकोवरकृष्णसौवरोत्रिभुवननाथभरणींजैथेक्युंदवरजा
नबणारवैकांन्हकैवरपरणीजै ॥५॥कालेकृष्णकीकरौबडाईसो
कांइथारेलगौ॥दलदेखतडाहलराजाकोदौडपयादौभागै ॥६॥
तखतचैंदेरीरावकहावौ माथेछत्रफिरावौ ॥ बैधेमोडथेपाछापि
ररयोक्हाबडाईपावौ॥ सुगहोदेवरबदबकांछांविनपरगया
हौंआसौ॥बड़ेबड़ैलोभुपमरावो कुलकंकठालगवसौ ॥८॥ब्रह्मा
नैसावनीसोहेइंद्रघराइद्राणी॥शकरनपारबतीसोहेकेसवकैवला

राणी॥९॥वाभीकहीबुरीकरमानीभलीनमानीकोई॥पदमभगो
प्रणमैपायेलागुंहोणीहोसोहोई१०दोहा-वाभीकहशिशुपाल
नेकुंदनपुरमतिजाय।देवरम्हारीमानल्यौ, अस्यौजानखपाय
१ रागसोरठ॥स्याणांजाएयांराजावाभीथांनेसाणांजाएयांरा
जा॥टेका॥छिप्यारह्याइतरादिनछांनेनीकांजाएयाआज॥१॥जो
कोइसीखतुमारीमानैकैसेसेरेवाकोकाज॥२॥आईसगाईकैसे
मौढां जायजगतमेंलाज॥३॥बड़ाघरांकाजायाऊपनापूछ
करांथांनेकाज॥४॥येसीबातविचारोमनमेंपाणींपहलीपाज॥
॥५॥म्हांरौघरविख्यातजगतमेंयास्यौसैन्यासाज॥६॥जुधक
रस्यौकुंदनपुरमार्हीग्वाल्यौजासीभाज॥७॥पदमभगेंवाभीसू
देवरहोणीहोसीराज॥८॥दोहा॥दुमनामैहलांऊतर्यौ, वाभी

लडाशिथुपालरुमधुरैवणबिखमनिथौ, रोसभर्योरिसाला १।
रागमारु। जबशिथुपालौपाटैबैठो। भरद्वनतेलकरायौ। रंगमहल
मेंकरेउन्नटगौसबहूसि। जसैगायौ ॥ १ ॥ भूपणाबसनरतनकाह
गौदीखैरूपसवायौ ॥ बाँधेसहरोवनडौबैठो। सारिसहरसरायौ ॥ २ ॥
दासिखवासीलूणअवारंपंडितेबगबुलावै। पदमभगोप्रणामेपनि
लागै। चामीमनानभावे ॥ ३ ॥ ब्रह्म ॥ पंडितजोशिमिलधयां, मुहु
रतलवानकढाय ॥ मंगलगावैकाभर्यौ, आनंदवर्णौउछाय ॥ १ ॥
रागमारु ॥ जरकसपागजरीरोजामौ भलकततुररौसोहै ॥
रतनपदारथकेआभूषण निरखतकामनमोहै ॥ १ ॥ शिशुपाल
शिरबैधयोसेहरोजानसबीजुडआई ॥ जरासिंधकहकरोसतावी
दुलहैबिगचढाईर दुलहैवग्यौनिमितजान्यौकोभूरखमनह

रखावै॥ पदमभरणें पायलागं कुलकूका ठलगावै ॥ १ ॥ दोहा
नीकासी शिशुपालकी, शोभा कहि न जाय ॥ रतन जडा ऊसहरो
मोतियन लूब बगाय ॥ १ ॥ लूबज सोहे मोतियां, घुडला सोबन सा
ज ॥ अणीचमकता ज्युं फिरे, धूमतडागजराज ॥ २ ॥ रागमाख ॥
जब शिशुपालकी हुई निकासी भावज उरी बुलावौ ॥ २ ॥ काजरको
म्हारो नेगकरावौ आँखियन आँन अंजावौ ॥ २ ॥ लूखी होय भा
वजयै बोली खोटी बात विचारी ॥ कायको देवर कजरो आँजु जगमें
होय खूबारी ॥ ३ ॥ लछमी ऊपर बांधसे हरो थोमिल जाँन बन आई ॥
इगणें मयकन जीतौ आवैसूजीको ईबुराई ॥ ३ ॥ बेगम जात नही ग
मथानैं कंइ थै गवाल बखानौ ॥ अदवे जात अहीरको जायौ नहि
कोइ राजारानौ ॥ ४ ॥ राजा भीवको नावनहीं छैकै वरजमेली

पाती ॥ याकैवरीथेपरणपधारातबहिसराबांछाती ॥ ५ ॥ कह
शिशुपालसुगौबामीजीथेथारेपीयरजावौ । महाराजमेठौडन
हींहैबराहणवेल्जुतावौ ॥ जबथेजानबराइदेवरभहेम्हारेपी
यरजास्यौ ॥ कुंदनपुरसूपरणापधारौलाडीनिरखणआस्यौ ॥
॥ ७ ॥ म्हेंवरजाँथेमानौनाहींकारजरसीकाँई ॥ वाःलछमीहर
कीअरधगयापरणौरामडुवाइ ॥ ८ ॥ रिमकिमकरतीमहलौचढ
गईरोसभरीउरमाहीं ॥ थेकुंदनपुरजावौपरणाबारेकाजलसारु
नाहीं ॥ ९ ॥ काँइबोलीबिषबाणीभावजकडवाबैगानभाखौ ॥
बिनकजरैइपरणपधाराँराकाजरथौरौराखौ ॥ १० ॥ रागकाफी ॥
बामीकुर्मरिगभरोदेवरनेसमभावैरे ॥ टेक ॥ भौवकैवरिकेरूप
लुभानौवातौहाथनआवैरे ॥ १ ॥ त्रिभुवनपतिसौवैरघालके

नाकोइजीताजावैरे ॥ २ ॥ चौमासामेंउडेआगिया पांखघणी
फरकावैरे ॥ ३ ॥ मनचायेतोकरेउजारोसूरजखोडखुडावैरे ॥ ४ ॥
कुंदनपुरसेभागरआवै मूरखमनपिसतावैरे ॥ ५ ॥ पदमभरण
प्रणमेंपायेलागूं भौतबीजघर आवैरे ॥ ६ ॥ दोहा ॥ बाभीउतरी
महलसें, देखजानकाभाया लाडगुणवरशिशुपालनैं, बेरबेरसम
भाय ॥ १ ॥ रागहवाकी ॥ बनडोखूबबगयौबनडाकीअजबबहार
बनडो ॥ टेक ॥ दंतवकओररावजरासिंधिशिशुपालासिरदार ॥ १ ॥
लटपटपागकेशूरियाबागौ फेंटौअजबधजदार ॥ २ ॥ पदमभरण
प्रणमेंपायेलगूंबाभीसूरमोंसार ॥ ६ ॥ रागसोरठ ॥ मतकरहोदे
वरनिकासीवहूँआवै ॥ नृजबासी ॥ टेक ॥ हलसेतोथारिरेखसै
वोरमूसलसेपधरासी ॥ १ ॥ राणीरुकमणिंकृष्णकंवर्कीतुमैरक

बहुन आसी ॥ २ ॥ तुमहरिजि की हो डकरत हो कहँ मगहर कहँ
कासी ॥ ३ ॥ जिनराजन को जो रत हो कामपड्या भग आसी
॥ ४ ॥ बंधे मौर तुम पीछा फिरि हौं अहो कर जग हौं सी ॥ ५ ॥ बडे ब
डे राजा मरवासी कुल कुं का ठल गासी ॥ ६ ॥ पदम भरणे भाव जइ म
भाखै पीछे हो पिस तासी ॥ ७ ॥ आराग सो रठ ॥ हट जा भाव जह टजा
ये घट जाय लोमान तेरो ॥ टेक ॥ उनका न्हा की करौ बड़ाई नंद महर
को चरो ॥ १ ॥ मथुरा माहं जिन मालियो है गो कुलहु बौ बडे रो ॥ २ ॥ स
ते बार को बदलो भागं अब की अवसर मेरो ३ ॥ पदम भरणे शिशु पा
लौ बोलै अबही कल निवेरो ४ ॥ राग सो रठ देवर कयानें मुँछ मरा डौ
ये महारो कयौ मत मोडो ॥ टेक ॥ जब जा राँथे ला डौ लया वो करो
हौं धग गा जो डी ॥ १ ॥ वृजनंद को जु धाम मै कूप है आँख मीच मत

दोडौ ॥२॥ मराकह्यातुमयादकरौगेजवडलटामुखमोडौ ॥३॥
पदमभरणेप्रायेलागुंनहकतामसतोडौ ॥४॥ रागसौरठ ॥
बाजेछैजंगीढौलचंदेरीमेंबाजेछै ॥ टेक ॥ केसरियौवागौचण्यौ
माथेबाँध्यौमौंड ॥ ग्यारेलखपालखीडाहलकेजुरासिंधसंगजौ
ड ॥१॥ चंदेरीमेंपंचायणबाजेपडेनगराँठौड ॥ पदमभरणेप्रणामे
प्रायेलागुंचढ्यादिलखणी औंड ॥ २ ॥ रागसौरठकीलूर ॥
पियाडरलागेम्हाराराजथेजायकरौलाराड ॥ पियाडर ० ॥ १ ॥
पांचसांतमिलभामनींलेतगासपरसास ॥ सिंधरायनृपकीसुता
दौडगईपिबपास ॥ १ ॥ भागोलादीसेपरतकजीज्यँदूरप्रणामति
बिंब ॥ कौणसूरधीरीधराजीवारुकमगिरणखंब ॥२॥ हलधरड
ठेहाककेजीकांनलडेबलवाँन ॥ सिंधरूपहरिधारहूँकोपकडेध

जुवौन ॥ ३ ॥ जुरासिंघनरहसहीजीहारेनिंदाकूआग ॥ तुजकै
दोषनराजवीजाउठीभावनीजाग ॥ ४ ॥ लज्याखौयघरआवरया
जीसबदूललेसीमार ॥ कुंदनौपुरभारतरच्यौजीकनकचूडकर
धार ॥ ५ ॥ आसकरछैजोगण्यौजीसालगिरदमंडजाय ॥ शिवमा
लाऊणीसुणीजीसौपूरीकरवाय ६ ॥ धाकाधाकणकांमण्यौजी
कनकचूडकरधार ॥ देवरजिठाण्यौबापडीजीपचहारिसबनार ॥
॥ ७ ॥ राजाकरौनीराजवीजीनवलचंदेरीचंद ॥ पदमइसीभगवा
नसूजीकौजीत्यामतमंद ॥ ८ ॥ रागसोरठदेस ॥ येरीमतवरजौ
नारभूहौने ॥ ९ ॥ दोषनहौछैथौने ॥ टेक ॥ कुंदनपुरसूकागदआर्यो
भीवरराजकेछाने ॥ १० ॥ म्हंजगजीतजोरावरराजापकरगहौदेवो
ने ॥ ११ ॥ जरासिंघजौरावरराजातीनलोकमेंजौने ॥ १२ ॥ नंदराय

कीधेनुचराई नितहि सरावौवानें ॥४॥ वीनवजाई कामनमौही
काहाबडपनकान्हौनै ॥५॥ जोवौ गवालतुच्छहमसेतीजुधमैनही
जितानें दपारबहुतौ मुगतहौ यगीकैसे मुडौ घरौने ७ तिरियाक
हीतनकनहिं मांनौ मोतज आईहानें दपदम भगौषी छेपिसतसि
जायपड्यां प्रभुपांनै ९ दोहा - चढ्याचहुं दिसडहलाहुईहलहि
लजानदलकौक्यादसुंदे सरानौ पतघुरे निसान १ राजारंगचढाई
याकियाकेसच्यासाज । तलमलाटतुरीयां करे घुमतडागजराज
॥२॥ रागसौरठ ॥ येजीमाहाराजाबौदमांनौथानंभावजदेछता
नो ॥ टेकासिरीकृष्णबलदेवजीहरिहलधरदोउं नीराताकीसरबर
कोकरैथारेकौणसुभटरणधीर ॥१॥ भैरवा ॥ बौछेनंदमहरकोका
नौ ॥ सोतानां प्रथवीपरछानौ ॥ जिननखपरगिरवरधान्यौ ॥ जि

नहुवत्तवृजहिउवाच्यौ॥१॥ ॥ ब्रावनहोयचलि कूँछल्या सुरपतिमां
नबधाय ॥ हतीपुतनाप्रान्तसँ दिवोबिमानपठाय ॥ भेला जिन
मान्योअपनौंमांमो॥ वेनाताकछुनजानौ॥ तुमसुनौवैनयेककका
नां॥ जिनमान्योरावणदानां॥ २॥ उनकैसबहीदेवसंग पांडवसे
जौछार॥ थारेयेसासुभटकौसनमुखंभेलेसार ॥ भेला ॥ नरसिं
हद्वरूपजिनधारया॥ जिनमहलादउचारया॥ जिनहिरणाकुसकू
मारयो॥ प्रभुनखसँउद्रविडावरयो॥ ३॥ मल्लअखारिअगज
केसनउपार॥ ऐसेबलिकेसांमहन्मतिजांवींसिरदार ॥ भेलां॥
जिनयेसाकियापैवाडा॥ बलिदानवातिन्हैखपाडा॥ थारोदासप्र
दमजसजाएयो॥ प्रभुतुमरोबुधबख्खाएयो॥ ४॥ रागदेसकीहो
री॥ गिरधरकहतौलाजनलाजै॥ टेर॥ मामौमारभयोसूरमोघर

ह्रीं मेरा जेगाजे । १ । मल्लहाय करम मल्लपछा ड्या कहा बि रता साजे
॥ २ ॥ हमसुं जंग जु ड्या जु धहौ सी ज बजरी ठ सौ बाजे ॥ ३ ॥ ह
मरी और जु रा सिंधरा जा सबरा जना सिरता जे ॥ ४ ॥ ज वउ नला ग
पान पियारा फटके फुरके भाजे ॥ ५ ॥ पदम भरणे बाभी सिंदे बरयूंक
हम हलना जाजे ॥ ६ ॥ दोहा ॥ महल पधारौ थां हरे के गी यर उठ जाय ॥
बिन पछ्या भाखौ मती बिगम जात कवाय ॥ १ ॥ आतुर होय म
हलौं धिरी ने न रहे भर लाय ॥ हो न हार हो वै सही कौ ट ज करौ उपाय
॥ २ ॥ साहाणी बिगबुला बियाहु कुमहु नौ दरबार ॥ कुदना पुरने सा
कती घुडला बिगासिंगार ॥ ३ ॥ साहणी सब भेला हुवा ज ड्या जु भ
प अ बल्ल ॥ सिसपाल जु रा सिंध बैलिया छाड अणी रा वदल ॥ ४ ॥
अथ घौड़ा की जाता ॥ राग दूडक ॥ मोहनी साज पला गिं र पला गिं

राजा कह मागिया सोवनी ० ॥ सीहडासूरसीमंगसीमौरवागि
रभडासारसांसजावरे ॥ दौडाआपटियाभूतियाभूसलखाना
जाईदेसियामौतीडामसकीडाकावलीचमकियाकिलगडाकि
लचियालौटगालखेरियाहजारियाबजारियागुमारिया।पला
गिरपलागिराजाकहसागिया।बरबरगिरवरानागीनासागरा
हलदियामहंदियाउचेसुराचालेखरारथजताकेकागारुयाइयाउ
पेदियाढंढणाजलहराघणबदला।सिणगारेशराजकहसागिया
सौवनीसाजपलागिरपलागि।२।उंचाअलौलाचंचलाअचप
लाबीजियाखीजियारीकियाराबसाणीवारनलानेरे।चीरीचहुँ
दिससांचरीआयारावसबरथरे ॥ सिसपालजरासिंधउमंगिया
झाणावरागाजराजरे ॥ दौडजलदताकीदससाहरणिलयावौवा

जरे ॥ राजा कह सागियां सौवनीं साज पलागिरे पलागि ॥ ३ ॥
॥ अथ सवारी बर्णन ॥ दोहा ॥ पवंग पलारायानौ लखाहुय घुडला
असवार ॥ करीनिकासी कंवर की घणछ कलीयां लार ॥ १ ॥
रागमारु ॥ चढघौडी शिशुपाल कुदावै हातां सांग फिरावै ॥ अरज
न भीवगवाल्या साथे भ्हाँ देख्यौ सरमावै ॥ १ ॥ इस डोकुं गण दुथगी
को जायो भ्हारे जो डे आने ॥ जरा सिंध से जो धा देखत जीव लेय
भगजावै ॥ २ ॥ देवौ दइ तनही को इदानी छपन को टके माहीं ॥ पंड
व जो धागवाल्या के संग आय करे लाकाई ॥ ३ ॥ भ्हेनहिं मुंडा भिडा
जम सेती काल पुरष ने मारा ॥ चंडी चक्र रुद्र ये कादस सनमुख हो
य संघारा ॥ ४ ॥ कांकड चढता सकुन बिचारे हिरण जडावा आया ॥
खर द्यारा ॥ ५ ॥ कोचर नर सो गीज बुकसा भ्हाँ धाया ॥ ५ ॥ घायल हिंज

कनफडाजोगी अरुलकड्यौगाडो ॥ तिलकनिहुंणाब्रह्माणमि
लियासरपफिरयोसबआडो ॥ ६ ॥ छौंणौहातधुकंतौधंवौसाभ्हाँ
मिलियोसोनी ॥ खोटासकुन कह्योनहिआन्यौहोगाहारसोई
होगी ॥ ७ ॥ जीवणिसारसचौलहचिकारिमल्यौगीसियोआटो ॥
पदमभगतशिवकर्णसुभटसिसपालश्रवणादियोदाटो ॥ राग
मारु ॥ देसदेसकाराजाचढियाधुडलरैठमकारे ॥ कंप्यासेबस
मंदखलभलियाधूडोल्याआधारै १ निबाणबैछनफोजकीसो
माहसत्य डोरसवाई ॥ सोबनिसाजफिरैअहराखी राजामनाउ
आही ॥ २ ॥ दोसेभप्रसंगभलकंतासिसपालवितलाबोदुममघोप
कीआणभणीजनिजरांओरनआवे ॥ ३ ॥ पिचाराबैछोहराडढ
चालेभूतलमेंयहठाटाढलकंढालफरुकेनेजाऊजउगिरेनबा

टा४ छतीसूबाजासंगधुरतासुरणाईरणतूरा॥ पवनपहेलाबहुतसु
हेलापुरुषजछाईसूरा॥५॥ अलबलियाअसवारअचपलामाला
बीजलभंपे॥फौजांचढीरावडाहलकीशेषराधदलकंपे॥६॥ येक
यकसूइधकाचालैसहजांसांगउजाली॥यूकरताकुंदनपुरआया
लियारुकमइयाभाली॥७॥ नगरनवेलेडेरदीयाचीरीचहुँदिस
चाली॥ मातासंजुभणोरुकमइयौ मनमेंकरीकुसाली॥८॥ सा
ठलाखकुंजरसिंगागान्यातुरियाअंतनपाईपदमभणोप्रणमेंपा
येलागूजानकुंदनपुरआई९॥ दोहा॥साम्हेलेशिशुपालकेचढि
यौरुकमकैवार॥ घुडलासिलेसैवारिया, चालाकीअसवार॥१॥
रागसोरठवा॥विहांग॥ बनानेडेरद्वैछेजीरुकमकैवार॥ टेक॥
नवलमहलकंचनमणिजडियायंभारतनजुहार॥मोतियनभा

लरडौडीपडदादुलहानेंदियौछैउतार॥१॥ साइवानचांदणींता
गींरावाटिअंतनपा ॥ नवनबखनदलबादलतंबूजडियाछैरतन
जुहार॥२॥ सौलाचौबदुवाचौबछचौवाचौवबतीससबाश सुघ
डफरासबिछायतकीन्हौ मध्यसिंघासनठार ॥ ३॥ डेरंडेरांधर
मिसरूदांतकियाअंतपार ॥ सौडसौडचाआरिगेंदवा लीनासब
संसार॥४॥ जांणअजाणटल्हानहिंकोईदीन्हसहमनुहार॥क
रहगामरुकमालकैवरथैकियोबहुतसतकार ॥ ५॥ हरग्यालोग
सकलनगरीकाबिलखीराजकैवार ॥ पदमभक्तशिवकरणाभगें
इमंइणविधजानउतार॥२॥ दोहामारू॥ईंधणघासरुदाणौंमा
णाआरिपठायपानाठामठाममैदाधिसकरजुगतउतारिजान।
॥१॥ रागमारू॥जितनापांवधस्याधरणीपरसोंहारेशिरधारचा

बाजारागछृतीसोंबाजेहीरालालअवारया॥१॥रुकमइयोकहसु
गौराजवीथेम्हारामानवधास्या॥धिनधिनआजदिहाडौऊगा
थेमलघरांपधास्या॥२॥उभयओरजाचकविडदवैभंगलगावै
नारी॥रुकमइयौसामानभरावैकौरवराकीत्यारी॥३॥कँवरबौ
तसासामाकीयासीधाधिरतअपारौजीजानजआइशिशुपाले
कीकौरवराकीवारो॥४॥कँवरजोसेसुमेलियोकौरवराकिलारो॥
सतरालाखदेकौरवरामेंजानूँसखेनपारो॥५॥कौरवरोदेकँवर
सिधायोकरेबडांसूबातां॥थम्हारैराराभलांइंपधारयाआछी
म्हारिसाता॥६॥ससिबरणौशिशुपालभणीजैऐसोरावनकोई
चंदवदनसीशोभाजाकीनैनभरेभरजोई॥७॥दोहा॥जलदी
करोदेरमतलावोतोरणहोयअवारो॥पदमभरणेंप्रणमेंपायेला

बेगुन आप पधारो ॥ ८ ॥ हसत्यांने जा फरह न्या धु डलें गघरमा
ल ॥ सौवन साज जु भल किया चै बर दुले शिशु पाल ॥ १ ॥ गौखेच
ढा डल जो विर्यौ भी वसे न जीरी नारा नर नें दिख ॥ ऊं बाइ थं हरौ आ
बो महारी राज कै वार ॥ २ ॥ खिजती रुक भणि थै भगो मा भत भार्यौ
आल ॥ चवदा भवन काराज वी बर बर स्यां गो पाल ॥ ३ ॥ राग मारु
चवदा भवन रारा व भणीं जे बरं बर स्यां पर वार्यौ ॥ केया देह देह
दावानल परगौ सारंग पार्यौ ॥ १ ॥ सारंग दृष्टि परे ज्युं सारंग अँडा
हलियौ दीख ॥ नीर बिनानल नी ज्युं सुखे यँ हरी बिन ॥ विसूखे ॥ २ ॥
मान सरोवर हँसा देख्या काग निजर नहि आवै ॥ ६ ॥ समंदरां सुसोर
पड्यौ जवना डूल्या कुँगान्हावै ॥ ३ ॥ गल मोतियन की माला पहरी
मिणियां कौन बिसावै ॥ हस्ती ऊपर बैठा चाले तुरंग कहा मन भावै

॥४॥ जामुखडातेअमृतपीयैपरतनजहरपियावै ॥ जिनलेना
टपितांबरपहर्याकैबलियानसुहावै ॥५॥ चौमासामेंउडेआगि
यापांखघणीफरकावै ॥ मनचायेतोकरेउजारौसूरजखौडखुडा
वै ॥६॥ प्रीतांबरसेप्रीतपहलकीतारकमोहनमोहै ॥ पदमभगो
याऊमीन्हालेगौखेचढीदलजोहै ॥ अरागाकिभौटी ॥ कयोंकंवरी
बिलखीजोफिरौमनमौजकरौदुखकूबिसरौरी ॥ भावजहाथलि
येहरदीपटबैठअटानपटामसरौरी ॥ अंगकेआलसदूरकरोमुकता
फललोसिरमांगभरौरी ॥ भूषणभौतिअनेकभरेभटचरि कोलेसि
गारकरौरी ॥ व्याहनआयोचंदेरिधरापतिछूटिलटाललकार
रौरी ॥१॥ हेजननीमतिमंदमहादुखभारचढेमुखबंदकरौरी ॥ सु
मेराडिगौधरतीजोफटोरविचंदगिगन्नसोंआनपरौरी ॥ गंगायमुन

उलटी बहे शिशुपाल सेती करनो जजुरोरी ॥ मेरो मतोनं दुनं दुनसे
कोउ जानो भलो भावे मानो बुरोरी ॥ लाज के ऊपर गाज परो बृजरा
जमिले सोइ लाज करोरी ॥ रागमाखु काइतू भली रुकमणि बाइ
शोच करे मन माहीं ॥ थोडा हलचंदेरी को राजा का न्हौ या समनाहीं
रुकमण भगें सुगों मेरो माता सुगिये विनती म्हारी ॥ सिंघरा घर मे
स्याल जो पैठो योइ चरज मोय भारी ॥ अब के साथ करो सांवरिया
भीरपरी अति भारी पदमइयो तेरा जस गावै भगतां प्राण अधारी ॥ ३
राग सोरठ मल्हारा ॥ माई मने भावे नही शिशुपाल ॥ टेर ॥ मन मेरो
गिरधर भेबासियो ढाहलियो जं जाला ॥ मा ० ॥ गुप्त संदे सो लिखै
स्याम नै दीनानाथ दयाल ॥ २ ॥ सारदूल को भोजन स्वामी लियौ
जात है स्याल ॥ ३ ॥ जो मन गोपियन को बस की न्हौ बंसी टेर उ

चारा ॥ ४ ॥ पदम कहै प्रभु तपत बुझावो कुंदन पुर पगधार ॥ ५ ॥ छंदो
तेरे मिल्यां मन की भावना सखि दुई पुरन आसरी ॥ दिल गीर मत हो
यरु कमणी तू बानै बैठो आयरी ॥ १ ॥ आपो लियाँ सुनाहि परचू घुरा
बेदन वायरी ॥ कंचन कायामें आग जा रहै हो मडा रहै हाडरी ॥ २ ॥
दूसरा अवतार धारै रहै केशव संगरी ॥ साथीहि मार सां वरा सखि
महें उगरी अरधंगरी ॥ ३ ॥ कहै रुकमण स्या सरगो बचन बंद गोपा
लकी ॥ जनम दुजे तीसरे बर रहै मित्र दयालरी ॥ ४ ॥ एगमा रहू ॥
॥ टेक ॥ राणी कहै अती सुख पावां मन में बहुता चावे ॥ चिरंजिवो
बंधू रुकम दियो यह डौ बर थारे ल्यावे ॥ १ ॥ रुकम गण कहै सुगौरी
माता कहो ने बात बिचारी ॥ चवदा भवन कारो वभणी जे मारो
बरबन वारी ॥ २ ॥ थारो बरबन वारी बाई महारे मन नहीं भावे ॥

तुमगोरीवो कालो दीखै बनबन न धेन चरावै ॥ ३ ॥ यह राजा खद्योत
समाना सूरस्याम से प्रीती ॥ पदम भगो रुकं मगान बर मोहि न भत
कहो नात अनीती ॥ ४ ॥ सग खट ॥ बाई रुकं मगान भगो मात से रुडो
वर हमारो बन वारी ॥ टेक ॥ अंतर चोवा मोरि सखर गिर अंतर दाय
गामुसे ॥ हरिशिशुपाल अहेडा अंतर पारिजात अडुसे ॥ १ ॥ अं
तर सूरन पतर अंतर अतर धरणि अकासा ॥ हरिशिशुपाल अहेडा
अंतर चंदण खैख जवासा ॥ २ ॥ अंतर रैन दिवस हरि अंतर अंत
तर विष अभिचुरडे ॥ हरिशिशुपाल अहेडा अंतर नागरबेली
कुरडे ॥ ३ ॥ अंतर पाप पुन्य हरि अंतर अमृत विषरी वेली ॥
हरिशिशुपाल अहेडा अंतर भगो पदम इयौ तेली ॥ ४ ॥ राग
खमायची ॥ बान न हो म्हारी राजक वारी ॥ टेक ॥ रुकमइये

सिसपालबुलायौ फेरौ होय अँवारी ॥ १ ॥ रुकमणानेकयो
नाहिंमानै घरमें होय खैवारी ॥ २ ॥ कोधवंतरुकभइयौबोल्यो
पकरबैठावौनारी ॥ ३ ॥ प्राँनघात अकबरहूँ अपना मरसूखाय
कटारी ॥ ४ ॥ पदमस्यामरुकमण अब समझी जानी घात
तुमारी ॥ ५ ॥ रागकाफीकीठुमरी ॥ बीराम्हांसुंबरी रेकरी ॥ लि
योलियौसिसपालबुलाय ० ॥ टेक ॥ बुद्धतिहारीचालणीतुसतु
मलियासमहाय। औगुणतौतैंहितकरराख्यौगुणकूदियौबहाय
॥ १ ॥ अबमैरनीचानिबै अँरंडऊपर जाय॥कर अँछाँसुंप्रीतडा
फिरपीछेपसंतायां ॥ २ ॥ मनमौतीधननैनकोजागोथेकसुभाय
फाटेपीछेनाँमिले कौटजकरीउपाय॥ ३ ॥ हरदीजरदानौतजेख
टरसतजेनआम॥असलीतौऔगुणतजेगुणकूतजेगुलाम॥ ४ ॥

बटसुं पातल छाड़्यौ ऊबरती दीय पान ॥ बौमन तो जबही गायो
 तबहि बूलाई जान ॥ २ ॥ डूंगरिया को वाहलौ औ छाँत गयो सनेह ॥
 बहतौ बहै उतावला तुरत दिखावै छेह ॥ ६ ॥ कहुवा कदेन भागि
 या मीठा बोल गिया ॥ पदम इग्यौ स्वामी भग्यौ भाखै रुकम गिया ॥
 ७ ॥ बोहा । राजा भीव अर्बौ लिया कंवर सूनौ लेनाँह सभा देख सि
 सपाल की दुख पावै मन माँह ॥ १ ॥ राग मारु । मनहीं माँहि बहुत दु
 ख पावै कीन्ह कंवर कद आवै म्हारै तो मन आनंद उपजै मन रुकम
 गा के भावै १ आडी भौम द्वारी कादूरी सदे सौ पहुँचावै कुंदन पुर आ
 वै सिसपालौ हारि कै जाय सुनावै ॥ ५ ॥ रुठ डेब दन कंवर उठ बाल्यो
 राजा काँई जोवो ॥ यसौ राव और नहि कोई म्हानै काँई गिवो वो ॥ ३ ॥
 राजा भौव भकनै ऊठया रुकम इया तोय मारु कदवे कृष्ण कुंद

नपुरआवैकदहूँरोसाबेसारु॥४॥कमरहुअपणाअपघातौजौसि
सपालौपरणै॥पदमस्यामसखदायकनाथकरहुँरथौमकेसरणै
॥५॥दोहा॥सुणैबचनभूपालकेलीहन्होतूरीमंगाय॥पाचलारव
असवारलेचढीयौजानमेंआया॥१॥रागमारु॥चढ्यौजानमेंआ
यकैवरजीपांचलारवअसवारौ॥राजाभीवकृष्णबरपरखेथारौको
ईबिचारौ॥१॥भलोविचारभलीम्हेकरस्यौवाँनैनौम्हे जाणौ॥
नांवसुग्यौबाहरनहींआवैकौईघणौबखाणौ॥२॥भींवरारवको
जोसीतेढयोतुरतघडीअसवारौ॥भलोमुहूरतकाढेम्हानेकैरौ
होयअवारौ॥३॥जोसीलगनबिचारियाजी आजमोहोरत
नहीं॥डराजावोकहौकैवरनेथानेसुज्योकौई॥४॥कहैजुरा
सिंभकहौजोसीनेम्हेतोचढकरआया॥म्हारिनावनहींछौसावौ

क्यौं नैकैवर बुलाया ॥५॥ जौसी कहै जुरा सिंघरा जा कौन बडोथे
 बूभौ ॥ कह्यै कंवर के कांकरा बाँधयो थौं निकाई सुभौ ॥ ३ ॥ काल्यौ
 गवाँल्यौ करो बराबर बौ म्हरि कढ़तौ ले ॥ म्हेता सारा सिंह सरीखा
 यं सिसपालौ बोले ॥ ७ ॥ जब ब्रह्माजी बडील गाई सप्त दिवस
 कोथैक ॥ बात करौ बीबाढ़ करौ मत निजर भर भर देखौ ॥ ८ ॥ सात
 दिवस कौ दिवस बशायौ सात दिवस की राती ॥ इतरे तो श्री कृष्ण
 पधारि तिते कफिर लेतातौ ॥ ९ ॥ कालोस्थौ मसकल नै सुभे भगतौ
 मधरगोरो ॥ पदम सगै प्रणमै पाये लागुं दधि माखण को चोरो ॥ १०
 दोहा-माता नूभे कैवरि नै, बाइथे बिलखा काँई ॥ सभा देखि सिस
 पालकी, सुख पावो मनमार्ही ॥ ११ ॥ रागमारु ॥ मनहीं मां हि बडु
 त सुख पावो ज्युं म्हेई सुख पावौ ॥ साहण बाणहस्ती घोडा भली

भांलमुकलावां॥१॥हरख्यो कैवरबहुतमनमाहीं जानमलीपुर
आई । कांकणाबांधासिसपालौ आयो मांहजरसिंधराई १ वौ
सथुरामेंजनमालियोहैघेरपरौकढायौबाहरवासकरगानहिंपा
यौ समदरबीचबसायौ ॥३॥ सतरेबारवौआगेभागौ बारआठा
रवीआई ॥ मनहटछौडकरौऊचटगौ मानौरुकमगुनाई॥४॥हु
टवरभेषगवालन्यांमोहीजूठौमाखनमायौ॥मामौमारसरवौन
वौकबकौराबकहायौ ॥५॥ नाकबिंदायबजायतालियांछौकरि
यांसगनाच्यौ ॥ फूंदोरगुलाचांखाई काछनटवरीयाछ्यौ ॥६॥
कन्याबहलकांदनहिंन्हंकांकेधेदपुराणौभाखे॥माताबैधुअरजक
रेछैपतभाईकीराखे ७ जबगुनवंतीगुनकरबैलीकान्हकंवरबर
म्हारौ॥ पदमभगौरुकमगुनायैबोलै कयौनमानैथारौ॥८॥रागसौ

रठाकात्नरा॥ येसंभयोगुरुकमणीबाई॥ सोहिबीदहमारामाई॥ देका
मच्छरूपहरिधारेशंखासुरदानामारे॥ जिनबेदब्रह्माकादीन्हों॥
सतजुगमेंसाकाकीन्हों॥ १॥ कच्छरूपहरिधारिमधुकैटभदानों
मारे॥ देवनकुंआमृतपाथी असुरैकौजहरपिलायो॥ २॥ बारह
रूपहरिधारै॥ हिरणाक्षसदानोंमारे॥ जिनबसुंधताधराखी॥ जा
कारसुरनरमुनीजनसाखी॥ ३॥ नरसिंहरूपहरिधारै॥ जिनहि
रणाकुसकुंमारे॥ प्रभुनखसौउद्रविडारे॥ तवजनप्रह्लादउवार
॥ ४॥ जिनबावनरूपहरिधारै॥ राजाबलिकेघेरपधारै॥ जिनदेव
पेंडभरवाई॥ तीजीकूठैरनपाई॥ ५॥ प्रसरामरूपहरिधारै॥ जि
नसहसाबाहुसंधारे॥ जिनक्षत्रिनिछत्रकरडारे॥ जिनब्राह्मणरा
जदिलारे॥ ६॥ जिनरामरूपहरिधारै॥ जिनरावणदानोंमारे॥ सा

गरपरासेलातिराई ॥ जबलंकवभीक्षणपाई ॥ ७ ॥ कृष्णरूप
हरिधारे ॥ कंसासुरदानौमारि ॥ वसुदेवकीबंधछुडाई ॥ देवनकी
कैदमुडाई ॥ ८ ॥ बुद्धरूपहरिधारे ॥ जीवनपरदयाबिचारे ॥
भारोजसपदमइयौगवै ॥ कछुभक्तबधाईपावै ॥ ९ ॥ सोर
ठराग ॥ स्वामीरुक्मणपापकमायौ ॥ जाकेबरसिसपालौआ
यौ ॥ टेक ॥ केम्हे भूखाविप्रउठाया ॥ अनदौसादोसलगाया
केमैकुलकीआँतजकीनहौ ॥ दुरबलकंदाननदीनहौ ॥ १ ॥ केमैहरि
कीभगतनजाणी ॥ सतसंगतनाहिंपिछानी ॥ केमैचरतीगऊवि
डारी ॥ केमैकैवारिकन्याँमारी ॥ २ ॥ केमैसासूनगदसताई ॥ केमै
पुत्रबिछौवामाई ॥ ठौकरमंगऊउठाई ॥ केमैभूठीचुगलीखाई ॥ ३ ॥
साँधरीनिद्याकीनही ॥ केमैभूठीहामलदीनही ॥ दिवलासूदिव

लौजोयो ॥ पगल्यासंपगल्याधोयो ॥ ४ ॥ केम्हे आलोपोपलतो
ड्यौउपलासूउपलोफोड्यौ ॥ यहपापौकरीकमाई ॥ जासुंबर
सिसपालकहाई ॥ ५ ॥ केमैकाटीबरतकुवाकी ॥ केम्हे भूटीदीन्ही
साखी ॥ कौइपापणपापकमायो ॥ जासुंबरसिसपालौआयोई
केम्हेमांयोसगौजवाई ॥ केकन्याकोड्रव्यलेखाई ॥ येसंपदमभ
गोयदुराई ॥ अतरजामीकरोसहाई ॥ ७ ॥ रागाविहाग ॥ दधसुत
जायरेनिगादेस ॥ टेक ॥ देसकहियेनंदनंदन सकलभूपनरेस ॥ १ ॥
कहोतोपतियो ॥ लिखूँक्यौने तुमहि सुघरसुरेस ॥ २ ॥ नंदनंदनजग
तवंदनधन्यानटवरमेस ॥ ३ ॥ काजअपनसुधारस्वामीबस्तओ
खीपेस ॥ ४ ॥ चरिफारूँकैथाओढूँ कहेजोगनमेस ॥ ५ ॥ सेली
सिंगीभस्मीमुद्रा छुटैराखुंकेस ॥ ६ ॥ प्रेमअमृतसितलधाराये

हियेउपदेश॥७॥कैवलनैनीबिरहनीका कहियोयकसंदेस॥८॥
स्यालतौशिशुपालडाहल छाथारह्योयादेस॥९॥दासपदमपर
किरपाकीजेकाटौकरमकलेस॥१०॥दोहा॥द्विजदेख्योनृपभी
मको, रुकमणिराजकुंवार। यहपतियांलेजायगो, निहचैकियो
बिचार॥१॥ रागमाहू॥सैनदिवीजबविप्रकंजीआयोद्विजवरने
रो।शीसनिवायचरणगहिबोलीसुनोबैनयेकमेरो॥१॥तुमब्राह्म
णपुरीद्वारिकाजावैयेहिपतियांलेजावौ॥त्रिभुवननाथबसेवहो
माधवसंदेसोपहुंचावौ॥२॥जोहरिबुगषधारेकुंदनपुर तौगुनभू
लंनतेरो॥पदमभणोप्रणमैपायेलागुंदुखकोकंनवेरो॥३॥
दोहा॥कहोबाईकैसेकरूँभैभारीदिनतीन॥कबजाऊँद्वारावती,
महेंबृद्धब्रह्मियादीन१ यहशंकातूँछोडदवहसामरथकरतार॥

दीनानाथदयालहैं, बिगारीलितसुधार २ रागमाखू ॥ डूबतहीग
 जराजटेरसुनहरिकहतेआयौ ॥ कहाँवैकुंठकहाँबौसरबर येक
 पलकमेंधायौ ? डूबतहीगजरा जउबाज्योवैकुंठधामपठायौ
 पदमभगोंप्रणमेंपायेलागुं द्विजसुनकेहरखायौ ॥ २ ॥ रागखमा
 वची ॥ आवोमेरेबमना अंगनानिपाऊं ॥ टेर ॥ अंगनानिपाऊं
 चरणपखाखूंआचमनकर २ पीऊं ? जिनगालियांतुमहमरेआ
 वौ लकनेसमगभाखूं ? ऐसाहिकोईकृष्णमिलवैतनमनवा
 परवाखूं ३ पदमभगोंप्रणमेंपायेलागुं चितसेनेकनटाखूं ॥ ४ ॥
 दोहा ॥ नैननकीपातीकखूं, असुवनजलछिरकाव ॥ स्यामसनेही
 आवियौ, देपलकापरपाव ? पाँवधरौपलकापरे, अतिआतुर
 होयआव ॥ पुत्रीभीमकठैरहै, ऐसेमनसमभाव २ रागसोरठ

महतोयानेदीनबधुदीनानाथजान ॥टेका॥ महंतोतुमरोबिरदसुन
केगहलीनौहटमान ॥ १ ॥ लिख्यौलगनवरातअईदियौमंडप
तान ॥२॥ साजदलशिशुपालआयौ बाजाबजतनिसान ॥ ३ ॥
निनानबेराजाछत्रधरी जरासिधसमान ॥ ४ ॥ हेवरगयंदबहुत
ल्यावौबहुकियोअभिमान ॥ ५ ॥ जबसुनूंगीकृष्णआवत तब
करूंजलपान ॥ ६ ॥ बंधुरुकमयेव्याहरचायौ छाडकरकुलका
न ॥ ७ ॥ कोटीतारेमहापापीअज्यामेल्समान ॥ ८ ॥ निसदिनमेरे
ध्यानतुमरौअहोसारंगपान ॥ ९ ॥ आवनहोयतोआवसांवश अ
सुरतौडेतान ॥ १० ॥ पदमकेस्वामीबेगदरसद्यौनातरतजिहूंप्रान
॥ ११ ॥ रागकेदारौ ॥ हो ॥ द्विजद्वारकालैजायाटेका ॥ द्वारकाभैस्या
मसुंदर संदेसोपहुंचाय ॥ १२ ॥ प्रेमपतियांलिखीकरसुबेगदीज्यौ

जाय ॥२॥ चित्तमेरोससीसुंदरसंगरहूँ यदुराय ॥३॥ रुक्मइया
नेव्याहथरयौ पितापुंछिनमाय ॥४॥ लिख्यौलगनबरातआइ
दियौमंडपछाय ॥५॥ कुंदनपुरमेंहौतइचरज स्थालरौकीगाय
॥६॥ स्यालियौशिशुपालडाहल सिंधभकलियांजाय ॥७॥ छ
अधारीभूषराजाह्यारौनग्नघेर्यौआय ॥८॥ जोडदलशिशुपाल
आयौ जरासिंधहेसाय ॥९॥ मैहूँनिरबलबलनकोई कहूँबेदन
काय ॥१०॥ हंसकोह्यौअंसलियौ कागमयूंमंडलाय ॥११॥ मेरो
तौकछुनायबिगरे विरदतुमारौजाय ॥१२॥ गरुडचढगोविंदआ
बौपदमबलिबलिजाय ॥१३॥ रागसोरठ ॥ गरुडचढआबोजी
गोविंद ॥ टेक ॥ भीवरावकीभीरचढौहर भगणराखौनैदनंद ॥
॥१॥ इणअवसरदुरजनदुखमेटोकीन्हैंकंसनिकंद ॥१॥ बलि

छलकेपातालपठायोकुसीभयोहरइंद ॥ ३ ॥ बांकीनेसूधीक
रदीन्हींकुवजयाहुईमहमंमंदा॥४॥मजनगणीकागुणऔगुणकूं
जानतहौबृजचंद ॥५॥ पदमंभरणेपायेलागुंडुनतरख्यौग
यंद॥६॥रागसोरठा॥प्रभुजीथेआज्यौजांशअनाथ ॥ टंक ॥ पति
यांलिखतमेरीछतियाफटतहैकलमनठहरतहात॥१॥भाइरुक
मइयौकपटकमायौऔरामिलीमेरीभाता॥छलकरकेशिशुपा
लबुलायोबहुतसुभटलेसाथ ॥ ३ ॥ निकसतप्रानहिद्यौकमला
नौकंपतमेरौगात ॥४॥ शिशुपालाशिरबैंध्योसेहरोउतरिआन
बरात॥५॥ येकनिमखर्काढीलनकीज्यौजादबल्याज्यौसाथ॥
॥ ६ ॥ भनाशिवकरणपदमदरसनबिनानिकसप्रानयहजात॥प्र
भुजीथेआज्यौ ॥ ७ ॥ रागजैजैवंती ॥ जायदीज्यौजामोहनकूं

म्हाशेप्रेमभरीसीपाती ॥ टेक ॥ समें देख केवात चले भयो कहूँ ज्यो
 सभा सुहाती ॥ १ ॥ कुवण नां वसे प्रीत लगी है कलन पडत दिन राती
 ॥ २ ॥ जो नहि आवै प्रानत जूंगी कर के मरूँ अपघाती ॥ ३ ॥ आम
 नमें नह चै कर जाणौ आन संग नाहि जाती ॥ ४ ॥ महेँ अपनो मन
 ठान रही है औ कछु न सुहाती ॥ ५ ॥ तोरे बिरद को लो गहें संगे समें गहें
 नहि आती ॥ ६ ॥ यह शिशुपाल काल सौ लगे जम से लगत वराती
 ॥ ७ ॥ पदम के स्वामी बेगदर सद्यो सीत लहोय गी छाती ॥ ८ ॥
 राग के दारौ ॥ करा छि जद्वार काल गबगन ॥ टेक ॥ रुकमणी का
 ले अँगूठी चले जै सें पवन ॥ १ ॥ कुंदन पुरमें न्यावना ही अब गति
 लागी हवन ॥ २ ॥ इचर जये कसिंह नीसे स्याल चहै रमन ॥
 ॥ ३ ॥ जो डदल शिशुपाल आयो पौल तोरण छवन ॥ ४ ॥ पद

मसामीभणैकमण बिलमेकारनकवल ॥ ५ ॥ दोहा ॥ पाती
लिखद्विजकुंदइ चरणनिवावैसीस॥ यहपातियांरसनाकहौजब
भैटौजगदीस ॥ १ ॥ बहनींअतिव्याकुलभईनैनरहेजलधार ॥
जीभडलीछालापड्या कृष्णपुकारपुकार ॥ २ ॥ रागलवनी ।
रुकमणीजीकरुणाकरे लगनलिखविप्रहातधरदीन्ह ॥ टेक ॥
गजनैकापत्रिकालिखी नागसुमरणकियोअपणांमनमें ॥ तुम
धायेपवनकेवेगचक्रजायदियोग्रहकेजलमें । टीटौडीकरेपुका
रनाथमेरेबचारहेदादलमे ॥ मेरेसुतेकेनहिहैपंखयेजीलेकैसउ
डंगिगनमें ॥ भेला ॥ तुमसुनियौटेरसुराशे ॥ अहंभीवधरेअवता
री । गजधंटाटूटपरीइंडनपरमहरकरींरंगभैना । रुकमनीजीक
रुणाकरेनलिखविप्रहातधरदीना ॥ ३ ॥ अचकमचकपगधरत

लचकगतशोभावराणिनजाई हैरूपरंगमें जंगकेलतपतसीरु
कमनवाई ॥ छतियांपेसोवेचक्रअधरदाडमसीदंतललाई ॥ दीप
कसिनासिकाभिलेनेनबिचअकुटीकीशोभाछाई ॥ भेला ॥ येजि
अरजसुगौबृजवासीवृजराजदरसकीप्यासी ॥ बनीबनावृजरा
जसाँवराभहरकरौरंगभीना ॥ रुकमनीजोकरुणाकरेलग्नलिल
विप्रहाथधरदीना ॥ २ ॥ हैतीनादिनाकोअवधकालशिशुपाल
डाहलगलफासी ॥ मैधरूँतिहारोध्यानकुंदनपूरआवौनाथबृज
बासी ॥ विनदेख्यानहिचैनाचित्तमेंरहुँनितबौतउदासी ॥ तुम
आयेविनमहाराजजगतमेंहोयबिरदकीहांसा ॥ भेला ॥ येजीअ
रजसुगौगिरधारी ॥ महेचरणकमलबलिहारी ॥ हरिनंदकहतवृज
राजसांवरावेगदरसदेदेनारुक ॥ ३ ॥ सोरठा ॥ हरहरजोसोताडि

या आया पंचकिरोड ॥ हरविनहतलेवोजुडेतो ग्हांने लागे मोटी
खोड ॥ १ ॥ राग मारू ॥ पाती गभू भलिखी गुणवंती संदे सो पोचा ज्ये
बाटां जात बिलमसत की ज्यौ विस्वं भरनं ल्या ज्यौ ॥ १ ॥ पीतांब
रसुं प्रीत पहल की सो हूं सबही जागूं रावण भाराम प्रतिपाली सो
गुण बाद बखागूं ॥ २ ॥ राम रूप होय आगे परणी सुरनर आरु बैठा
तो ड्यो धनुष किय दो टुकडा जवानि भुवन पति दीठा ॥ ३ ॥ सा
तजन मसार्थी सौं वरिया टीक मथारी तरणी ॥ प्रथम प्रवाडा जन
कसुता घर राम रूप होय परणी ॥ ४ ॥ सातजन मसार्थी सौं वरिया
इस कारण मन मोयो ॥ गौखचडी हर आसूडारे नैन भरे भर जोयो ॥
॥ ५ ॥ कृष्ण कं जाय रकाग दू देहू दू दू गणि धरंग चढाऊं ॥ ६ ॥ रुकमण
कं अकुंदन पुरल्या ऊँ अनंद बधाई पाऊं ॥ ६ ॥ निश्चय जाय द्वारका

माहीं कृष्णकुंदनपुख्त्याऊँ ॥ पदमभरणप्रणामे पायेलागुं आनंद
मंगलगाऊँ ॥ ७ ॥ दोहा ॥ श्रीगणेशको सुमारिके, द्विजहरख्यो मग
जाय ॥ सकुनहुवासबही भला, आनंदउरनसमाय ॥ १ ॥ राग
टेक ॥ सुधेतिलकम्हानें विप्रजामिलियौ मंगलगावतदासी ॥ स
कलसखालियां क्षत्री मिलियौ मिलसी द्वारकावासी ॥ १ ॥ गाढा
भर्याधानकामिलियाओरछतीसुं बाजा ॥ कैवरचढ्याकेका
गां मिलिया मिलसी द्वारकाजा ॥ २ ॥ मंगलमुखीजसाम्ही
मिलियौ बेडौलेपिणियारी ॥ हिरण्डारम्हां हरख्यो मिलियौ
मिलसी कृष्णमुरारी ॥ ३ ॥ सकुनविप्रनें हुवानजीका हरीमिल
नसहनायां ॥ पदमभरणप्रणामे पायेलागुं कीन्हैं विप्रपयाणां ॥
४ रागमारू ॥ रुकमतौ बाह्यगणनें पेंखे संदेसोरेपठायौ ॥ जोज

नपांचसातजायसूतौ शिवजोंकेमनभायौ ॥१॥ सिरीकृष्णसि
घासनबैठाशिवजोमतोउपावौकुंदनपुरतेंब्राह्मणचाल्यौवौइत
लगकबआवै ॥२॥ भग्येकृष्णजीसुगौसदाशिवथेमनकीसबजा
राँ ॥ मालबिराणोघरमेंघरिके सुतौखूँटीताणौ ॥३॥ भग्येसदा
शिवसुगौकृष्णजीथेतौअंतरजामी ॥ ब्राह्मणकहिथेदुरबलबिर
घानांहिबिभ्रमेंस्वामी ॥४॥ पारखताकूँअग्यादीन्हैथेब्राह्मणकूँ
ल्यावौ ॥ ब्राह्मणसूतौकाचीनिद्राल्यावतमतीजगावौ ॥५॥ जा
यपारखतदर्इपरकमां बिभ्रबिवानपठायौ ॥ धरबिमानमेंआयउ
तार्यौसौवतनायजगायौ ॥६॥ आनउतार्योतीरगोमती छिड
क्यासीतलपाणीं ॥ पदमभग्येप्रणमेंपायेलागूंजबलगविभ्रनजा
णीं ॥ आरागमारू ॥ उठ्योविरामणनिरखणलागौ देख्यागढ

किलासा ॥ बारेजो जनसरवसौ नाकी गढमढपालप्रकासा ॥ १ ॥
 राजद्वारस्वामीजीपुछैबोल्याबिचनकुमाराकोहैदेसकौनयान
 गरीकहोनीकौनबिचारा ॥ २ ॥ यहरतनागरपासगोमतीजादूजु
 गतनेरसा ॥ हरख्याबदनहरीहरजोसीकीन्हानगरप्रवेसा ॥ ३ ॥ हर
 ख्यौबिप्रभींवराजाकोद्वारवतीहूँआयो ॥ भींवकैवरिकोकारज
 सरसीयहांवृजराजबतायो ॥ ४ ॥ छप्पनकोटिकीअतिठकुराईवा
 जाअनहदवाजे । कंचनअलखेकोटकांगरागढांगढांकैराजेपू
 भेतोमिसरजगतकागुरुहौ लैकरआयासावौ ॥ केसोरायकंव
 पौलीसीधाचाल्याजावौ ॥ ६ ॥ पौलीजायप्रीतसूठाडो भीतरमे
 दजगायो ॥ कागद्लेरकृष्णकरदीन्हौ आसिरवादसुगायो ॥ ७ ॥
 जबहारिमिसकरपूछनलागा विप्रकहांसुँआयो ॥ विद्रुभदेसकुद

नपुरनगरी भीविकैवरिपठायो ॥८॥ भरणैकृष्णजिसुणौबिरा
मणआयाकेदिनमांहिं ॥ सावौबहुतसांकडौल्याया सभलोदी
सेनांहिं ॥९॥ कहैबिरामणसुणौकृष्णजिकैवरजुकनुद्धिउठाई ॥
कौक्यारावचंदरीराजा जानदूसरीआई ॥१०॥ कहैकृष्णजी
सुणौबिरामणआछीबातांआई ॥ राजाभीवकैयेकरुक्रमणींदो
यदोयजानबुलाई ॥ ११ ॥ रुक्रमणतणींवीनतीथेतोसुणिथो
जादूराई ॥ पदमभगतपरकिरपाकीजै संसौमेदोआई ॥१३॥
दोहा ॥ हरिपूछैहरिदासनै, कहोदेसकीबात ॥ आनंदमेंथारो
राजवी, कहोरुक्रमणिकुसलात ॥१॥ विद्वभदेससुहानियों, रुक
मणिंतणौनिवास ॥ भंगलगवैकामणयांलीलारासविलास ॥
रागमाह ॥ लीलारामगोविंदगुणगौवधरमतणौ ॥ निवहारो ॥ जित

लगहदराजाभीषमकी सरबसुखीसंसारौ ॥ १ ॥ बाडीबागमहल
औमंदिरेकूवावासतलायौ ॥ अष्टासिद्धनवनिधिसरसे आनंद
मंगलगायौ ॥ २ ॥ पूजाविधिवेदधुनउचरे जग्यजपेमनहरखे ॥
परसनइंद्रकोटतेतीसमुखमाग्या जलबरखे ॥ ३ ॥ कैवरकुलख
गोकयौनमोन्यौबीरीदईचैंदेरी। डाहलजानजारपुरआर्यौकैव
रिगहीपरातेरी ॥ ४ ॥ येहीअरजयेककरूबिनती सुनलीज्येअव
मेरी ॥ पदमभगोंप्रणमंपायेलागूं सरगगहीप्रभुतेरी ॥ ५ ॥ दोहा
हरिपूछेहरिदासने, केहडेरूपकैवार ॥ कहौसत्यद्विजबरसही भा
खौवैणाविचार ॥ १ ॥ दाधिसागरमेंऊपनी, कमलासुनौविचार।
जागौदेवीजानकी, बहुरिलियौ अवतार ॥ २ ॥ रागमारु। दोउ
कुलवंससभामेराजा जैसेचंदउजारौ ॥ ऊगरबीछिपेंसबउडगन

कैवरीरूपअपारौ ॥ १ ॥ विरछांमैंज्युँपारजातहैमानसरोवरसा
रौ ॥ परवतमैंज्युँहेमसिखरहैहुँगरअनतअपारौ ॥ २ ॥ घोडांमैंज्युँ
ऊँचीसरवाअहिरावतगजसारौ ॥ देवगणंमैंइंद्रभणीजैरंभारू
पसवारौ ॥ ३ ॥ ब्रह्माघरसावनीसोहैरुद्रघरांरुद्राणी ॥ आदिबिष्णु
अधंगीसोहैइंद्रघरांइंद्राणीं ॥ ४ ॥ रुक्ममणतणैरूपकीसोभाकह
तनआवेपारौ ॥ सिंधसुतालक्ष्मीसीसोभावतीसूअभारौ ॥ ५ ॥
रुक्मणिंतणैरूपरीसंख्याकहतनआवेवारणीं ॥ कवलगकहूँक
हांलौबरणूँचैश्यपदमबवारणीं ॥ ६ ॥ अबश्रीकृष्णगोत्रपूछतेहैं
दोहा-कौंणसाखकिंणारीसुताकिंणघरजनमैंआय ॥ गोत्रभात
खसकलबिधि, द्विजवरद्वौसमुभाय ॥ १ ॥ बिप्रउवाच ॥ रागमारू
नानीखीचणामायसोलखणीदादीआपवारी ॥ बडागोत्रराजा

भीषमका जिणाराजकंवारी ॥१॥ झुग्याविधगोतभीबकुलभा
ख्या आपकहौ गिरिधारी॥पदमभरणेंआह्वरायूंबोले क्यारोनी
ताबिचारी ॥२॥ दोहा ॥ हरीदासनेहरिमिल्या, हषहुवामनमा
यादरबारानौबतघुरी, आनैंदउरनसमाय ॥३॥ द्वारावतीकीका
मणी, लीन्हीसकलबुलाया॥द्रादसबोडसबरसकी, फिरिचहुँदि
सआया॥४॥रुकमारीकीचरचासुणी, घूँघटमेंमुसकाया ॥ छप्प
नकोटियादवजुर्या, सबमिलबैठाआया॥५॥इतनीसुनिआनैंद
सग्यो, मोतियनचौकपुराया॥चंदनचोकीसाजिसब, आदवणति
बैठाया॥६॥बुरबासाअक्षततिलक, कलसगणेशपुजायाहरियेहरि
केतिलककर, कामाणिमंगलगाय प्ररागमारू ॥ जबहरियेफेंटा
सुखेलीरुकमारीकीसहनानी॥हीरारतनअधिकअतिजडिया

इसी अंगूठी आनी ॥ १ ॥ जब हरिये हरिको पहराई हरि अंतर में जा
गो ॥ यमूंदरी तो जनक सुता की अपनी और पिछारी ॥ २ ॥ नेताय
गमें हनुमत दीन्ही आसह नाणी ह्यारिलंका जारि बाग बिधंवर्या
जब की बात चितारी ॥ ३ ॥ रुकमणि की यह वीन तीजा सुनियो या
द्वराई ॥ दासपदम परकिर पार्की जै संसौ मेदो आई ॥ ४ ॥ दोहा ॥
जब हरि हलधर को कह्यो, डेरा भवनी दवाया ॥ कंचन चरौ की डार के
सैन्यां लेवौ बुलाय ॥ १ ॥ तातो पाणी उबटनौ, मरद्वज अंग कारय ।
सौ गडली चारों दवा, जाजम द्यौ विछवाय ॥ हरखौ द्विज बरबैठि
यौ, मन करमानौ चाय ॥ दरसन कीन्हं स्थासका, फूलौ अंगन
माय ॥ ३ ॥ राग बिहाग ॥ हरि ने पत्रिका द्विज दई ॥ टेक ॥ रुकमणी की
लिखी पाती सी सपै धरलाई ॥ १ ॥ बांच पतिया हरखन में आनंद उ

पजेसई ॥२॥ जानसिंगारोबलभद्रभाईचित्ताचालनभई ॥२॥ द्वा
रिकाभेंहोताभंगलभौभरतनाछई ॥४॥ दासपदमअनंदद्वारधरच
रचाइयाविधभई ॥५॥ लावनी ॥ रुकमनीबचनकीरचना ॥ पातिया
बांचतछैलचिकनियां ॥ टेकापढप्रथमसिद्धिसिरीसीलसर्वउपमा
जनुजगतकहेरी ॥ पुनिपुनिप्रणामअपरंचचरनदरसणाचखचाह
वणोरी ॥ इतकेसुणासांचेसमाचारमहेंअरधंग्यात्रियत्रेरी ॥ जनमां
नजनमकीलगोलगनपगपरीप्रीतकीबेरी ॥ गेली ॥ रुकमइयेकुम
तउपाई ॥ दुष्टनकीसैनबुलाई ॥ पितुबचननिरादरकरतअकरमी ॥
मानतनहींसिकनियां ॥ रुकमनीबचनकीरचना ॥ १ ॥ जमकीसी
धारवरातकालशिशुपालसंगसजिआइदुरयोधनसमदुखुद्धि
कोटखलउमगेजगदुखदाई ॥ ममप्रानघाताहितकरतप्रतिज्ञा

प्रभुतामानबडाईकुंदनपुरघेरहेहैं।सबनेकरशस्त्रगैहेहैं।हरिम
करपिताकीपेजघटेनारदमुनि सत्यकथनिया॥२॥पापीयहप्रान
पकारकरघनस्यामदरसकप्यासेहटतजैनघटतेकठेनिठुरबनवै
हेबिकटमेंवासैं॥बासेमुखरहैउदाससहैदुखरावतदीधउसासैं॥
सुधलीज्यौजी गिरधरनलालमतिरखियौआसीनरासैंकेला॥
निसच्यौसबरससेबीते॥दुखसुखजगतकीरीतें॥भेदासितुमारै
शरणतुहारौमनभ्रमक्युललचनियां॥३॥पनघटोमिटकु
लकांगुबिरदउलटेकुललोगहैंसंगे॥अबअंशकलानिरबंसहोइ
तोउभक्तनपदपरसंगे।शिशुपालतुच्छसमेकोटिनखलममेतज
तुरतभुलसंगे॥मनबचनकर्मपूजेमहेशतौहमहरिभवनवसंगे॥
भेला॥अबतौसुनपरमनिहोरै॥हैंपायपरतहूतोरै॥हरिनंदक

हृन्नुजचंदवतुरदुलहन्काकेवांधकैगागियां॥रुक्मनीनचन॥१॥
॥रागनीहागा॥जरदसथेबांचतहोपातियां॥टेक॥ऊपरलिखेपेम
केअक्षरधारकधरकधरकेछतियां॥१॥हमरीबिआहमशतनजा
नेबांचिनजाथधेमपातियां॥२॥दासपादमपरमेहचकरोमभुवी
तेजायादेबसरतियां॥३॥रागभारू॥हारियाभुगामडोवराल्यावो
उज्जलभातकरावो॥चोखाचावलधिरतधरोराबुरोमाहिलिला
वो॥१॥छप्पनभोगछतीसोव्यंजन अकसेथेकसवायौ॥चोखा
घृतस्वेताधेनूका वुरोमहिरिलायौ॥२॥साबूनीमिसरीकोसीरो
धगांधिरतकोआयो॥धेवरपाकजकलेवीखुरमामालपुवासरसा
यौ॥३॥लाडूपेडाबरफीमूरकी बहुतपकवानमंगायौ॥मोतीचूर
मगजकालाडुडिजरुचरुचकेपायौ॥४॥केलामूंगाभांतभांतके

पापडबडामुँगौडी॥सकलपाकआतिसुंदरबगियासबसे अधिक
फूलौडी॥५॥कोलोपेठोबैगणतोरू आंभासेआचारौ ॥ खारक
दाखाबिदामखोपरा खटोफौगफुलगारौ॥६॥ दोहा॥ऊठौजोसी
जीमल्योहुइरेसाइंत्यार ॥सखियनमंगलगविद्या कृष्णकरम
नुहार॥१॥मिलकरआईसहचरिगावतमंगलचार ॥ जोसीबैठा
जीमवा मुदितभयेनरनार ॥२॥ रागमारू ॥ रुचरुचजीमौबि
प्रभौवरा थांलायककछुनाहीं॥निरमलभारीगंगजलकोअच
वनादियोकराई॥१॥ थारेकमीनहींकाहेकीअनदाताहैंवाया ॥
पदमभगतजोसीमनभाया नीकाबिप्रजिमाया ॥२॥ दोहा॥
बीडीपानकपूरकी, दर्इदक्षिणाबलबीरामालामोतीमुँदडोआर
पटंबरचीर॥१॥ गारीगोवैरागवरबौतालठूमरी ॥ पांडेजीथेह्मा

रेमलआया॥टेककांईजीकमावैथारभीवजरीनारी॥जिनोशि-
शुपालबुलाया॥१॥रुकमणिंकैवरीराथभीवकीजादूसानबधा
या॥२॥येकसखीऐसेउठवोली पांचमातकाथेजाया॥३॥पदम
भणैप्रणामेंपायलागै कितरावापकहाया॥४॥रागबरवौ ॥ साज
नियांआयारीसखीमोरेअँगना॥टेक॥ल्यावोरिसखीद्योंबेसणि
यां ऊखलमुसलियां ॥१॥ ल्यावोरिसखीखाटाडियाबिछावौ दे
सांकातणियां ॥२॥ ल्यावोरिसखीभोजनियांजिमावौ बटरस
व्यंजनियां ॥३॥ पदमभणैप्रणामेंपायलागै गावेप्रभुकेगुनगुनि
यां ॥४॥ पाछीगारीनारदगावै ॥ रागबरवौ ॥ सुनसमधणचतुर
सुजांणआयाहोतेरेअँगनां ॥ टेक ॥हैंब्राह्मणराजाभीवको तूम
रीजजमाना॥खुशीहोयेददछनां॥सुन॥१॥राजसुहागभामकीपू

री कलिमें तेरा नौ वस दाबोल बमनौ ॥ सु० ॥ २ ॥ मोयित नथा लभ
रदक्षणा लाई कर आदरसनमान येही शोभा अंगना ॥ ३ ॥ घूँघट
का पाट खोल निजर भर है खूबी दे आदरसनमान जाया तुम दाय
ललनौ ॥ ४ ॥ जो चाया सो दिया बिप्र को बहुत किया सनमान खु
सी होय मन अपनौ ॥ ५ ॥ पदम के स्वाभीमगन भयो जै से बरषे
घन गाजे गनौ ॥ सुन० ॥ ६ ॥ दोहा ॥ हल दहात के सौ तणीं,
सब मिल करे बखौं गा ॥ सब के मन आनै द भयो, हर खै सारंग पाँगा ॥
॥ १ ॥ राग मारु ॥ मोतियन चौक पुराय आँगन में सखियन मंगल
गाया ॥ मलयागिर की चौकी ऊपर श्री कृष्ण बैठाया ॥ १ ॥ ऋषि
दुरबासा अक्षत दीनहा कलश गणेश पुजावै ॥ पीठी सों वहला डल
डावै हँस हँस मंगल गावै ॥ २ ॥ हर की नार करे कौ तुहल आनंद उर

नसमावै ॥ कहौ कहूँ या छबि की शोभा भाहि मा पारन पावै ॥ ६ ॥
बहन सौ होदरा साज आरती राई लूणा उतारै ॥ तन मन प्राणा करे नो
छावर बार बार लिहारे ॥ गवै गीत बजावै बाजा बादतरे सन धाई ॥
हलद हाथ की सुंदर शोभा पदम स्याम बलि जाई ॥ छिंदै शारद आ
दि मनाय गनपल दयानशंकर को धरे ॥ ब्रह्मा बिद बिचारि ध्वनि आर
ती नारद करे ॥ इन्द्र आदि महेंद्र आयै देव सब जै जै करे ॥ आनकुलगु
रूप जिगनपति कलश लेथां मेधरे ॥ सिद्ध चारण भटगंधर्व आसि
कादंबै खरे ॥ दास पदम सुगंध पीठी हरख के मुख चौ परे ॥ १ ॥ राग ब
संत ॥ हलदी को रंग सुरगानि पजै मालवौ ॥ टेक ॥ कंचन बरण के सरसू
ई पीरौ सांभे बहुत सुगंध ॥ १ ॥ या हलदी शंकर मौलवै पारबती मन
कौ डारै ॥ या हलदी ब्रह्माजी मुलावै सावित्री ॥ मन कौ ड ॥ या हलदी

वतीसिधावौ कृष्णचन्द्रकेवैसेहरौ मतनादेरलागावौ ॥ ६ ॥
घोटैसेनोबतखुडकाई गैरोनादबजाया ॥ रापटरोलभईपरवत
में साठलाखगणआया ॥ ७ ॥ कहतसदाशिवसुणोपंचोल्यां
अबकोइमतोउपावो ॥ साठलाखकुंजरकेऊपरगहरीभांगलदा
वो ॥ ८ ॥ स्वामिकातिगणपतिजीचाढिया बीरभद्रगणभारी
सिंहागारयोशिवबहलफोंडियो सङ्गगौरजयानारी ॥ ९ ॥ कहै
गौरजयासुणोसदाशिवआरकरोसिंहागारौ ॥ कंदनपुरकीहैसे
कामनी बादोभेषउतारौ ॥ १० ॥ घेरदारसरपनकोबागोरूंद
माल छबिभारी ॥ बडेबडेनागोंकीशिवनै भरलईनागपिटारी
॥ ११ ॥ युंकरतादलपुरीपहुँचयालालध्वजाहफराई ॥ पदम
भगौप्रणम्यपायेलागुंहलधरनारहैसाई ॥ १२ ॥ छंद । जाहुजग

तनरेसबौल्यसिलेखानौआनरे॥१॥तेडेसाहनरथीनिजसा
रथीनीजसंगरेपीडपलंगपलौणपाखरमौहिनौमकरंदरे॥३॥
नातलातुरंगताजीघोरजातभभंडरे॥४॥कमेतकालाकान
डाकिलनालशनोरंगरे॥५॥छुटाघौडासाहनीतुसाहनीबलसा
ररेदकरैडकुहुडाकावराऔरमाकरीमल्लानरे॥७॥दाणियौर
परवरहंसाशसूचालरे॥८॥मुलतानियाँअरुपरवतीपंचरतनक
ल्यानरे॥९॥दावडाघौसावडागीदूदडापथरफोडचंगौडरे॥१०॥
ऊँचाअलौलाअचपलाचंचलाऔरचपलरे॥११॥नौलखाड
डगानबागियाँकापूरियाखुरंगरे॥१२॥सुवाखंडासौरठामौगिया
खुरंगरे॥१३॥सबखघौडाखहरकावाबरवरगारनौआगरे॥१४॥
हिंणहिंणौमुजंगमुसकीलीलालागरडपलागौर॥१५॥मौलीवर

गाँअरकियासुनराअकगौदरे ॥ १६ ॥ उजलधौलाकेसरवगाँ
परागौपंथपलौदरे ॥ १७ ॥ दुदलताजीतीतराचालीअरुजंगरे ॥
॥ १८ ॥ गिरह्यागौओरहरयापदयाँमौरवारुसमंदरे ॥ १९ ॥ अकप
वनकीचलबराबरयेकपवनपहलेआगरे ॥ २० ॥ येकपवनसूचले
सतगंगाखःसारथजुतवायेर ॥ २१ ॥ येकमहुमाताफिरअवनीकु
धराकेसनचाबरे ॥ २२ ॥ पदमस्वामीमनहरखेचौडाजातचखांरा
रे ॥ रागमारु ॥ हलदहेंसियाऔरअवलियाथजोडयाकेकागाँ
विकालूकवतराकंकूखंधारीचोगायौलीलाआगाँ ॥ २३ ॥ वोहा
रकच्छियाबिगड़पाहाडीलीलापंचरतनकल्यागाँ ॥ सावकर
गासूनाबरस्यामातीतरबरागाँआगाँ २४ ॥ उजलबरगाँकिसौराथौ
डामधबरगाँआगाँ ॥ काछेलाकुरवौनरौडियाकृष्णचाबकिया

आगा ॥३॥ खंवा अरुगौ वपरवानी अटकपूटिका आगां ॥ अइव
कां बली खुरा स्यान्नरापीला घौडा आगां ॥४॥ गौडबिला सांराज
लाला आरियासे भिंबंगाली ॥ तुरकीताजी अरुचीगा इयेरा कीक
नकंजंगाली ॥५॥ मोहुवाहं स्यासंजावरसुरखारंगजामिणी आ
रायौ ॥ पदमभरणे प्रणामे प्रायेत्तागूं जा रायौ ॥ जिता बखारायौ ॥ दोहा
बलदमैगावौ बहुगुणौ रथसंजुताजौण, कौठीगडा जुताज्यो, ब
हलौ तणौ बखौणा ॥ १ ॥ रागमारू ॥ दखणदेशारा हुडबहाडा हुडडा
रसुथाणौ ॥ देसमालवेछौ ॥ टाटेगणपरबकापछियाणौ ॥१॥ कछ
भुजदेसराटक बहल्या ॥ रीडौकी अधिकार्हमध्यदेसराखरासैह
नौहबहलौ धणीबडार्ह ॥ बागडेसराभीडल्याचौ ॥ मेवाडैरलेवेरा
मारूधरसैगा लाल्यावौ वृजभौ ॥ माकागौरा ॥३॥ गौडदेसकाची

वसुदेवजीमुल्लवैदेवकीजीमनकौडा । निपजे ॥ ४ ॥ याहदीशिव
 कर्णभक्तहितपदमइयामनकौडनिपजैमालवै ॥ ५ ॥ रागवरवौ ॥
 म्हंगांधीप्रभुरावरौ भोरहिंउठधायौ ॥ टेक ॥ बहुतसुगंधीपीसके
 मेंसुगंधबनायौ ॥ मरबादौनौमौगरीचंपोपिसवायौ ॥ म्हंगांधी ॥
 ॥ १ ॥ कपूरकचरीपानडीछरछरीलौमिलायौ ॥ नागरमौआमान
 सीजामेंअसरिलायौ ॥ २ ॥ अगस्तगरभरपूरहे मगमदमनभा
 यौ ॥ केशरजाबजजायफरकपूरीठिलायौ ॥ ३ ॥ चंदनतेलइलाय
 चीयेसौमेलमिलायौ ॥ हेमकलशशिवकर्णभरपदमइयौलयायौ
 ॥ ४ ॥ रागखभावचकीठूमरी ॥ रूपसुल्यौघनइयामउचटणौ
 चढ्यौछैबनाटेकारतिबसभईअपसरामौहीदेखतभइजनिहा
 ल ॥ १ ॥ थिरभयोपवन रबीरथंभे देवनपुस्पप्रहार ॥ २ ॥ कोटि

मनोज्ञ रूपेणैवाहं सरसकरहं नमो ॥ ३ ॥ चलयत्यजान् नमो ॥
दमहयौर्द्वलूगाश्च वारो वनदगोस्तु ॥ ४ ॥ नरोह ॥ ॥ ५ ॥ अथ नमो ॥
संसृणु ज्यौरदयो मम जगान् मन्त्रं केसुं अरिओ नित्यं नमो ॥
न ॥ १ ॥ शगमाह नित्यं नमो ॥ अगमं जराजन्म नमो ॥ शगमाह नमो ॥
निश्मीपनिभं डलमनुन ॥ ॥ १ ॥ जगन्मन्त्रं नमो ॥ १ ॥ अथ नमो ॥
नमो ॥ १ ॥ अथ नमो ॥ १ ॥ अथ नमो ॥ १ ॥ अथ नमो ॥ १ ॥
जो गमन अथानो ॥ २ ॥ कश्चिन्मन्त्रं नमो ॥ १ ॥ अथ नमो ॥
गच्छ ॥ अथ नमो ॥ १ ॥ अथ नमो ॥ १ ॥ अथ नमो ॥ १ ॥
हन्ते नमो ॥ १ ॥ अथ नमो ॥ १ ॥ अथ नमो ॥ १ ॥
॥ १ ॥ अथ नमो ॥ १ ॥ अथ नमो ॥ १ ॥
दुःखानि च्यासं दत्तानि ॥ १ ॥ अथ नमो ॥ १ ॥

नम्रातिपालौ॥ भिसडौजुरासिंधराजासंसवमिलैजानेचाला॥
॥ ६ ॥ धरमपुत्ररायैबोलैअबकोइमंत्रविचारौ ॥ उदधिपुरीच
लगाँहौचहियेकोइजीतैकोइहारौ । अरायभगैकुंतौसौहतीज
ननीबुद्धिबतावौ ॥ पारब्रह्मकाचरणगहौगैहारीकदेनहिआवौ॥
दकेसौअपनाअपनकेसौकायेहकारजकरआवौ॥ पीठकेददरभ
रतमतमाजौभैरौदूधलजावौ॥ ९ ॥ जौड्यहातपुत्रमातासंसुगौ
आदकीमायायेहतनमनकेसौपरबाराँतौकुंतीकाजाया ॥ १० ॥
क्षौहागिसातजालंधरबगरगिगनखेहजायलागी ॥ मेघअडंबर
भिलकेसौहचढेजौधिबडभागी॥ ११ ॥ यादवथकितहुवादेख्या
तंदलपांडवकामारीबेदव्यासकीकरौआरतीबोलैकृष्णामुरारी
॥ १२ ॥ कंचनथालभन्यामोतियनकाराजपौलसिंगारी ॥ बेद

व्यासकीकरी आरतोपदमभगतबलिहारी ॥ १३ ॥ चढाईशि
 वकी छंद ॥ दोहा ॥ कृष्णभगौबलदेवसैसुगभाईबलदेवागिरी
 कैलाशसिमेरमेतपैदूमरोदेवारागमारू। तपैदूसरोदेवसदाशिव
 जिनकून्यंतबुलाओ ॥ विषटाल्यासेबातनकरणी परवानापहु
 चाओ ॥ १ ॥ लेपरवानोंसांड्योचाल्यौ गिरकैलाशसिधायो ॥
 शिवजीसांड्योआवतदेख्यो दृणीध्यानपलकलगायो ॥ २ ॥
 करदंडोतदईपरकंर्मा चर्णाशीसनवाया ॥ चलोचलोशिवश
 करस्वामी तुमनेकृष्णबुलाया ॥ ३ ॥ हाथजोडकेगौरौबोली
 इनबाताकेपावौ ॥ कुंदनपुरहरयुद्धजितैगामुडोकठे दिखानौ
 ॥ ४ ॥ कहहशिवशंकरसुणयेगौरौबयाकीजानबणानु ॥ भाईनहौ
 लपीमेरैकैनेन्यतबुलाऊ ॥ कहैगौरज्यासुणोसदाशिवद्वारा

तमकालागुजरातीवडकानां देसबंगालेछोटागणं जुपेबहुतअ
मानौ ॥४॥ कसमीरकाधौलापीलासेराज्यैखुरसाणौ ॥ पदमभ
गुं प्रणमै पायेलागुं बहलांतणौ बखाणौ ॥ ५ ॥ घोडाबहलमैगाया
भारीउठौकरौतयारी ॥ लखसांड्यासिंगगारसरीखाअनडभडा
असवारी ॥ ६ ॥ कवित्त ॥ ऊँटगलाऊपराबलादारबौलाडे ॥ दियो
हुकमदीवांणकहरताकीदकराडे ॥ सांडीबालसताचचढीसांडि
याचलाया ॥ राहूरुतरेवारघूतधरचौहधकाया ॥ आगियांधिरअ
खाडेमलखौदधडायारूँटडा ॥ नखतोडनेडावलायानिडरआण
मेकायाऊँठडा ॥ १ ॥ रीबघडारातडा बैणबडबडाटबोलंता ॥
कालभूराकेसचालआपजोरचौलंता ॥ जोडेनीसरजायबलेखर
गोसविचाल ॥ पडमजबूतपहाडमंदबहतामतवाल ॥ जेकलज

डगचौडाजवरलालगसलडंगसा । धूनाअतीतधूणीधरणीगभ
राभूतमडंगसा ॥ २ ॥ बडबडाटबोलतां गजबकरतागरडाटाफ
डफडाटकेफरा चटचटरखीचरडाटा ॥ ऊठसमेलाआयमिलभे
लामदमाता । हरदवारहा । कियाजेमजोगैद्रजमाता । गूगागाजा
डागहलगाडंगरडरावणचढरीमरा । ल्यावतावारलागेनहींसमा
चारसौकोसरा ॥ ३ ॥ भलाकुंठभारकाअसुंडजबराअंभारी । ल्या
यानीठलठौररीठहरसुंडरेबारी । कोईकहावैकाबलीअडीखमखा
यउबासा ॥ बहैढाणबवरसजनकेभाईजमरासा । असुंडापाहाड
राटधरगडगडाटकुमागाजे । अतरीअवाजबोलणअसीबढेराज
सुथरीबजे ॥ ४ ॥ पडपौतापवनाराजौममाताजाखौडा ॥ तुलूधौ
लुगथगातताखडवेताखौडा ॥ कसतौफाकूचियालालफुंदालट

कावै॥ भैलेसीसभौलियां मछरकतामनभावै॥ धरराटकरगाजै
घटा सरायकणसाथरे ॥ करेहलारीभबकसुंणजगेविसंवरनाथ
रे॥ ४॥ बुगदीववरबिलौच जिनकेगुरधराजाया॥ मारूधरारा
ऊपनामौलथलवटमौलाया॥ जालौरीजातरामस्तजंगमौलघ
गोर ॥ जजौडेजूटियांउडेघौडांअधकेरा ॥ पहाडउठायजाखी
प्रगट बाकीलीघाडालता ॥ गाढागुसेलरूसेलगध बीफेरलवा
गौलता॥ ६॥ ऊंचाथुहाउतंगसीसटामंकसरीखा ॥ लडबेबडान
लायतकेखडेवअतितीखा ॥ खसेटलाटलखाय छजेअंगईडर
छोट ॥ बणभामगणवामराआणधरदियाअंगौठा॥ खीजियांदांत
पीसेखडाअंधखंधअहंकारमें॥ नौहताजौधसौवेधणां॥ श्रीकृष्ण
तणांदरवारमें॥ आरेबारीरावलाजडंगडाकीजौवर ॥ खूवाली

रींछसा भूतबिडरूपयंकर ॥ ऊनाबसतरऔढ येकभणदुधआ
रौगणा॥कांकसहंदाकीसानिसूलचढरह्यातमागुणाजगलीजर
खवहेताजिस्याकालजरूपीकहै ॥ चरवैऊँटजादवतयांरात
दिवसदौलारहै ॥ नारागमारुइणबिधऊँटयेखटाकीयाभल्लअ
खाडेल्याया॥जमरादूतजिस्यारेबारीघेरबरोबरधाया ॥१॥ भू
राभगदडभूतभमंडीदौडिधणांउताला॥अंगउघाडेवभरुवरग
देतसरीखाकाला ॥२॥ जंगीऊँटसलीतांकारणचढवाकाजसहे
ला ॥ लंबीनालबहैऔचकताटौडअरीदलपेला॥हस्तीघुडला
ऊँटबहलरथसाहणबाहणताता॥कहारकौटपालखीकारणहुड
दंगामदमाता॥४॥जगमगजानकृष्णकीसोहै सोभासकलसरा
वै ॥ पदमस्यामाशिवकर्णमनोहर बनडाकेमनभावै॥५॥छंद॥

गणपतीध्यायसरस्वतीनवमानिकापूजाइये ॥ कुलदेवदेवीइष्ट
कामिलनारमंगलगाई ॥ १ ॥ कनकथालरु रतनभारी जमन
जलभरवाइये ॥ मालियागिरीरतनचौकी बनाकूँबैठाइये ॥
॥ २ ॥ केसरअगरकरपूरअंतरअगरमुस्करिलाइये ॥ जबचूणी
हरदीतिललेरसुगंधसकलमिलाइये ॥ ३ ॥ मरदनसखीमिलस्वा
गणीं दधिसहितमलनकराइये ॥ चढ़ायतेलन्हवायहरिकोपी
तांबरपहराइये ॥ ४ ॥ सिरमुकटऊपरसेहरौ कटिफेंटडुबटौल्या
इये ॥ मुखमलकाजोडाजरकसी लेस्यामकूँपहराइये ॥ ५ ॥ कूँकू
कटोरहेमकेसरगोरोचनपाइये ॥ गजमोतियांकिकरौअक्षत
तिलकभालबनाइये ६ ॥ निंबकधौकगुरदेआसिकानवमानिकापु
जाइये ॥ करआरतीशिवकर्णपद्मसुमभंगलगाइये ॥ ७ ॥ राग

पठ॥ सांपडर्यामसिंघासनबैठा सखियननानावननावैरी ॥ टेक ॥
पचरंगपागकेसरियाबागौ मोहननेपहरावैरी ॥ १ ॥ केसरतिलक
कच्योकेसवकेअरुसिरमौडबैधावैरी ॥ २ ॥ गलमोतियनकीभा
लासौवैदुपटोफैटबैधावैरी ॥ ३ ॥ जादूपतिकीकरौनिकासी घोड़ी
बैगमैगावैरी ॥ ४ ॥ पदमस्यामसुखदायकनाथक अबनयूँढाल
लगावैरी ॥ ५ ॥ दोहा ॥ यादवामिलकौकिया सबमिलबैठाआय ॥
नौतातणींजुहारहेजाजमदेवबिछाया ॥ १ ॥ अथ भात ॥ नार्ह
कोजदबेगबुलायोबाइथारोबावोजीबुलावै ॥ उगसेनजीआया
भातलेभांभांभातगुवावै ॥ १ ॥ चंदनचौकीकलशमैगायो ॥
सखियनबेगबुलावोकनकथालसजलियोआरतीमंगलाचारगु
वावो ॥ २ ॥ आईदेवकीसाजिआरती मनमें हरषसुवायो ॥ वीर

बिनावाइखड़ी उनमणी नैणामेंजलछायो ॥३॥ बाइजीरोभी
ज्योकांचुवोचितपरआयोभाई ॥ उग्रसेनजीचुंदडीउढाईअप
गेपासबुलाई ॥४॥ पाँचपदारथघालआरते हीरारतनजुहार ॥
आरतीकरअंदरआयाहोरह्याहरषअपार ॥५॥ वसुदेवनेसीरो
पावजदीना हीरारतनजडाया ॥ एसो भातभर्योराजाजीति
नकापारनपाया ॥६॥ छप्पनकोटि तोतीलजरीकी रेसमकोटि
पचासा ॥ खासा औरअदरिंदान्यापैरायारणवासा ॥७॥ उग्र
सेनजीआयाभातलेसारानेगन्धुकाया ॥ हरषभयापुरीमेंअति
भारी सखियामंगलगाया ॥८॥ सतराजितसत्यकीसोभासब
यादवमिलआया ॥ जबीकृष्णजीनोतीलीन्योयादवकुलसब
लाया ॥ ९ ॥ हीरारतनजुहारमोतीकनकथालभरल्यावै ॥

पदमभगौप्रणमैपायलागैसाखियाबनरागावै॥१०॥ रागठुमरी
बनापरमोतीवारूँहेजोवारूँहसोइथोडावनापर०॥ टेक॥ सिर
सोनेकोसेहरोबिराजे मोहनरूपानिहारूँहे ॥ १ ॥ बहनसो
दराकरेआरतीपलपलप्राणजुवारूँहे ॥ २ ॥ पदमभगौप्रणमै
पायेलागैआगेजनमसुधारूँहे ॥ बनापर० ॥ ३ ॥ रागठुमरी
आजकीघडियाँहरंगी ॥ टेक॥ निरखिलियोनवरंगवनाने भर
भरकैनेननियाहे ॥ १ ॥ सोनेकोसूरजआजमलऊगोयादवपाति
बनाबनियाहे ॥ २ ॥ चितवनमेंचितछीनलियोरी अनियारीनेन
नियाँहे ॥ ३ ॥ पदमभगौप्रणमैपायेलगंगावतप्रभुगुनगुनियाहे
॥ ४ ॥ रागमारू ॥ इंद्रघरासुंधोड़ीआईघोड़ीरोमोलचुकावौ ॥
येकैगुघोड़ीरोमोलचुकावैएकुणवैखसेदामौ १ येकणघोड़ी

रां आयक पायैक यौकुणहै असवारौ जी ॥ सांणी घोडी रां आयक
पायक कान्हू कै वर असवारो ॥ २ ॥ इंद्रघरां सुंघोडी आइ घोडी रो
रूप बखाणौ जी ॥ खुरखरताली कंचन केरी मुरचां ने वर जाणौ
इ लाल लगाम जडी कडिया लां हीरा जडित पलाणौ ॥ भिल्ल मि
ल भिल्ल मिल मोती भल्ल के जीणू बनती आण्यौ ॥ रतन पदारथ
मोहरां पोयै के सामोती सान्या ॥ साजि सिंगार साहणी लयायो
धरत्यां पांवन धारया ॥ ५ ॥ राय जादे तब करी निकासी करे
पवन से बाता ॥ पदम भणौ प्रणामें पाये लांगै कान्हू कै वर रंगराता
॥ ६ ॥ दोहा ॥ नीकासी के शौतणी, याचक मांगे दान ॥ रतन जटित
को सेहरो, ओल ग्यां ने दान ॥ १ ॥ राग मारू ॥ कर सोला सिंगार
कामणी येक येक अधिकारी ॥ श्री कृष्ण के सुरमैं सारयो हल धरजू

की नारी ॥१॥ सुरमासार भई मुसकानी हमराने गचुकावो ॥ नव
लबना की छवि परवारी चढकुदन पुरजावो ॥२॥ गो कुल अरु बृंदा
वन मथुरा बृज की भूमि लिरावो ॥ भावज महार सुरमौ सारथी बाधा
ई भरपावो ३ कां इजी कहै थारि मथुरा नगरी बातौ आपर खाज्यौ
ले कर लाडो परण पधारो पहली पायल गाज्यौ ॥४॥ भैरम दंगसे
बाजा बाज्याराग छतीसो साज्यो ॥ कुंदन पुरने करी तयारी चवदा
भवन के राजा ॥५॥ खडी अप्सरा निरत करत है चिरंजीवो याजो
डो ॥ पदम भंगे प्रणम पाये लागै आप चढे हरि धोडो ॥ ६ ॥ सब
जानी जातु चढे उगसे नव सुदेवा रतन जटित हरि से हरो मोतियन
बूढा मेह ॥७॥ डेरा दीन्हा बाग मे भेला हुवा सब साथ ॥ रुकमणि सा
वासा कडौ बैग चढो परमात ॥३॥ भैरद मामा वाजिया परी निसा

गांघाय॥चाढियो त्रिभुवनराजवी दासपदमबालिजाय॥४॥ ब्र
ह्मादेवपधारिया, हरिसौपुंछेआय॥हरजीकहकारजकरोजानभे
लीहोयजाय ॥१॥ रागमारु॥जबब्रह्मानेघडीरचाईसप्तदिवस
कीयेको॥कारजकराविहारीकेरौ सभी नजरभरदेखौ॥१॥ छ
पनप्रहरकोयेकदिवसकरब्रह्माघडालगाई।सुरनरनागदेवद्विज
जानी भयेयेखठेआई॥२॥थिरभयाचंदसूरथिर हुवायाविधल
ख्योनयेको॥पदमभरणेप्रणमैपायेलागैकरल्यौकाजअनेकौ३
॥रागमारु॥धर्यौध्यानहिरदामै माधौशंखपचायणपूरा॥ता
नलोककेसुरनरमुनिजनजानवानवादलज्यूलूरा॥१॥देवारेदलनौ
बातवाजेदानारादलचूरो। पदमभरणेप्रणमैपायेलागैसन्नमिल
मंगलपूरो२॥रागमारु।यकब्रह्माकीआइअसवारीदसक्षोहणद

लआया सुरनरमनिजनऔररिषेइवरदेवतगां दलछाया १ नव
नाथचौरासीसिध्यांशिवशंकरचढआया।बालदभींडियकरीस
बारीरुंडमालढलकाया २ नऊंकोडुदुरगाचढिआईधवलागढ
करीराणीं॥बावनभैरूचौंसठजोगनिलुँकडियाँअगवाणीं ॥ ३ ॥
इंद्रपुरीसेचढयाइंद्रराजादलकापारनपायाबाजाबाजेअंबरगा
जेइंद्रतणादलआया॥४॥ब्रह्माविष्णुमहेशभणींजेछप्पनकोटि
कुलसाखा॥टाटरटोपजंजीराबगतरसाजभरीसतलाखा ॥ ५ ॥
असीलाखकुंजरसिंगान्यास्वेतवरणसुंडाल॥ढलकेढालफरू
केनेजाचालीपरवतमाला ॥ ६ ॥ नवसेसहसनिसांणदडूकेसाव
करणबहुछूटा॥सहसअठ्यासीरिखचढआयानेमनाथलपूठा ॥
॥७॥शंखनादजबबाजनलागेनवसेसहसूनगारा॥कुंदनपुरको

करी साखरीपैदलदलअमवारा॥८॥ अधकीफाजसबलसखा
दिकसैंपटिया फरवरिया॥बारहछोहगलेबलभदरहरिपीछेसां
चरिया॥९॥चवदालाखभन्याचीणीका घिरत लाखपचीसा॥
चावलमैगभरथामेदाका करहालाखछतीसा॥१०॥ कैइहौदा
अरुकेइअंबाडीकेइबैठासुखपालां॥कानांमोतीभिलकतसोहे
ढलकरहीहैढालां॥११॥कनकतणींतहनालजडाईघालीगंधर
माला॥दलं चहुँदिसहुईहलाहल तेजीछुटेउताला १२ सिद्ध
जोगमेलियौमुहुरतहरिवैठारथमाहीं ॥ रतनजहितकोरथजु
डवायोराणीरुकमगताई १३ साढीतीनसैछनभलककेमेघाड
बरभारी ॥ रवितलदूजाऔरनकोई कृष्णतणींअसवारी १४।
त्रिभुवननाथहरखिमनमाहींव्याहनभीमकुमारीपदमभणेंप्रण

मैं पाये लागूँ ऐसी जान सँवारी ॥ १ ५ ॥ दोहा ॥ सबी जान जान जा दूजुडे,
सुरनर मुनि जन मांह ॥ दिष्ट दर्ई सब देखके, गणपत देख्या नाहि ॥
॥ राग मारु ॥ और जान मैं सबही आया गणपत जी नहि आया ॥ न
न पत जी को बेग बुलावो नारद मुनी पठाया ॥ १ ॥ नारद जाय कहीं
गनपत ने बेगा आप पधारौ ॥ पदम भगें नारद यूँ बोले संकठा बिघ
न निवारौ ॥ २ ॥ दोहा ॥ गणपत सुगया संदे सडौ आनंद उर न
समाय ॥ मूसालिया सिंगारके चढ़े जान में आय ॥ १ ॥ गणपत
जी ने देख आवता नारद कहिये भालौ ॥ गणपत जी ने पाछा मेलौ
गढ़ पौल्यां रखवा लौ ॥ ६ ॥ सँड सँडालौ दूढ़ दुदालौ भोजन
घणौ अहारी ॥ गणपत जी ने पाछा मेलौ लाजे भी वकँवारी ॥
॥ ३ ॥ मोटी पीड्यां लगे थंबसी मस्तक मोटा कानौ ॥ गण

पतजीने पाछामेलोमंडीदीखेजानौ॥४॥हलधरकयोबचनके
सबसेथे गणपतनेंभाखौ॥सूनीपुरीसल्हामेंनाहीं गणपतजीने
राखौ॥३॥ पीछौजाम्हारागणपतगरवा गढपोल्यांरुखबारा॥
थेम्हारहलधरकीजागंधणौभरोसाथारो दयहसुगणवचनकृण
के गणपतहरखचल्योमनमाहीं॥आगेबडीलडाईहोसीजायर
करतोकहिं॥७॥नारदमुनीजनमकोचुगल्यो जायगणेशसिखा
यो॥लाजांमरतापाछोकाढ्यो किणथानेंकोटबुलायो॥८॥ को
पकियोगवरीकेनंदन मैसालियाबुलाई॥म्हारीतौपतथेअबरा
खौहुईघणीहलकाई॥९॥टूटीधुरीअडेपाचरियापैदलचलाए
नपावै॥खांदमेदनीपोलीकरद्यू जदम्हानेजसआवे१०मैंसां
जायमेदनीखोदीगनपतआज्ञापाईपैदलपांवधरणनाहिंपावैस

वरथदियाथकाई॥११॥टूटूधूरिअडेपाचारिया रथांभडाभडना
थी॥घोडाऊँटगरकसबहामेगुडमहलांओहाती॥१२॥जबओ
कृष्णहलधरसे सुनियो समृथभाई । येतोकरमकियोगनपत
नेगणपतल्यावोमनाई॥१३॥मंत्रीजायकहीगणपतनेबागाजा
नपधारो॥चालचालमहारागरवा गनपतथांबिनकृष्णकैवारो॥
॥१४॥कृष्णकैवारोमहारोकांइसारोगढपोल्यारखवारो॥महेवार
हलधरकीजागांघणोभरोसोम्हारो॥१५॥सबहीदेवशिरामणि
रांकरजिनकेपुत्रकहावो॥हलधरकृष्णमनावणमेल्याअबक्यो
वारलगावो॥१६॥महेक्यूंचालांम्हानैमेल्याराखीकांईबडाई॥
महेतोवारदायनआया सारीजान सराई ॥१७॥सबपहला
सिंगणगणपतकोपहलीकिरत कराई॥सबसेआदितुमारीपु

जाफरदेवनकोबडाई॥१॥नासूँडसुडालौहुँदुहुँदालौमस्तकमो
टाकानौ॥म्हाचाल्यौसबयादवलाजेमूडीदीसेजानौ॥१९॥
मोटीपींढीलगेथांबसीभोजनघणांअहारी॥म्हारेचाल्याकृष्णा
लजावैलाजेमीवकैवारी॥२॥जायकहैथिहरिहलधरनैमन्त्री
पाछाजावौ॥म्हांचाल्यांसबसाथलजावैचढकुंदनपुरजावौ।
॥२१॥मन्त्रीआयकृष्णसूँबाल्यागणपततोनिहिआया॥पदम
भणैदुदालौगणपतम्हांसूँयूबतलाया॥२॥रागसोरठागणपत
आयाराजसरेगो॥म्हारेनवलविहारीजीरोब्यावागणपत०॥१॥
थांचाल्यासूँमंगलहोवैदुखदालिद्रहरेगो॥गण०॥२॥सूँडसुडा
लोहुँदुहुँदालोशिरपरछत्रधरेगो॥गण०॥३॥पदमभणैहलधरक
रजोडिचाल्यांकाजसरेगो॥गण०॥४॥दोहा॥जायगणेशमना

विद्यापूजाकरीमिदूर ॥ परकाजांसमरशहोसवबातांभरपुरा ॥ १ ॥
थानेरुस्यानासरेगुणगौरीकापूत ॥ मंगलदाताअपहोहरिसबा
धौसूत ॥ २ ॥ रागमारु ॥ सोमगुमूंगसवासैमनचावलाधरतिनि
बेमगोल्यावो ॥ इतरातोकहूकलेवोजीमणसंगलेजावो ॥ ३ ॥ चा
बलमैंगधिरततौइणविधिसौमनलगेमिठाई ॥ इतरौतोम्हेकरां
कलेवोजीमापंचमिठाई ॥ २ ॥ श्रीकृष्णरुकमगणनेपरनेम्हाने
काईलावो ॥ बींदवीनडींपरणपधारेगणपतरहैकैवारो ॥ ३ ॥ पह
लीब्यावबिन्यायककरसीपीछेऔरबिहावौबोलेनारदसुगोक्रु
ष्णजीगणपतनेपरणावो ॥ ४ ॥ दोहा ॥ विघनहरनमंगलकरन, स
दारहेथिरथाय ॥ सुरथेकरोमनावणौबैठारथकेमाय ॥ १ ॥ राग
मारु ॥ परण्यांपरण्यांजानपधारोम्हेछूअकनकैवारो ॥ आगेका

मणगारीगावैलांजेगोतहमारो॥१॥ थेतोसगलापरण्यांपात्या
गालकैवारानेगावै॥ कहैगणपतीसुणो॥ कृष्णजीमनेकालीकूर्ता
परणावै॥२॥ हलधरबचनकहैगणपतसेक्युनहिजानपधारो ॥
पाछिव्यावहोयश्रीपतकोपहलीहोसीथांरो॥ ३॥ बिनभूपालव्याव
नाहिंकरसुंगणपतबचनसुनावो ॥ जिनधरकन्याहोयकैवारीसो
महिपालबतावो॥ ४॥ धारानग्रयेकपोहोपराबहैतिनकेकरांसगाई
येकजकरश्रीपतजीपकन्योदूजोहलधरभाई ॥६॥ दोयमुकाम
दियाधारामेंचवदाभवनकेराजा ॥ गणपतजकिोटीकोदीन्हा
बाजेनौबतबाजा ॥ ७॥ जैजैकारमंगलधुनगावे तांबागलघ
ररावै ॥ तेलबानगणपतजीबैठासोभावराणिनजावे ॥८॥ पोहो
परावधरआनंदउपज्योनगरीहरखबधावोपदमभंगेप्रणमैपाये

लागूं सखियां वनडागावै ॥९॥ राग सोरठ ॥ गणपत जी वनडा आ
याजी ॥९॥ टेर ॥ मोतियन माल मोतियन को सेहरो सूरज जो तस
वायाजी ॥ गण ० ॥१॥ धारान ग्र की सबही कामिनी निरख तरुप
सवायाजी ॥ गण ० ॥२॥ कर पर सीमूसा असवारी चंदन खौल ब
नायाजी ॥ गण ० ॥३॥ पदम भरणें पाय लागूं आनंद मंग
ल गायाजी ॥ गण ० ॥४॥ राग मारू ॥ मंडप हे मतणारौ जा के चैव
री हे मचन आई ॥ रिद्धा सिद्ध सैं कियोगण जो डोस खियन मंगल गा
ई ॥१॥ रिद्धा सिद्ध तणां बीदन देख्या ये से कह नर नारी देखो बिधना
रिद्धा सिद्ध को बडे रूप सुँडारी ॥२॥ और अंब सब बणयो पुरुष को कु
जर को उगिया रो ॥ हल धर कह सुनौ कामागि याथे काइ रूप बिसा
रो ॥३॥ सब देवन में देव शिरो मगि गणपत नाम कहवै श्रीपति सुहे

रूपअधिकाई शिवको पुत्र कहानि ॥ ४ ॥ राजा पुष्पक कहै हलधर से
और रूप अधिकाई अधिक सुँड कुंजर सी दीखे शोभा वरनि न जा
इ ॥ ५ ॥ श्रीपति बचन कहै राजा से और रूप बरदाई ॥ रिधा सिधना
रिवहुत सुख पासी इनकी गहुत बडाई ॥ जब सहेलै तो रण बाध्यो
कामाग्नि मंगल गाया कंचन थाल भरे मोतियन से कै चनकल सबै
धाया ॥ ७ ॥ केसर अगार कपूर चोपरे सासू आरत्यो ल्याई देखि सुँड
जव गणपत जी की मंदमंद मुसकाई ॥ ८ ॥ गेह रूप वर गयो नहिं जा
वै सोना सुँड बनानाई ॥ येक सखी मिलि चावल लीन्ह ॥ रिधा सिध सुँव
तलाई ॥ ९ ॥ पीड्यो सरस बांध चावल को धूँघट बदन छिपाई नाव
लहलह दई गणपत के पदम भगत बलि जाई ॥ १० ॥ राग सोरठा गे
साये गजराज बनाने काम गाकरा आई काम गाकर बा आई लाल

जिनेहरखि निरखि गुन गाई॥ टेक॥ धारानगर की पाँच सात मिल
कालौ डोरौ ल्याई नीबू और मैड फल ल्याई कछु ककरी चतराई ?
काथे पान सुपारी राचेराचे रिधसि धनाई छप्पन भोग छती सुविज
नलूणी मेल्या सरसाई ॥ २॥ रिध्या सिध के बस मै रह सा भूले नही भ
लाई डोर के बस गांठा दीन्हि गाढी घणी घुलाई ३ चरखी मोर जुज
रवा छूटे छूटे बाण हवाई गजानंद की या छ बिऊ परपद मइया मव
लिजाई ४ राग मारू पांच पदारथ धन्या थाल मै आरतियों करवा
यो ॥ गजानंद जी चैव रखां आया चैव रखां चैव रहु लायो ? रिधसि
धनारि करे सिण गारो मन मै आनंद अपारो सारी सखियां यूँ उठवो
लौ फेर करन पधारो ॥ २॥ गजानंद सूँ कियो गण जो डोब ह्मावे दउ
चारो ॥ सुरते तीसो हरखहुवा है बरसत पृष्ठ अपारो ॥ ३॥ रिधसि ध

सूकायागणजाडामेघाडंबरछाया॥जैजैकारमथो॥त्रिभुवनमस
बहीमंगलगाया॥४॥गजानंदजबारिधासिधपरणो जोडवैठाहत
लेवो॥वासुदेवकहैरोजासेहतलेवोरछुटावो॥५॥पोहोपराज
वरआनंदप्रगट्योमनवौछितफलपायो॥रगतभैबरकोदियोपर
गनौहतलेवोरछुडायो॥६॥रतनपदारथबहुताहिदीयाहतले
वाकेमाहीं॥पौचपरगनादियाकैवरनेभलीभांतिकलाई॥७॥
बडीबडरमातहीदीनहौसबदेवनकेताई।सुरतेतीसूकरीजैव्हा
रीछपनकोटपहिराईदजैजैकारमथोनरनारीसुरद्वंदुभीबजाई
पदमभगोंप्रणामेंपायलागैसखियांगारीगाई॥६॥रागलालित॥
सुगगणपतजीरैजैवाईथारकुणबाबलकुणमाई॥टेराथारीमा
ताराजकैवारी॥थारोबाबलमथोभिखारी॥१॥थारीभील

गोरूपभइमाई ॥ वहवावलछलवाआई ॥२॥ शिवभोचीवना
 केआया ॥ थारीमाकेमौचडाल्याया ॥३॥ येसपदमभगतगंगा
 गावै ॥ सवसखियनतालवजावै ॥४॥ रागमारू ॥ परणागजानंद
 रथमेंबैठाहरजीवचनसुनाई ॥ भलीभांतिसेकरिसमतोणीरेध
 लिधनेंमुकलाई ॥१॥ जैजैकारमैगलधुनगावैतांवागलघररवै ॥
 पदमअणोप्रणमैपायेलागै कृष्णकंदनपुरआवै ॥२॥ दोहा ॥ ह
 रियलसुवाबोलिया, हरेअवकीडारकुभकलससाह्वाहुवा, औ
 रसुगांकीडार ॥१॥ अथकंदनपुरकीकथाप्रारंभः दोहा ॥ सुपनभ
 याज्यैरुक्मणी, निरखतसुन्दरश्यामाजोतुमद्वारकानाथहौको
 नतुमारोनाम ॥२॥ नामहमाराअनंतहै, पुनिअविनाशीयक ॥
 नवहमारेविरदको, जाकी नायडिगणदूटक ॥३॥ रागसोरठ ॥

माइरोहंसुपनामेंपरणीगोपाल ॥टेर॥ रैनकिबातकहाकहूसज
नीसुपनामेंभईहूनिहाल॥१॥ जोथानेंसुपनौआयोवाईजीसुप
नौछिआलजंजाल ॥२॥ मोरमुकुटपीतावरसोहैअरुबैजंतीमाल
॥३॥ रुचरुचहरजांकठलगाइ हातंछिमेहैदीलाल॥४॥ छुपन
कोटियादवजुडआयेदुलहौछिनंदजीकोलाल॥ पदमभगोंप्रण
मंपायलागूं बरपायो रिछपाल ॥६॥ रागसोरठ को कहरवौ॥
आप्यासखिकंचनकिरौडमतीयेपतीजो ब्राह्मणों ॥टेर॥ ब्रा
ह्मणहैसाखिसडादोस हरिदानासोंडरह्यो ॥ भेलादानवाँसे
रह्योडरतो हरिनसक्यौआयरी ॥ केउनमोह्याकबरीकेरह्यारंगम
छायरी ॥ कंचनसीकायासंकल्प करडारुं याको भंगरी ॥
शंकरआगेसीसमेलूं रहूँकेशवसंगरी ॥ लौडक सोरठा ॥ थोरतो

कारणसौवराकष्टसयाजघणौपदमभणौविटलदलआवैमो
भुजफरक्याहैंमतणौ ॥ १ ॥ रागबिहाग ॥ नाथनाहिंआयेरी
सजनी भैंझुरक रहीमगजोय ॥ नाथनाहिं ॥ टेर ॥ वोद्विजतौमत
लबको गरजी रह्यौकहांईसोय ॥ १ ॥ जोप्रभुजी कहुंनायप-
धारे कखं मै कौनउपाय ॥ २ ॥ बांचेकेपतियांमेलदइरीकेजुगये
विसराय ॥ ३ ॥ पदमकेस्वामीबेगनमिलिहै हंससहीउडजाय
॥ ४ ॥ रागसोरठ ॥ कोइजोकहौम्हारेनाथनैजी थारिनारनि
हारेबाटाटेकाभाईरुकमबुलायौडाहलआयोलेदलथाट ॥ १ ॥
तीनदिहाडाद्विजकोबीताकीन्हीढीलनिराट ॥ २ ॥ मोयशिशु
पालस्यालसोदीखै करत कलेजेकाट ॥ ३ ॥ नाथबिनाम्हेंविष
भख मरिहौ और नहींकोइघाट ॥ ४ ॥ छिनछिनमोकू कल न

पंडित है पलनीचे पलखाट ॥५॥ पदमके स्वामी जबाहि पधारै तब
हिमिटे औचाट ॥६॥ राग सोरठ ॥ अजहुन आये सखी पूछ्यो न
संदेश ॥ टेका करुणा कहं हरि मारग आवै फरकत भुज बास ॥१॥
केतो बाह्य गुण नही योही मोय अंदेश ॥२॥ ओछे जल की माछ
लीज्यो रह जाव अवसेसा ॥३॥ पदम कहै यो भणै रुक मणी आज्यो
म्हारे देस ॥४॥ राग सोरठ की देस ॥ म्हारो अवगुण गुण करमानो
प्रभु पूरव प्रीति पिछानो ॥५॥ भेंटो दासी जनम जनम की और तरह
मत जानौ ॥१॥ पदम भणै रुक मण की बिनती बेगो करो पयानो
॥२॥ दोहा ॥ हींणी भई बिशंभरां, देखो बाति बिचार ॥ अब कानै
आवो प्रभु, कयो सिर जी करतार ॥३॥ त्रास आस भारी लगी, कब
परणै करतार ॥ पलक पलक सम जातहूँ, आतुर मिलौ बिचार ॥२॥

करसगासूखबिरखाभइ, अम तवरस्थानीर ॥ मीनमरेसागरभरे
कौणकाजबलबीरइ बिरहअग्निनिहिरदाजले जलेधरणाआका
ससीलसमुद्रजुआनके, हरिवेगबुभुभाबासा ॥ आंखडियांमद
जोबतांपंथनिहारनिहारा ॥ जीभडल्योछालापड्याकृष्णपुकार
पुकाराप्र ॥ हिरदाफोटंपंकज्यो, छिनछिनलेतउसास ॥ पदमइयो
स्वामीविणैअवपूरोप्रभुआसा ॥ रागसोरठ ॥ थानैपूछूंपंडितजोसी
म्हारेनाथामिलणकबहोसी ॥ टेरा ॥ जोसीजीह्वाराभाई ॥ ह्वाने
पतडाबौचसुगाई ॥ हेंपतडोपूजैथारौ ॥ थेकारजसारौह्वारौ ॥
॥ १ ॥ जोसीकहै सुणौरीबाई ॥ मैतो सांचाहिसांचबताई ॥ हरजीने
बगमिलोवाँ ॥ कछुआनंदबधाईपावौ ॥ १ ॥ पदमइयाविरहनजारै
हरजीकीबाटानिहारै ॥ उडउडहारियलसुवा ॥ प्रभुजीनेबहुदिन

हूवा । ३ ॥ रागसारठाह्वाराहरियलवनकासूबटांथानेकृष्णामिले
तौ कहज्यैरे ॥ टेरा ॥ चोंचमढाऊँथारीसोवनीतूजायसँदेसोदज्यो
रो ॥ १ ॥ रतनजड़ावापींजरोह्मारेहिरदामाहींरहज्यौरे ॥ २ ॥ मोति
अनचनचुँभावस्यांथेपाछाआथकेज्यौरे ॥ ३ ॥ पदमस्यामफिर
देवोसँदेसोलखबधाईलेज्योरे ॥ ४ ॥ राजाभींवउवाचारागमारू
राजाभींवकरेअँदेसोहरिजीक्योंनाहिआयामहाकुपानकँवररु
कमइयौडाहलकौकबुलाया ॥ १ ॥ तुमअंतरजामीयादवपतिमे
रामनकीजाणौ ॥ बिरधापणकीलाजदयानिधिनेकदयाचित
आणौ ॥ २ ॥ हससीलोगबिरदतुमरेकोजासीबचनहमारौ ॥ जो
डाहलरुकमरणेपरणैमरस्याखायकटारौ ३ रुकमणिप्राणत
जेगीप्रभुजीयहानिशचयकरजाणौ ॥ भैंभींप्राणपलकनहिराखू

तातेधर्मीनतागौ ॥४॥ यहमभवचनप्रतिहामेरीहरिआथाज
लपीस्यौ ॥ नाहितरस्वासखैचतजदेहीयेकपलकनाहिंजीस्यौ ॥
॥ ५ ॥ तबआकासबीणाभभुलोभविजेजमतजागौ ॥ पदभभ
गताशिवकरणाकहतहरिकीयो आजपयागौ ॥ ६ ॥ दाहा ॥ बाणी
अवणाअकाससुग, हरख्योभूपतिभिंवृज्यंगरजनसुणभेवकी, सु
तदादुरसंजीव ॥ १ ॥ हरखीबाईरुकमणी, सनसखियनकोसाथा ॥
भयोबधावोभवनमेंआबैगेवृजनाथ ॥ २ ॥ रुकमणिकरोबिसूर
गा, त्यामपहुंचाधाया कूंदनपुरअचरजभयोजानदूसरीआज
॥ ३ ॥ रागसोरठूमरी ॥ आयौआयोरेसांवरियो रुकमणकारण
॥ ४ ॥ नृपभीषमकेवातचलाई शठरुकमइयेकुबदकमाई ॥
चीठीभेजबुलायोडाहलवारणै ॥ होआयो ० ॥ १ ॥ जानदेखनग

रीहरखाईजब रुकमाणिमनमेंदुखपाईलीन्हाकाढकटारीमर
वाकारणें ॥ होआर्यौ० ॥२॥ रुकमाणिचीरीवेगालिखाई ॥ द्विज
हरियाकेहाथपठाई ॥ बांचतवेगपधाराच्याअसुरसंधारणें ॥ हो
आर्यौ० ॥३॥ दासपदमस्वामीइधकारी ॥ मारअसुरदुखसे
दौभारी ॥ लोकलाजमेंसाथीगिरवरधारणें ॥ होआर्यौ० ॥४॥
रागसोरठकाफी ॥ दिजकोअपनेरथबैठायें ॥ हरिथसाजकुंदन
पुरधायें ॥ टेर ॥ बहुतसैन्यायादवकुलल्याये ॥ पीछेंतेहलधरजी
आय १ निरखतमंगलभयेनरनारीदेहधरेकोयहफलपाये ॥२॥
संकाभईडाहलकुलमाहीं जुडेभूपमिलसभाभराये ॥३॥ गाहि
दुजभुजहैंसिकेयदुराईमधुरबैनमुखसंफरमाये ४ कहौकौनअ
बउनसेजाईतुमकोलेनहमकोपठायो ॥५॥ केप्रनामद्विजउतन्यो

आईअतिआनंदउरमाहिंसमाये ॥६॥ दासपदमपलपलबलि
 जाईहरिकेगुनमधुरस्वरगायो॥ आरागमाखु॥ करप्रणामद्विज
 यतेउतन्यौगवनभवनकोकीनौ ॥ सीसनवायचरणागहिबाली
 कहाँकुण्णारैगभीनौ ॥ १ ॥ कहद्विजराजसुगौंशिवाईतेरेका-
 रजसारो॥ त्रिभुवनपातिकेसंगलेआयोबहबृजराजपधारै ॥२॥
 आवनसुनीअवणामाधवकीसुधापेटभरपीन्हं॥ पदमभगौं प्रणमे
 पायेलागूग्राणदानद्विजदीन्हं॥ ३॥ दोहा ॥ सुनेबचनद्विजराज
 के, अतिहरखीमनमाँयकहाबधाईदेहुँद्विज, देवेकोकछुनौय१
 रागमाखु॥ संगल्यायोमेरेप्राणपियाकोत्रिभुवनकोपतियेको॥
 यौरिणतैरौकबहुँनउतरे धारुंजनमअनेको॥ १ ॥ तनअरप्यौ
 श्रीकुण्णचंद्रकोचितमनचरणामाहींयोसिणगारदेऊतोथोडौ

भक्तिबढाजगमाहीं २ ऐसेकदबहुरतनपदारथदीन्होंदानघणो
रोपदमकहैरुक्रमगणबरदीन्होंजाचेनाकुलतेरो ॥३॥ दोहा तु
मबोहोरिसबजगतके, किनहुँनजाचौबीरजोजाचोतोरुकिमणी
केजाचौबलवीरा ॥१॥ हरषिचलेद्विजदानले, चलननसकैभारा
पीछौमुडमुडकहतहै, आविकोबेगपधार ॥२॥ रागठुमरी ॥ आ
जअबगुशाभईरुक्रमगणवाईटेकानेमधरमसबसुफलभयेअब
आजमहाआनंदन्हार्ई ॥ संगकिसहेलीपूछेहेली आजकहाइत
राई ॥ १ ॥ औरदिनामुखसेनाहिबोलो बाटोरेंसबघार्ई ॥ ३ ॥
मेरेतोआनंदभयोसखि घरआयेजहुराई ॥ ४ ॥ पुरबदेशचँदे
रिंकोराजा देखतहीउठजाई ॥ ५ ॥ इंदरकोपकियोबृजऊपर
घोरघटाचाढिआई ॥ ६ ॥ प्रभनखँऊपरगिरवरधारयोडूबत

बिरजवचाई ॥ ७ ॥ हियेहुलासतनहरखमनखुसीआनमिले
जटुराई ॥ ८ ॥ दासपदमपरकिरपाकीन्ही राखोगसरणाई ॥ ९ ॥
रागमल्लार ॥ कुष्णाकुंदनपुरआयेरी ॥ १० ॥ उमगेदलबादलचहु
दिसतेगोविंदगरुडलेधायेरी ॥ ११ ॥ नान्हिनान्हिबुंदियांपरतम
वनपैहरेहरेबादलछायेरी ॥ १२ ॥ मातेगजगरजतगोविंदकेसुन
दानवसकुचायेरी ॥ १३ ॥ शोचपड्योशिशुपालतणोदलकैवरकम
लविलखायेरी ॥ १४ ॥ बार्दरुक्मणि अतिमनबाढ्यो फूलीउरनस
मायेरी ॥ १५ ॥ दादुरमोरपपीहाबोले कोयलशब्दसुनायेरी ॥ १६ ॥
सूवासारभवनमेंबोले सोतियनचौकपुरायेरी ॥ १७ ॥ दासपदम
थारोविरदबखानें मनइच्छाफलपायेरी ॥ १८ ॥ दोहा ॥ हरख्यो
विप्रचूडामणी, कृष्णतणौदल्यायाभौवरायश्रवणांसुणी, आ

नंदउरनसमाया॥१॥ रागमारू॥ ऊठचोरावपहिरिपीतांबर वोले
जबोल्याचंगा ॥ अडसटतीरथघरहीमाहींआलिसियानेगंगा
॥१॥ हरिहरजोसीकहीरायसेवोलेभोंवइमबाणीजोतुमद्वाराव
तीपधारेकहौकृष्णसहनाणी ॥२॥ मोरमुकटपीतांबरसोहै हरि
हेचित्तिबिनाणी ॥ चरिहिभुजाचारहीआयुध कौस्तुभमणि
सहनाणी॥३॥ हरख्योभोंवरायश्रवणासुनसांचबचनपरमाणी
पदमभरणेंप्रणमैपायेलागैवातसांचजबजाणी॥४॥ रागमारू॥
बिसकरमानेअग्यादीन्हों मंदिरअधरछवाया॥ इकीसयोजन
धरतीसेतीतंबूडाढलकाया॥१॥ अहिरातनकोआग्यादीन्होंचेट
कयेकदिखावौ॥ श्रीकृष्णकीआज्ञालेकर गहरीलीदछंगारवौ॥
॥२॥ सुनतबचनअहिरावतजबहीगहरीलीदछंगारवै॥ जरासिंध

क्रीतबूढ़्यापलमेंपडीभगाई ॥३॥ जीतेनहिंशिशापालहारसी
जादुकरजुहारो ॥ सौसौबचनकह्यादंतराणीसौसौहोसीसारो ।
॥४॥ बरजतबोधसेहरोआयोसठनाकियोबिचारा ॥ पदमभरणो
डाहलअभिमानिरहशिशापालकैवारो । ५॥ हलधरकीचढाई ॥
दाहा ॥ हलधरबंधूऊतरयो, करमालीकाभेक ॥ डेरगयोशिथु
पालके, बोलेबचनअनेक ॥ रागमारु ॥ उठोउठोरेंडेरवालोय
हांमैवाडीवोडै ॥ रावभोंवरकृष्णपधारे, पुढपमालालेजाऊँ ॥१॥
कहजरासिंधसुगुहोमालीमूलामितनाबिबो ॥ रावडाहलकीफौ
जवडीहैजिनमेंजीताजावो ॥२॥ कह्यराजनकातंबतोड्याकइ
राजनकोल्याया ॥ जायनकीबाबिरोदीन्होएकमालीकाआया
॥३॥ पडिडेरामेंमूलीबोवैखोटासणमनावैकहाशिशुपालसुणो

सिरदारोमालीजाननपावै ॥४॥मनमेंकोपकरयोअतिमारीवी
डोबेगफिरावै॥मालीकोहलमसलदेखैकोइयनहाथलगवै॥५॥
स्वेतबंदरामेश्वरराजाकजीयेदगयोदालो॥जावनकीबाबेशोदी
नयोखिज्योरावशिशापालो॥६॥खुरासाणीयोमेवतुरखडोचढो
रावकेसाटै॥हलधरलेहलमूसलचाल्योलिन्याहलकेआंटै॥७॥
हलसेवाकोमस्तकमोड्योमूसलकीठैकाई॥चोटचोटमपडता
दीखैगिनतीपारनपाई॥८॥रावभर्योरुकमैयोचाल्योशिशुपा
लैपैआयो॥भींवरावकेकैवरलालनेजरासिंधवतलायो॥९॥कह
जरासिंधसुनरुकमैयायोमालीछैथारो ॥ भींवरावकोमेज्यो
आयोकह्यानमानैम्हारो ॥ १० ॥ बेटौभर्यैभींवराजाकोजरा
सिंधराई ॥ योतोमालीछैगवाल्योम्हारोमालीनाई ॥ ११ ॥

कहजरासिंधुसुनरुक्मैया थाकेकुबदकमाई ॥ थारेघरमेंएक
कैवरिथीदाबयूँ जानबुलाई ॥ १२ ॥ वाडीवाहचल्योमालीको
ऊँचेगोराद्यायो ॥ पदमभेंगप्रणामेंपायेलागूँ एकवाहदेआयो ॥
॥ १३ ॥ रागमारू ॥ शंकाहुईनगरमेंसारेआयाकृष्णमुरारी ॥
जरासिंधाशिशुपालभूपसर्वमिलकेकरीबिचारी ॥ ३ ॥ आयो
बिनाबुलायौगवाल्यौ करेव्यावमेंख्वारी ॥ बिघनपडेबिनरहेन
कोईयौहैकुबुदीभारी ॥ २ ॥ रोसभरयौरुकमइयौ वोल्योथेकयूँ
डरपौराई ॥ अरवखरबलांखाधनखरचूँजंगीढोलधुराई ॥ ३ ॥ रु
कमणिजुगतभलीपरणाऊँ चंदेरीपहुँचाऊँ ॥ पदमभगतरुक
मालभणछे आनंदमंगलगाऊँ ॥ ४ ॥ रागधमालाकरोनीथालौ
डीरीचावकैवरजी ॥ टेक ॥ बडेबडेराराजायोउठबोल्याव्यावतणौ

व्यवहारा १॥ रुकमइयां शिशुपालबुलायो कोप्या कृष्णामुरार ॥ १॥
उगतो साजकरी साम्हेलेली दपरी मुखछार ३॥ हेवरगाज्या कृष्णा
तणां दलबाह्मणल्या यौछे गोपाल ॥ ४॥ बाजाबाजे अंबरगाजे
जबकंप्या शिशुपाल ॥ ५॥ कोप्योतीन भवनकानायक बरखाली
दअपार ॥ ६॥ राजा भोंववर बटत बधाई रुकमणी करे सिंगार ॥
॥ ७॥ म्हेंतो यादव कृष्णबुलायो रुकमइयो शिशुपाल ॥ ८॥ पदम
भगें प्रणमैं पाये लागू आया यादव चाल ॥ ९॥ दाहा ॥ कुंदन पुरवि
सटाला फिरे करसां कौन बिचार ॥ हरिऔरदानवा भिड्यां होसी जु
दअपार ॥ १॥ रागमारू ॥ राजा भोंवपचौली को बया बेगह जूरनु
लाया ॥ अवलजरी शिरपाव मैंगाया पंचौल्यां पहिराया ॥ १॥ क
हेरावजी सुनो पंचौल्यां शिशुपाले ढिगजावो ॥ डालहने तो पा

छो फेरों रुक मणि कृष्ण बिहावौ ॥ २ ॥ कहै पै चौली सुन महै राजा
पाछा किण बिध चाले ॥ जरा सिंध जो रावराजा आयु धइ धका
भालै ॥ ३ ॥ फौजां सिर फौज काला डासेल सांग आति भारी ॥ ज
रा सिंध जो रावराजा जुध की करत यारी ॥ ४ ॥ चढ कुरसांग बाढ
आति दीया भाला अणी कढाई ॥ जंग जखर लेहि शिशु पाली घुड
लां करे चढाई ॥ ५ ॥ कहै भौव जी सुनौ पै चौल्यो थकाइ भाले भूला
अब के जीवत जान न देला को प्या कृष्ण जी दूला ॥ ६ ॥ पांच पै चौली
मतौ उपायो शिशु पाले बतलावां ॥ कुंदन पुर की राज भित्तौ आपां
भल कहवां ॥ ७ ॥ पांच पै चौली हुवाये खटा मिल के मतौ उपायो
आगे जाय कै वर यूबो ल्यो कृष्ण गवा ल्यो आयौ ॥ ८ ॥ रहै तौ उगरो
वन जाणा न मंह कछु बुलायो ॥ भागौ फिरे बाल गोकुल को वि

नकोवयोहीआयो ॥ ९ ॥ योंतौअपनीकरेबराबर जुधकेसाम्हो
आयो ॥ टंक ॥ चढ्यौरुकमणपरणाऊँतोभीषमकोजायो ॥ १० ॥
कहाशिशुपालोसुगोँकैवरजीनीकाआपविचारो । भारतजोड
ग्वालियोआयोहैकहाकौनविचारो ॥ ११ ॥ भगोँकैवरजीसुगोँ
शिशुपालाइगारेकाईविचारी । भारतकियेग्वालियाजीतेपेछे
राडहमारी ॥ १२ ॥ शिशुपालासूँकैवररुकमइया गुभसेगहवत
लाया ॥ फिरतारुकमकैवरकेसाथे ड्यौढातोडीआया ॥ १३ ॥
कैरवमुड्ययोपंचोलीआयाभीतरभेदजगाया ॥ कंचनमालभरे
गजमाती निजरसबीकरवाया ॥ १४ ॥ आदरभावबहुतसाकी
यो अपणोंढिबैठाया ॥ राजाभीचतणींकहोवातां कइसंदसो
ल्याया ॥ १५ ॥ बिसटालूजबयेसेबोल्योसुगोँशिशापालराजा ॥

रामरूपहोय आगे परगथां सायरवांधी पाजा ॥ १ ६ ॥ वौई छैजु औ
मतजाणौ तौने किस्यो कसूभे कुंभकरणामहरावणामाया कयो
नबडांने नूभे ॥ १ ॥ अम्हे शिशु पालवडांकाई बूभासतरेवारभगाथो
अवथां ऊभांपकडमैगाऊं दूमधोबको जायो ॥ १ ८ ॥ कहै प्रंची
लीसुणौ शिशु पाला कयाने पांणा दिखावै बहतो गगनमंडल दिया
डरातै नयू जानमरावै ॥ १ ९ ॥ कह शिशु पालसुणै पंचोल्या जान
जीवसुमारो ॥ महेराज कै वरिप रणी जण आयाथे मत और विचारो
॥ २० ॥ थऊं चाडेरा करल्यो तो भ्हेथाने जाणां ॥ दुरलभ गवनजी
बतो जाणौ काई धणो बखाणां ॥ २१ ॥ राजावांको जो करे काई
हरके घोडा थोडा ॥ मास्यां मर्यां भलाना हि कहसी टल्यां न होवै
ल्होडा ॥ २२ ॥ भ्हेकयू टलां जो रावर जो धाटलसी कान्ह गबाल्यो

माखनचोरपरायोखायो रावांमाहींटाल्यो ॥२३॥ कहैंपंचोली
सुणशिशुपालाकाहिं निसांतूआयो ॥ म्हेंतोथारोनांवनजांणासु
रसतमाटबुलायो ॥२४॥ जबशिशुपालौकुमनौबोल्योकरताक
रसोहोसी ॥ अबजोम्हेंफिरपाछा जाऊंदसदापमोयदेसी ॥२६॥
थेतोजाणौमिटैलडाईयातोइसीलखावै ॥ नंदकैवरगिरधरबरऊ
पर पदमभक्तबलिजावै ॥२५॥ दोहा ॥ पंचोलीसबमुडचलेभीव
रायढिगआय ॥ योतोयेकनमानहींकरहोकोटिउपाय ॥१॥ रु
कमनीवाक्य रागसोरठ ॥ योतोवरखूडौहेभ्हारीमाय ॥ टेक ॥
तुमजोकहतीगऊचरावैगवालनकेसंगजाय ॥१॥ शिवसनकादि
कअरुब्रह्मादिकशीशानवावैताय ॥२॥ अबलगतौकछुबिगड्यौ
नाहींडाहलद्योफिरवाय ॥३॥ पदमस्याममोहियेहिअदेसोस

बदलदेगोरुपाय ॥४॥ दोह ॥ शिशुपालमतोउपाविगो दूत्या
लिनी बुलाया ॥ कैवारिमोदो भौवकी येसौकरोउपाय ॥१॥ राग
मारू ॥ टेक ॥ कहशिशुपालसुगौदूत्याथेकुदुनपुरकोजावौ ॥
भौवकैवारिजीनाहिंम्हासुजिनकैजायमनावौ ॥१॥ दूत्याकहे
सुगौमहराजा म्हांकागुणबतलावां ॥ अंबरताराधरतील्यावा
फिरअंबरधरआवां ॥ २ ॥ जेवडियाकासरपबनावौफिरजेवडि
दिखलावां ॥ सुखीनदियापुरवबहावांपटपरनावचलावां ॥ ३ ॥ हत्ते
लीमेंसरसूबावां नखपरछिमकजिमावां ॥ टाटीऊपरहौलाभूनां
कडबेतलबुआवां ॥ ४ ॥ दूत्याकहेसुगौमहराजाहुकमराजरापा
वां ॥ आपणचढणकारथ्यादिवावौबैठकुदुनपुरजावां ॥ ५ ॥ कह
शिशुपालसुगौयेदूत्या जोराजीकरआवौ ॥ तौथानेम्हेदेवां

बेधाई पांचपरगनापावो ॥ ६ ॥ अपणें चढणकारथ्यादिवाया
बांणकबनोनवेली ॥ पदमादूतीकाहुवानगारा लीन्हेंसंगसहे
ली ॥ ७ ॥ रागमारू ॥ पांचलाखकोदूत्योपहर्योसातलाखको
कोलीयो ॥ भीवकैवरिराजीकरआवांदेखोम्हारोकीयो ॥ १ ॥ स
बपूरबकाराजाबैठापासजुरासिंघराई ॥ भरभरमुठीद्रव्यलुटावै
रावरिकरतबडाई २ ॥ जबदूतीकुंदनपुरआवतिरुकमणि सुबतला
वै ॥ धमघमकरतीमहलांचढगई चरणासीसनवावै ॥ ३ ॥ गहणां
मेल्लाकरीबनितीजाणअप्सराआई ॥ रंभारूपदेखदूत्यांकोरा
जकैबारिमुसकाई ॥ ४ ॥ धिनिधिनपूरबकाराजा धिनथेरुकम
णिबाई ॥ धिनबोबंधुचतुररुकमइयो एसीजानबुलाई ॥ ५ ॥ गह
गाँमेलरपायेलागीकीन्हेंबिनयघगोरी ॥ शिशुपालसरीखोबो

इनदूजो म्हारेसरीसीचेरी॥६॥ सवाक्रोडधरतीकोराजा उगारे
धरतीथोडी॥ गहगणोंपहरोराजभोगमोबगिहैविधनाजोडी॥ ७॥
बाइथेम्हांसूबोलोक्योन्नीमुखडैबैणनभाखो॥ गहगणोंपहरोराज
भोगवो पतभाईकाराखो॥ ८॥ भाईभलोभलानैल्यायो थाने
होसीलावो॥ गहगणोंलेयऔरकेघालोऔरकैवारिपरगानो॥ ९॥
औरकैवारिवोपरगोनार्हीऐसीऔरनकोई॥ निरखतरूपराचनहि
रभेरभाराजबताई॥ १०॥ रंभावणीइंद्राजाकेबहआवैतोल्या
वो॥ हूँअरधंग्याहारिकीदासीथेक्यूलोगहैसावो॥ ११॥ हैससी
लोगलडाईहोसीवोवानेकदपूजोकांकणबाधकृष्णचढिआया
परतलडाईसूभे॥ १२॥ जनमजनमकोनाथसांवरोस्यामरसुंदर
रंगभीनो॥ अबजावोबकवादकरोमतुम्हैथानेउत्तरदीन्हो॥ १३॥

योशिशुपालचंदरीराजा मोत्यांविचमेंहीरो ॥ थानकोईबुराई
सुभीपरखल्यायोथारोबीरो १४ क्रोधवंतजबभईरुकमणीहैंको
इहाजरचेरी ॥ द्योबांसांकीवेगउठावोकीज्योसजाघणोरी १५
चेन्याहुकमसुणयोबाईकोमहलांनानलगुडाई ॥ टूटादांतभोगना
फूटा जबदूत्यांगरलाई ॥ १६ ॥ फाटाबसनगिर्यासबगहणां
लुकतीछिपतीआई ॥ आवतत्यांसवहीजाणीजावतकोइनल
खाई ॥ १७ ॥ रावजरासिंधपूछनलागा काईकाई बिवराल्या
ई ॥ पानतैबोलकरामनुहारी मुखमेंघणीललाई ॥ १८ ॥ म्है
पावांपडकरिबानती भगतकर्हाकिहिछानें ॥ कंचनक्रोडसुमेरदि
खावोवानहिंपरणेथानें ॥ १९ ॥ आतुरहोयशिशुपालोबोल्यो
उतरीकरीबडाई ॥ बिसटालोथारोसोभरपायो गहणोंगमायघ

रआई ॥२०॥ गहणो भलो जीवती आई म्हंम्हा रिकीनी पाई ॥
 पदम भणो अणामें पाये लांगूदल्या टाटकुटाई ॥२१॥ रागमारु ॥ रा
 सभर्यो अरु चल करबो ल्यो रू पकैवरिकेरी ध्यो ॥ सोचकरे अरु म
 नमें कल पेज्यं लकडी घुणा बीध्यो ॥१॥ टेढो होया शिशुपालो ल्यो
 पकड कै वारि नें लावो ॥ जेको इथारे आडो देवै जिनने मार हटावो
 ॥२॥ पांचलाख असवार कै वरकावहतो आपां माहीं ॥ भीं वरावको
 आडो आवै नासो मार उडाई ॥ इतनो बचन सुगयो रू कमयइयो
 ऐसो मतो उपायो ॥ जमी दोचकर द्यूं भिडवाल्या तो भीषमको जा
 यो ॥४॥ लिखतां लगन कै बरनहिं पैंटी को मत पठायो ॥ पदम भणेंडा
 हल अमि मानी ऐसे कहत बतलायो ५॥ अबरु कमणीं ने ॥ सभावै
 रागमारु ॥ काजल घालो में हदी लावो कंकन हाथ बंधाई ॥ तेल फु

तेलउवटगोल्यावौयंसमभावेमाई१यंसमभावसायरुकमणी
कह्यौहमारौकीजे॥जिणकीकन्याकुलतेधीटी जिनकोकौनप
तीजे२राणींभणैअंबिकापूजणु बाईजातकैवारी॥ अपणैकुल
कीरीतपरापरी सावौहोतअंवारी ।३। पूगौहुकमनगरकेमाहीं
सखियनसहसबुलार्इखवरभईचहुओरअंबिकाजातरुकमणी
बाई॥४॥छद्द॥भवनभवनतैंकामणआइ चलीभंगलगावती
हारडौरगलपहरसुंदर दीखेसकलमनभावती॥५॥ केशरअगर
कपूरछिरके चंदनचौकपुराइये॥बरदेवीअंबिकामोहिंकृष्णसौ
बरपाइये ॥६॥रागजंगलौ सबसखीसहेल्यांप्यारी रुकमणकुं
बहुतसिंगारी॥टेक॥शिरफूलगुथादिया ॥ छविभानुकीसीलीयां
मस्तकपैआडुमारी छविदेखकेबलिहारी ॥७॥ मीढीअवली

डारी ॥ मानूनागनीसीकारी ॥ साथेजोविंदलोसोहै ॥ जनुचंद
सोमनमोहै ॥ २ ॥ नैननमेंसरमौसास्थौ ॥ भौहैभानुधनु
पधार्यौ ॥ नकबेसरीजनुसोहै ॥ छविदेखिमनमोहै ॥ ३ ॥ जर
कसीलैहगोपहर्यौआठयोजरकसीलहर्यौ ॥ जामेहीरामोती
जारिया ॥ रबिकोटिछबिकंहूरिया ॥ ४ ॥ करनफूलसोहैभारी ॥
जुलफयौजुनागनसीकारी ॥ रबिरतराकीछबिहारी ॥ इतचंदकी
उजियारीपूकंचनकंचुकीपाटी ॥ छविदामिनीकीडाटीबरनेक
बिकहोकैसै ॥ रुकमनसिंगारियेसै ॥ ६ ॥ गलहीरहारजुभारी ॥ जा
देपदमभगतवालिहारी ॥ ७ ॥ रागजंगलो ॥ जावोजावोसहेल्यो
मोरी ॥ देवीजीनेपूजआवौरी ॥ टेक ॥ देवीजीकेदरशणजावौ ॥
सबसखियांकौकबुलावौ ॥ गावोभामनीसबगीता ॥ सखियां

जम्हेजगजीता ॥ १ ॥ मोतियनसंथालसाज्यौ ॥ राविचंदसैछवि
छाज्यौ ॥ छविअंतसबहीसांहे ॥ जाकुंनर्णनकराबिकोहे ॥ २ ॥
जुरेगजरएताजिथाटा ॥ छाविछायोराजजाटा ॥ मानोखिलीफूल
नकयारी ॥ भइदेवीपूजवाकीत्यारी ॥ ३ ॥ रागचरचरी ॥ कैवारि
आंबिकाजासीबाईजीकैवारिआंबिकाजासी ॥ टेक ॥ सोलासदूस
साखिनकेभुमके गजगतचालचलासी १ सोलाकलाचंद्रमाऊ
गौ मानोइंद्रघटासी २ ॥ भलकेचारी ॥ बिधसखियनकेफुलरहीब
नरासी ॥ ३ ॥ नवलखतारांबीचरुकमणीपूरणचंद्रछटासी ॥ ४ ॥
छोहणपांचचढोपाखरिया जरासिंधयूंभासी ॥ ५ ॥ काल्यो
ग्वालभपटलेजासीकुंलकूकाठलगसी ॥ ६ ॥ जवाशिशुपालौ
सुभटबुलायाबिगचढोबनरासी ॥ ७ ॥ गवाल्योकुबदकरेइगअवस

र ॥ फिर पीछे पसता सी ॥ ८ ॥ रुक मरणा अरज न करे अबे संहू गिर धर
की दासी ॥ ९ ॥ पद मर्याम सुख दा अक न्ना अक बर पा ऊँ अ नि ना सी
॥ १० ॥ राग दंडक ॥ अ नि का पूजन कै वरी चाली ॥ टेक ॥ उमा की
भेट पकवान श्री फल लियां वस्त्र भर मोतिया सा ज आली ॥ ११ ॥ भ
वन की पौर पर आया ठाढी भई च्यार लख संग लियां सुधर आली
॥ १२ ॥ चहुँ दिस आं कती अग रनें चालती चतुर बर नारि पिया पंथ हा
ली ॥ १३ ॥ माम न्यां में मिली दा मिनी सी दीपै कोटि कदुर्प दुति देखि
लाजे ॥ १४ ॥ मंगल चार उचार करै सह चरी भेरि अरु तूर नि सांग वा
जे ॥ १५ ॥ मिली द्विज नारि गुन गारि पुर नारि जु थहर ख उछाह मन
मां हि भारी ॥ १६ ॥ आपने धाम ते नि कर आवत भई कै वरि के संग की
करत तयारी सुवा के चो च सी ना सिका पेखिये इंद्र अहरा पती चाल

चौरी ८ लेटणीं नागनी भग्ना जिये ओपमा केहरी लंक कटिलाय
गौरी ॥ ९ ॥ श्रीफल सारिखा उर जाहि बडेलसी सौवनी कंचुकी
चिर भोगौ ॥ १० ॥ केस सोती फल कमांग कुँभरी भाल पर सोह
ती दीप बीखै ॥ ११ ॥ पांव की आंगली बिछिया बाजगां मुरा चिया
नेत्र्यां नाद भारी ॥ १२ ॥ पहर पठौ लगीं हीर की चौलखीं नारके
लौयगां भृगहारी ॥ १३ ॥ रतन मणि राख डी बेणी बास कलडी
बांहरा भुज वरं लंक लेले ॥ १४ ॥ दुज को चंद्रमा मुख पर पोखिये च
ली बर अंगना सयत मेले ॥ १५ ॥ आय जब रुक मणीं द्वार ठाढी भई
असुरा शिछु पाल पाठिये अफूटा ॥ १६ ॥ कृष्ण पगधार के जुगल जो
डोबणीं पदम के स्वा मिकूना थतूठा ॥ १७ ॥ अराग वरवौ ताल ठूमरी ॥
देवी जीने पूजवाचली राजा भीषम जीरी अली टेक ॥ और संखा गु

लाबकीहोरुक्मयाचंपाकाकली १ चोवाचंदनअमारअरगजाहो
छिडकताअलीगली।पदमइयोस्वामीभयोंहोअसुरनरोकिगली
इरागधनाश्री॥अरेरथवानरथहांकंदरेभाई॥टेक॥क्रियासिंगार
रथबैठीसुरजकिरणसावई ॥ जिततितचितवेरुक्रमणी भूष
पगिरदहायजाई ॥ नैनबानतीखालगे घावकोऊकेनाहीं ॥ प
दमकैहरुकभ्रिणबडभागनदुरगापूजगुजाहीं ॥२॥लाचनी।ब
इरुकमाणीराजकैवारअंबकापूजगुचालिसंगसखिनकोटेकाबर
बालकउम्मरबालनरमतचंचलपरमहटीली॥बरकंचनकीसी
बेलसुरतमनमोहैनघनगरवीली॥नवदुलहिनभेषसैवार भाल
बिंदीकुललाजलजीली॥करकंचनथालविशालजाटितमणिअ
नुमादिकचारचीली॥भेला॥सौगुनरातिरूपरंगीली॥चाखीचि

तमनअतिचटकीली॥ अंजनअनपमगमनिमधुपगंजनइमद
सबहीकेबाह ०१ रुकमइयेदुरमातिजतनकरनचहुँदिसबहुसुभ
टपठाये॥बलप्रबलबीरराधाधीरश्रवणसुंण अनुसाशनउठिया
ये॥शिशुपालकुटिलकीसैन्यसनकरशरकोदंडचढायोबनवरम
चरमकरसूलशक्तधरजनमंडलमंछायो॥भेला॥सवनेगुरुद्व
मनायेगजरथहयबेगमैगायो॥पैदलअनंतउनमंतलियेकरखड
चलेसइनके॥बाह ०२॥ गुरुजनयुवातिनकेमध्यगमनकरिभीष
मननृपतकिशोरी॥जलधूपदीपनैवेद्यअग्निघनसारपुष्पदलरोरी
भंगलधुनिगावतबारमुखीबाजतनिसानचहुँओरी॥तनकृष्णद
रसलालसालगीमनचिंतवतचंदचकोरी॥भेला॥शोभाबिसा
लभतिभोरी॥कविबरनेसोइछेबिथारी॥शिवसदनसिधारीकरि

प्रनाममननंदबढ्यौ दुलहनके ॥ बाइरु ० ॥ ३ ॥ करकमलपद्म
जलपद्मछालिअचवनकरकैवरनवेली। गनपतिपूजेपुनिगवर
पतीसंगपूजवतिकुंवरिसहेली ॥ आरतीकरनकरपूरलियेकरदल
जनुकमलचभेली ॥ बरमांगतकृष्णामहेशशेषगिरजातथास्तु
धुनपेली ॥ भेल ॥ मतिगतिशिवपायनवेली ॥ निकसतभइअ
वाकअकेली ॥ अनकभनकभनकारपगननुपूरवजिकनक
मनिनके ॥ बाइ ० ॥ ४ ॥ नभचांद्रकिरणमनहरणचारणजावकये
डिनअरुगार्इ ॥ चलेचालचपलबालकमरालछबिपिडलीगोल
गुलार्इ ॥ किंकिनअनूपधुनललितलंकलचकनिलखितिसर
मार्इ ॥ सुभाचित्रबिचित्रीतिचारचारुमलंकचुकुचछबिछार्इ ॥
भेल ॥ करकंनअतिद्युतपार्इ। वरणतकबियुक्तलखार्इ ॥ हसली

हमेलगलहारमालहीराविसालमोतिनके ॥ बाइरुकमगाअर
विंदमधुरमुखअधंशमृतदाडमकगादंतवतीसी।नासांसुढारवेस
रबुलाकलटकनतारूपरतीसी ॥ द्रगसीलसर्भंअजनसुरेखमहि
माजलमीनगतीसी॥भकुटीपिनाककरुणावतंसपन्नगीचपल
चलतीसी ॥ भेला ॥ हरिजनमुनिग्यानभतीसी ॥ सुरगगालखी
अदितिसी॥ भेला ॥ हरिजनमुनिग्यानसतीसी॥ सुरगगालखीन
के ॥ बाइरुकमगाराजकैवार अबापू ॥ ६ ॥ रागचरचारी ॥ भो
रमथोजबचलीअंबिकापूजनराजदुलारी।टेकासामग्रीकेथाल
भरायेगंगालकीभारी ॥ धूपदीपपुनकीमाला डौडा।लूंगसु
पारी ॥ १ ॥ रथनकीसाजतमंगवाई लियागजादललारी ॥ घु
डलांगूधरमालगलायेहसत्यां बाबारीरछौहणपांचसातसंग

दीन्हीं फौज जरा सिंधलारी। काल्योग्वालफिरे अभिमानी रशि
यो बड्डुतहु स्या ॥३॥ जरा सिंध शिशु पाल चढावै संग सुभट अति
भारी। चहुं और जो धा जो रावर चतुरंगी असवारी ॥४॥ रथ में बैठ रु
क मणी चाली। मन में सकुन विचारी। पदम कहै बाँवो अंग फरकै मि
लसी कृष्ण मुरारी। प्रादोहा। सकुन मन न वै रुक मणी, मन में हर श्व
मनाय ॥ कृष्ण मिले संकठ टले, ए सो बर दे माय १ राग मारु ॥ रुक
माणे भगै सुनोरी देवी काटौ जम की फाँसी ॥ दीनानाथ मिली बौ
मो कंजन मजन मथरी दासी १ येक दिनारे जनक घर होती जनक
सुतारे कहानी ॥ संकठ में भव संकठ काटयो ॥ धार्यो रूप भवानी ॥
१। काहे कंमरे पाव परत हो हेम तुम कहा डुरानी ॥ दीनानाथ दया
ल कृपानिधि चढसी और तिहानी ३ सोलह सहसहे ली सो हेमां

नौंइघटासी॥घूंघटकापटखोदियाजबकोटिभानपरकासी॥४॥
आतुरहोयरुकमणीबोलीकाटैजमकीफांसी॥पदमस्यामसुख
दायकनायक बरपाऊँअबिनासी॥५॥ दोहा ॥ रुकमाणिपूजअ
बिका, भरमोतियनकोथालामथुरापाऊँसासरो, बरपाऊँगोपाल
॥१॥ रागसोरठठूमरी ॥ भवानीम्हानेनंदनंपरणाथ ॥ टेक ॥
करजोड्यांकंखंबिनतीसुनोअंबिकामाय। तूंकहियेनिभुवनकी
माता बरदीज्योयदुराय॥१॥ माताआतडाहलबरहेरयोसुनज
गदंबामाय। राजाभींवकृष्णबरथरप्यौ आयेकुंदनपुरमांय॥२॥
मोमनबसेसौहितुमजानत बरदेयादवराय॥सुनजगदंबेदेरकरी
जिनजलदीदयाममिलाय। आतिआतुरभइरुकमणीपरीगोदमें
जाय। पदमकेस्वामीकृष्णमिल। वोदेवीमंदिरमाय। रागहोरीता

लदीपचंदी॥ राखौला जगु सायां मेरी राखौ ० टेक ॥ जो रदूल शिशु
पाल आयौ असुर अंबिका धेरी ॥ १ ॥ नेता युग में तम किये अब संग
सखा बहुरी ॥ तुम तो काहियौ बड बिसवासी ॥ साख जहां तहां ते
री ३ अंबा ऊपर मारग जांवां जांवां टाति हारी ४ पदम भगों प्रणम
पाये लागुं जनम जनम की चरी ॥ ५ ॥ रागरे खता ॥ डरी मैं देख के द्वा
नां कहा तुम देर है की न्हौं ॥ टेक ॥ नारद के चवन सच जोई ॥ मिले ब
र अंब का सोई ॥ कहा ये दे भूठे ॥ केलखि अब गुन फिर पृठे ॥ के
डाहल संकम न आई ॥ कहीं परब स परे जाई ॥ भरो सो ये कह भारी ॥
आबे गे बेग बन वारी ॥ अंबिका पूजन आई ॥ देखै न हों नि न यदुराई
अवसर यह फेर नौ पावो ॥ पदम के नाथ अब आवो ॥ ३ ॥ रागरे
खता ॥ दरस बिन बहु त अकलाती ॥ बिरह का बाण जु खाती ॥ टेक ॥

जरदीरंगतनहुवा॥ जपुंतु जनाँ वज्रै सुवा॥ हमारी लाज अब तौ कै
॥ बहुत दुख हारि ह्यो मोकू ॥ १ ॥ सिलाग जगी धते तारे ॥ केसी
कंस को मारे ॥ बयै आइ लाज अप्यारे ॥ देख दल दैत्य के भारे ॥ १ ॥
अब हरि बेग तुम आवौ ॥ मोकू अब दरसा देख लावौ ॥ कहाँ अब जा
यगो मेरो ॥ लजै गो बिरद है तेरो ॥ ३ ॥ भोंवतुम को बताये है ॥ तुम सी
ध्यान लाये है ॥ सुनौ अब बीनती मेरी ॥ रहै मै चरण की चरी ॥ ४ ॥
पदम जन दास है तेरो ॥ रखौ मोय चरण को चरी ॥ बिधा कयै देत हौ
मन कू ॥ मिलौ अब बगरु कमन कू ॥ ५ ॥ राग देसी ॥ माधौ जी आ
यौ राजसरे ॥ टेक ॥ बहु साखिय न बिचरा जकै चारी ॥ बिलखे व
दना फिरे ॥ १ ॥ शठ रुकम दूयो कह्यौ न माने कुडी साख भरे ॥ २ ॥ ज
ल मै राख अगन मै राखी नर सिंघरु पधरे ॥ ३ ॥ बलिराजा के भवन

पधारे वावनरूपकरे ॥४॥ भारतमें भवरी डूँडा घंटा टूट परे ॥५॥
जहँ तहँ भीरपरो भक्तनमें रक्षा आयकरे ॥ ६ ॥ बानों की पताराख
सौवरा रुकमागि अरजकरे ॥ ७ ॥ पदमके स्वामी आननु भावौहि
रदे अगनजरोद्वाराग बिहाग ॥ सौवरी बयँ नलई सुधमेरी ॥ भूँतोच
रणकमलकीचरी ॥ टेक ॥ गज अरु गहलरजल भीतरकाटी जम
कीबेरी ॥ १ ॥ भारतमें भवरी के अंडा गजकी घंटा गौरी ॥ २ ॥ ऐसीच
क कहा प्रभु मोमें असुर अंबिकाधेरी ॥ ३ ॥ दासपदम परकिरपाकी
ज्यौ जनमजनमकीचरी ॥ दोहा ॥ केदबल चढागिर पडूँ देऊँ देह ज
लाया सो सधखँ शिवसामनेम रूँकटारी खाया १ ॥ हूँ अबल अथ सब
लहौ कित गयो मेरी वार बडा बिडवा गो किया प्रगत वेद विस्तार ॥
॥ स्या गैजत बगुहने डूबत सारी देह ॥ सुंदर ही बाहर तन क कियो

जुथांसूनेह॥३॥तो कं पजँ आबिका कृष्णामिलनकेकाज।बायों अ
गफरूकतौ आजमिले बूजराज॥४॥ अबसुधल्यौ सुतनंदका बि
नतीकरूकरजोर।दैत्यदलनरूकमणिमिलनआवा नंदकिशोर
॥५॥ छंद-रूकमणी पटदूरकीन्हों सैन्यसब मुरछत भई। अबदी
नानाथजादवयह अवसरपाऊँ सही॥६॥ रागलावनी तालचौता
लाकरकरूणाबहुताबिलाप ताप देखन लनि औरगगनके। टिक॥
पुनिटेरतकरूणाबचनकानकरूणां निधानसुन मेरी। गजराजगर
ज आतुरपथानज्यं मृगी अहेरिनधेरी। बिरहाकुलकरताबिलापहा
यमहें जनमजनमकीचेरी। दरसनद्यौ दीनदयाल काटितनशंकठ
विकटपडेनी ॥ भेला ॥ हानाथलगी कहैं देरी ॥ बगुंसुरती बिसारी
मेरी॥ संधंदनसमेतखगकेतनिकटप्रगटहरिपतिगोपिनके ॥ कर

रुक्मिणी ० ॥ १ ॥ जब देखे सुंदर दया मसरौ रह नैन मुकुट शिर सौ है ॥
अकुटी विशाल कुंडल कपोल मुख चंद मुनि न मन मोह ॥ बन माल
पीत पटकटिल पेटि उपमा कह सक वि कहै ॥ कुंदन पुरवा सी देख
चकित भये सब को मन लल च्यो है ॥ भेला ॥ रुक्मिणी चरण चित
जा है हरि गुन में मन मोहै ॥ गण गिरा ग्यान गोती त प्रेम सुख कहि
न जायति हा छिन के ॥ कर रुक्म मण ० ॥ २ ॥ बृज मोहन बाल पतंग
उदय लखि खिल गार्द क मल कली सी ॥ भये सकल मन रीथा सिद्ध
अंग जानु चंपक बेलि फली सी ॥ दंपति समीप अति दिव्य दिपति ह्य
ति दमक न घन बिजली सी ॥ हरियथा सुतता द्विस्थ रुक्मनी राजत
कनक कदली सी ॥ भेला ॥ सुख सोभा सी लभली सी चंद चकोर अव
ली सी ॥ कर पकरि अंक भरि थचढायहां के करि वेग पवन के ॥ कर

रुकमण ॥३॥ चहुँ और भयौ अति शोर रुकमणी हरि श्री कृष्ण प
यानै ॥ रुकमइयानि जदल सहित तेज बल साहस सकल जानै
भट बृथा कलषना दंतवक्र शिशु पाल उलू कलुकाने ॥ मगरा किं करौ
रण कहत भये सब निज निज बल अनुमानै ॥ भेला ॥ सब भुजा उठा
इ प्रगठाने ॥ कर धनुष बांण संधानै ॥ हर नारायन कृत हरि चरित्र सुन
त गये गार्व अरि न के ॥ मन रुकमन बहूत बिलाप ॥ ४ ॥ दोहा ॥ द्विष्ट बाँध
कर हरि हुरे, लखे नहीं नर नार पै ॥ जब बंधावण भगत की, लिये मन जु
अनतार ॥ १ ॥ राग बरवौ ॥ मुकुट की भाई परी ॥ अंबिका के मंदिर माह
टेक ॥ धाये हर जी बिगप धारो ॥ इच्छा फल दातार १ पूज अंबिका बा
हर निकसी सीतल नजर निहार ॥ २ ॥ अचरे कापट दूर किया ज
बहुष्ट गये सब हार ॥ ३ ॥ रथ चढिया यादव पति आया हुवा जै जै कार

रुक्मण ० ॥ १ ॥ जब देखे सुंदर श्याम सरौ रह नैन मुकुट शिर सो है ॥
अकुटी बिशाल कुंडल कपोल मुख चंद मुनि न मन मोह ॥ मन माल
पीत पटकटिल पीटि उपमा कह सक विको है ॥ कुंदन पुरवा सी देव
च कित भये सब को मन लल च्यो है ॥ भ्रूल ॥ रुक्मणी चरण चित
जो है हरि गुन में मन मोह ॥ गुण गिरा ग्यान गोती त प्रेम सुख कहि
न जायति हा छिन के ॥ कर रुक्मण ० ॥ २ ॥ बृज मोहि न बाल पतंग
उदय लखि खिल गर्द क मल कली सी ॥ भये सकल मनोरथा सिद्ध
अंग जनु चंपक बेलि फली सी ॥ दंपति समीप अति दिव्य दिपति ह्यु
ति दमक न घन बिजली सी ॥ हरि यथा सुत ताद्रि स्थ रुक्मणी राजत
कनक कदली सी ॥ भ्रूल ॥ सुख सोभा सी लभली सी चंद चकोर अव
ली सी ॥ कर पकरि अंक भरि रथ चढाय हां के करि वेग पवन के ॥ कर

रुकमण ॥३॥ चहुँओरभयौअतिशोररुकमणीहारिश्रीकृष्णप
यानै॥रुकमइयानिजदलसहिततेजबलसाहससकललजानै॥
भटबृथाकलषनादंतवक्रशिशुपालउलूकलूकानै॥मगराकिंकिरी
रणकहतभयेसबानिजनिजबलअनुमानै॥भेला॥सबभुजाउठा
इप्रणठानै॥करधनुषबांगसंधानै॥हरनारायनकृतहरिचरित्रसुन
तगयेगर्वअरिन्कोमनरुकमसनबहुतबिलापा॥४॥ द्रोह॥ द्रिष्टबाँध
करहरिदुरे, लखेनहींनरनारापैजबैधावणभगतकी, लियेमनुज
अवतार॥ १॥ रागबरवौ॥ मुकुटकीभाईपरीअंबिकाकेमंदिरमाह
टेक॥ धायेहरजीबेगपधारे॥ इच्छाफलदातार १ पूजआंबिकाबा
हरनिकसी सीतलनजरनिहार॥२॥ अचरेकापटदूरकियाज
बहुष्टगयेसबहारा॥ ३॥ रथचढियायादवपतिआयाहुवाजैजैकार

॥४॥ रथेत्यादबजबहारिउतरे लंबीभुजापसार ॥५॥ भुजापकर
केलईरुकमणीलीबिमानबैठारारुकमणिहारिकादरसगकीन्हां
मुक्तीफलदातार ॥७॥ दासपदमबिनतीकरविनवे दानौकरौसं
घार ॥८॥ दोहा ॥ रथबैठाश्रीकृष्णजी, अरजुनसेरथवान ॥ भक्त
सायकेकारणें, आयेंश्रीभगवान ॥ १ ॥ रागमारु ॥ इतनीसुनरथ
आयौप्रभुजीको देखतसेनासारी ॥ अंबिकाकीपौरखडीसबस
खियां निरखतहैंसेमुरारी ॥ १ ॥ करगहरुकमणिरथबैठाईसेना
सबमुरभाई ॥ हाहाकरतसकलभिडभांगे नेकजनरनहिंआई ॥
॥२॥ फौडिभूंडखडीसबसेना आपसलेतलवारा ॥ रुकमणदलके
बीचउठाईअंबिकाकेदरबारा ॥ ३ ॥ चाकितभयेरहैभिडरौवतक
होअबवयाकीजो ॥ मुखअबकहादिखावैउनकोआपघातसबकी

जै॥४॥प्रणराखणभीषमकेकारणआयेकृष्णमुरारी॥पदमभगो
सखियनकोरुकमणयहसमाचारउचारी॥३॥दोहा॥रथचढती
रुकमणि कहै, सुगुणसखिम्हारीबाताजायकहैबिंधुमातनैरुकम
णि कृष्णलेजात१ रागधनाश्री॥कहियोसखिमाताजीसेजाय।
टेक॥जायकहैबिंधुमातसेजील्यावोदैत्यचढाय॥रथबैठाईरुक
मणीसेनापरीमुरभाया१।दौडसखियांरुकमणतणीजीसगले
खबरकराय॥रुकमणीहरलेगयादासपदमबलिजाय ॥२॥
॥दोहा॥नरनारीसबहकिहदैरसार्दयोनंदलाल॥दैत्यदलनरु
कमणिमितलनलेगयेश्रिगोपाल॥१॥पांचक्षोहणदलभाग
केगयेडरंकेमाया॥हरीरुकमणीगवालने, अबकोइकरौडयाय॥
॥२॥रागधनाश्री॥दौडोदौडोरैगवाल्योलिएजायरे॥टेक॥

रावजरासिंध्याऔरद्वंतावरसन्मग्नकेलोआय १ रुक्मकैवरऐसे
 उठबोल्यौकुलकोधरमघटाय २ रुक्मभगिनिभभुरथबैठारिभीष
 ममनहरलाया ३। पदमभगोंप्रणामेंपायेलागुंलेगायेयाद्वराय ॥
 ४॥ दोहा। सुनौकैवरमंजीकहै, रुक्मभगालेगाथौगवाला। निधेकंगरा
 डाहलरह्यौ, होसीकौनहबाल ॥ १ ॥ रागजंगलो ॥ लेगाथौरुक्म
 णीहरिके। सांवरियौजादूकरके ॥ टेक ॥ सुनशिखापालोअतिव्या
 कुलभयौउठगईचितमैंसबके ॥ १ ॥ जरासिंधसेजोधाचढिया
 धनुषबानकरधरके ॥ २ ॥ काल्यौगवालभागनहिंजावैलावोबेग
 पकरके ॥ ३ ॥ बडेबडेरानजनशिरपगधरलेगाथोरपटभपटके ४ पद
 मभगोंप्रणामेंपायेलागुंवारबारयदुवरके ५। दोहा। लछमीपतल
 छमीलई, देवीतणेदिवाण ॥ खबरभईशिशुपालने, हुईपिलाण

पिलांण १ ढोलमामाबाजिया, कसनेलागाबाणा।सूरारलीवैधा
वणां, कायरतंजेपिरांण।२।भालरबाज्यांहरिभगतारिणबाज्यां
रजपूत।इतनीसुणनहिंउठचले, आठौंगांठकपूत।३।गलियारां
बांकाफिरे, गेंदढालकायढल।जबरणबाजैलोहरांसूरबीरहरखा
या॥४॥सूरारांधरसिखरहै, बाजेअनहदतूर॥ सारबहंतापराखिये
बहकायरबहसूर।औररागसबरागणीं, सिंधुडोलसुलतानासिं
धुडाजनेअलापिये, घुडलांपडेपलाण॥६॥ अथफौजकीचढाई
दाहाधीरौरहरैगवालिया, थारीआयुपहूँचीआय।महीनहीगो
कुलतणौ, चोरचोरकरखाय॥१॥ रागमारू॥ बालपनाकोबा
ननभूलौ चोरचोरदधिखातौ॥यातौकिसीकुंजकीगोपी बौहप
कडलैजातौ॥१॥ धूजीधराशेषदलकंभ्यौ चहुँदिसमाच्योचा

लौ॥ माथे हीं सपडौ निसाणां चढ्यौरावशिष्टुपालौ ॥ २॥ सेनाच
ढी देख दूल्हाने राव परे वाबोजो ॥ सेवगच्छतां स्यामकयं भालेयुं दूता
धरबोलो ॥ ३॥ दलभंजनराजा यो बोलै इसी बात काइ मारी ॥ माख
न चोरता होके ऊपरथे काइं करौ सवारी ॥ ४॥ देखौ हाथ खडा भर
दौ काग्हें भारतें मेजावां ॥ रुकमणि सहित पकड भिडवा ल्यौ आन
नजर गुदरावां ॥ ५॥ लोचन रगत धूमकर चढियाहु आबागुटंका
रा ॥ नेजा फरेक मूभयकं पेदर स्याकादवारा ॥ ६॥ औं भड भडौ
सिंधु थर हरिया भयन वखंडे जाणी ॥ उकली कला अगन बजऊ
ठीर विताईरामाणी ॥ ७॥ फौजां सिरफौ जको लाडौ पाखर से
लसमावै ॥ बीडा द्यौदल नाथ कराजा यादव जाणन पावै ॥ ८॥
दाना लिख भेजे हलधरको बिंदामती होय जाज्यौ ॥ यौ अवसर

भागनकोनहींसनमुखयधमेंआज्यौ ॥ ९ ॥ लखसंधानी
अरजुनबोलैमैतोसिलेसवारी ॥ थेदलनायकआगेआवोम्हारि
सभीतयारी ॥ १० ॥ सेनापतिकेसौपेआयेबीडाद्यौबनवारी
सनमुखहोयकरमस्तकमेल्यौक्यामरजीहैथारी ॥ १ ॥ केशौ
रावकहैदेवनतेअवकीबेरतुहमारी ॥ सारसंभावौजुधमेंजावौ
होसीफतौतिहारी ॥ १२ ॥ बाजतधौसामानौधनगाजेसीवकरणा
यैछूटा ॥ सहसअठासीरिख्यांतणांदलनेमनाथरेपूठा ॥ १३ ॥
बावेनेमनाथदलसोहैदाहनेलखसंधाणीछुपनकोटियादवले
लारेहलधरजीअगवाणी १४ बिधिविधतणांअरावाछूटेहुईमा
डकीधाणी ॥ रोसभन्यादानवऔलरियामचीरावघमसाणी
॥ १५ ॥ आभचंदसूरजनहिंसूभेनिसबासरगमनाहीं ॥ देवदलां

दानवऔलरियामहामलनकीनाहीं १६ ओलाज्योगोलाऔ
लरियामारपडीदलहस्तां॥नायकमंड्यारवडाहलकाहौदाकर
दियाचस्तां॥१७॥ फरचटघगींतीरऔलरियासेलगदागुपता
नी॥चक्रबांधकरणभूमीमेंपरतकलडेभवानी ॥१८॥ औभड
रूपभडापडभाची अगनीबानसैपाडे ॥ धूजीधराधमाधममा
ची मैडियामल्लअखाडे॥१९॥ सरसलडेसंग्रामसूरवांडाहलका
अभिमानी॥छलकायुद्धलडेमहमंताचक्रबहैअसमानी॥२०॥
बेटोदग्गमघोपराजाकोकुम्भकरणज्योऊठ्यो।भणोपदमदेवांके
बाणांजैसेबरखानूठ्यो॥ २१॥ दोहा ॥ चौकदिसादलबधिया
बाजेशंखसमाज॥ देवांदलसिंधूहुवा, मानौइंद्रअवाज ॥ १ ॥
॥ रागमारु। । इंद्रअवाजगगनरजलागी छिपगयेचंद्रभाणां

लंकालोटारामदललागेवहदलबहसुननाणां॥१॥रामचंद्रअव
तारकृष्णहैलछमणहैबलराजा॥किष्किधकेसोपंडवाकेबाजैनो
बतबाजा॥२॥धीरजनांयधरेमहमंताजादूमस्तुलजठाडे॥सतरे
वारकावदलामाँगा अवकेधरांखाडे ॥३॥ चढसंगरामसताबी
आयास्यामतगांदलकेवा॥दंतरायदानानलदानालियासांक
डेदेवा॥४॥जबकिलकारउठचौबनवारिश्यामसुधारणकाजा॥
अरजुनआनचौहटेधेन्योदंतधराकेराजा॥५॥गदाचक्रनिशूल
चमकै खडगांतीरकबाणी ॥ रोदरहुवाराकसांबीधा सिंगरू
पयंजाणी॥६॥कालकंठहोयकालाचमकयासरसायलभयमा
नी॥देवचढयाधौलागिरकंप्यासंकयाडाहलअानी॥७॥सुरदल
चढयाअसुरदलकंप्यासांवतसूरसभेल॥अरजनकहैदिलीपत

राजाकरोडाहलामेला ॥ ८ ॥ नौहेनाथचौरासीसिद्धाकालेबाणा
समहाले ॥ हलधरजीहथियारसमावे हलमूसलकरआले ॥ ९ ॥
छोहणयेकयेकहलमाहीहलधरजीसंहारे ॥ दानाआयपड्याध
रणीपरराणीबचनाचितारे १० धौकलधस्याभीवभारतममंडग
याहात्यांमाही ॥ मोडिसंडबधावैहाथीयुद्धमँडयौरविताई ॥ ११ ॥
लखसंधाणीअरजनजोडिबांणांतणांचपेटा विछडगयाडाहल
महमंतासूरकिरणकीकेटा ॥ १२ ॥ सहसअठासीरिष्यांतणांदल
मच्याबांणधमसाणां ॥ हौदाआयपन्याडाहलका नेमनाथर
बांणां ॥ १३ ॥ फौजांसिरेफौजकोलाडौ पाखरसिलेसैवारी ॥
राजाजुंरूपन्यौधरणीमंदंतधराणभारी ॥ १४ ॥ राजापडियार
णथैभवाज्याफतेजादवांपाई ॥ हाथेखप्परत्रिसूललियांकरखेत

जोगरया आई ॥ १५ ॥ जोधा मिल्यारावडाहलका आयु फेरू भा
लौ ॥ यो अवसर जीतण को नाहीं चंदेरी ने चालौ ॥ १६ ॥ हा न्या फिरे
रावडाहलिया जीत्या है बजबासी ॥ कह पदम इयोहारडाहलकी
हुई जगत में हांसी ॥ १७ ॥ दोहा ॥ खबरहुई शिशुपालने, दंताघर
पडसाथ ॥ छोहण पांचू खपगई, खेतयादवां हाथ ॥ १ ॥ बंधूमर
तां बिगडगई सबी जानकी बहार ॥ मेलचल्यो कुंदनपुरी, भाभी
को सिणगारा ॥ १ ॥ दोहा ॥ रोसभ न्यो शिशुपालजी, लाचनलाल
गुलाल ॥ बेरबहौ डूंदतरी, तौराजा शिशपाल ॥ १ ॥ दारूदेवाकर
रह्यो, भुजापटके दूत ॥ चुंगचुगमां रूखादवां, दम्भघोषरोपुत
॥ २ ॥ केमरबो कहमारवो, मरवौये कणवार ॥ मेलचल्या कुंदनपुरी
भाभी तणों सिगारा ॥ ३ ॥ बंधूपढतां जानकी, उतरगई सब बहार ॥

माभीहंदाबोलगानिकलकलेजापार४ हांसीहुईतिहुँलोकमे
श्रवणासुनीडाहालसैननतेंबिनतीकरधृक् धृक् धृक् शिशुपाल
॥५॥ रागमारुधृक् धृक् धृक् शिशुपालडाहलाभुठानांणसंभवे
भजापटकऊठ्योभिडदानौफूल्योअंगनमावे ॥ १ ॥ हाथेनैबा
थेबलवंतौसिंहजांणदधकारी ॥ मारमारकरतौअभिमानीसा
रसारकरडारी ॥२॥ देखोआजकेहडीकरहुँबरदंतरोसारुँ ॥ क
णकणदलकरहुँभिडवाल्यसायरलगसंघारुँ ॥३॥ पेटीसांघत
नकरधसियाआयलगयाजमदाना ॥ औभडपड्याथाटधाडा
जौणहुवाकेकाणां ॥४॥ जबधैसपेडजंगकेमार्हीदारुंधीकचि
काना ॥ लूडतडकतातौ हुयटूटौछटाकेहरिजाना ॥५॥ कलक
लहुईकालदलचढियाधूमकोटचौफेरां ॥ तातातुरीकुदावतचा

ल्याआणदियाजमघेरा ॥६॥ ढलकेढालफरकेनेजापूरवकीप
तस्याई॥ छोहणतीसजलंधरबगतनखचखसेजिडिआई॥७॥
छूटेबांणउछूटेदारूधूमकोटदरवाजापेलदियारिखकेदलऊपर
कालकंधराजा ॥८॥ छत्र्यांतणींखोहणचढजानेहुवाजबर
घमस्याना ॥ सैन्याचढीलाखजंभीरांमदपेल्यामस्ताना॥९॥
चकदललपटचपटचहुआंरारंरुक्कयांपंथचहुँकेरादेवीमासुलेक
रभागौअबपडजासीबेरा ॥१०॥ भारतभावभेदसूँकीज्यादाने
बुद्धिसिखाई ॥ छलकरजायभाजभिडवाल्यांयोक्कलाजनका
ई ॥११॥ सतरवारभागगयोआगेयाकीकौनबडाई ॥ अबकेक
रूकालसेमेलानिकलजायगुमराई॥१२॥ हलहलकराशिगुपा
लौहाल्यौठेलदियाभिडदानौ॥ कूदपडयोदेवांकेऊपरबागछोड

मरदानौ ॥ ३ ॥ हाथी ठेल दिया भारत में मेली अंबावाडी ॥ तार्के
माहिं छत्र पतिराजा सूरज किरण संधारी ॥ ४ ॥ जबराना जोरा
वरक पटी कपटी काल दंताला ॥ अरजुन भी वतणी दल देखा द्यौ
बीडा शिशु पाला ॥ ५ ॥ राजपूत जमराजा बोले हम पेजमर्की फां
सी ॥ छप्पन कोटने अचवन करल्यां तौ मेरानौ वनिकासी ॥ ६ ॥
नर अंतरदवामे अंतर रगत पीवती हारी ॥ मुरड चल्या हल धरके
ऊपर शवण को अवतारी १ ७ ॥ कुण है कृष्ण कौन है हल धरको है पां
डवराजा ॥ मोहरे आनमिल्या डाहल केहतना पुरकाराजा ॥ १८
हमहीं कृष्ण हमहीं हल धर है हमहीं के सौराजा ॥ तुम तौ मौड़ बंधे
फिर जावौ हमहतना पुराजा १९ चीकर भागि डालि गया तो मर
टूटी बीच ठिकाणी ॥ फरसी जाय खती धरनी में वे पांडव परवाणी ॥

॥२०॥ घूकसिंधस्याधरणबीधूजीशिवशंकरभयमाना ॥ भक्तिग
योवाणां अतीपतीसौधनुषमाहिंभरमाना ॥२१॥ अरजुनबाण
गदाभीसमर्कदायनआयोरानौ ॥ फरसीजायखतीकुंजरकेभा
गगयौमुडुदानौ ॥२२॥ फिरतौफिरेदिवाणेंआयौबलहंतौशिहु
पालौ ॥ दुसैंदसराजाचढिआवौनहींजुधधकोटालौ ॥२३॥ बाजे
नादभुजाफरकंतीजालमधनुषचढायौ ॥ कानकानकरतौशिहु
पालौदवतणेंदलआयो ॥२४॥ लछमणसेसवेसअवतारीआवक
कहंतौआयौ ॥ हलमूसललेकरधधकान्योसूतौसिंधजगार्यौ ॥
॥२५॥ सिंधरूपहालेनाचालेभरभादौज्यैबाणां ॥ मुरडुचंबल्यौहु
सासनसूधौनेमनाथनिस्साणां ॥२६॥ भलमलमचीअगनभ
लपाटेनेमानाथदलमार्हींतबहींइंद्रशबलेपहुंचेलेतौकालउठा

हैं ॥ २७ ॥ धृज्जीधरा अंवर अरदौ नै पाखर वांगकु मेरा ॥ बगतर पहर
मैं डूँयै शिशुपालौ लागी लाय सु मेरा ॥ २८ ॥ जभर ह्यादो नौ दल मा
हैं वाचवणै राघाले ॥ सवल ते गा शिशुपाल वली की नाथ बिना कुं
भाले ॥ २९ ॥ शंकाहुई देवदल माहीं पार ब्रह्म परचायौ ॥ सुरगुरु
भीर परीज बसिख में परम धाम से आयौ ॥ ३० ॥ सुरगुरु कह देवनकुं
ध्यावौ और उपाय न कोई लंक बंध करी ते ती सो दानव है योई ॥ ३१ ॥
सर्व देव अस्तु ती करत हैं स्याम हि दश्याम पुकारो ॥ धनुष धरिक रु
गा निधि ऊठ्यौ पद मतणौ आधारो ॥ ३२ ॥ दोहा ॥ बुद्ध भगणें वृस्प
तिगुरु मौ सिर मोटा डाव । तीनों भगडा भाल सीरिख पांडव बल
राव ॥ १ ॥ भौव भणें कुंती सुता यौ दल देसां मौड ॥ पीठ दिखावां स्या
म नै आगे मोठी खोड ॥ २ ॥ सार संभावौ सुरवां घणा साथां बोहोठ

ठै॥दावानलशिशापालपैवहपांडवगहगठ्ठा३।पांडवदलसिंधू।
हुवासाकांवेरदभदेस॥छरालगतहैपांडुनेदिल्लीदीपनरेस॥४
हुवभंजनभयभंजना बृहस्पतिकहेबनाय॥दानवदेवभिडाय
कैसूतौलंकलगाय॥५॥ रागसारू ॥ सारंगधनुषसाजिबन
माली मुरनरसबैबुलाया॥पाटपीतपरतिज्ञापूरण हैसिहैंसि
कंठलंगाया॥१।चिंतातजौदेवदलनायकधवलछत्रशिरधारू॥
केवलकंधकरू असुरांकाभूकोभारउतारू॥२॥ तडभडहुईतंत
कावाज्यानेमनाथदलमाहौ॥हलधारजायभिडौअसुरांसे प
छेकरौलाकाई॥३॥बाजेशंखधुरेरणभिंगा॥रिख्यातगांदलकं
प्या॥नौबतबाजरहीनोनानाथांस्यामदललेवरसंप्या॥४॥रिखपर
रीगिरेहेबनवारीआदरकरेलीन्हैअपनेकरकावाणकृष्णजी

नमनाथनेदीन्हा ॥५॥ माभीगाजरह्याभारतमें अरजुनभीवभ
लाईवहपांडवहस्तिनापुरवालापहुँच्याहात्यांमाही दहोदाहा
किलियाहात्यांकासैन्यचढीमतवारी॥ जिणबेलापांडुराजानेबी
डादेवनवारी ७मिसलतइसीकरासिरदारंसबहीसारसंभाया ॥
दत्तसूभयांतेंऊधाकरद्यांतोकुंतीकाजाया॥ दापांडवदलचाढिया
महंमंताअरजुनभींवउपाया ॥ कूदच्यालंकामेंजैसे कपिकिस
किंधावाला ॥ ९ ॥ कारजआजस्याममुखआगे कहेंभीवमह
मंता॥ बीडाभालदिल्लीपतचाल्या ज्यूलंकामेंहनुमंता ॥ १० ॥
बिकरालीकोपीवलवतीचारभुजामुकलाती॥ बावनभैरूचौस
सठजोगणीफिरअसुरदलखाती १ ॥ द्रोहा॥ गिरीसिखाजलऊ
भल्या छिपगयाचंदरुसुर॥ मानोंगोवरधनऊपरइंद्रचढ्याअक

रुर ॥ १ ॥ रागमाला इंद्रचढ्या अकरूरस्यामदलनवगहनौबत
खाना ॥ कहबलदेवउधारकिसी ज्यो किलकारेहनुमाना ॥ १ ॥
कौसअसीमार्हियादवदलगजकरमोगरठाटौ । मुरडचल्यामे
लाहोयजानी ऊजडगिणनबाटौ ॥ २ ॥ अपरमपारसाथसुथरा
बिबलदाहकेवाना ॥ हिंडतहार्थिदलकेसाथेभारतदेबरुदाना ॥ ३ ॥
सुरदलचढ्या असुरदलकंप्या भुकिगयादेवदेवाना ॥ बारहक्षौ
हणलेबलभद्र यादवहुवारवाना ॥ ४ ॥ बरसैलोहसारघनट्टे
मुगदरमुसलपेले ॥ आपैखायपडेमुरछागत हलकीत्रासनकेले
॥ ५ ॥ पटकेखौन आंगलीखूनी सैनदईपलकारी ॥ हौंदेजायखली
डाहलकेकेशौतणीकटारीदुअपटीकरेगणेसाधमसंगलमारमु
केरे ॥ बलकरछत्रसीसंततोडेमहिकरफरसीकेरे ॥ ७ ॥ अर

जुनहाथसाथरासुथरा डाहलरूपसंमानायेकबाणातारवांदल
सार्थपडतादीखेदानाद दातामाहिचढगयायादवरगताकीचड
मातौवरषेबाणभेघकीनाईदिनसहेगइरातौ९लपटभपटहुवा
सवजुभेमेहुवाबासकाताई ॥तिरताफिरेछत्रलोहूमेंज्यौनौका
जलमाहीं१०गजशिरबरषेसेलकदारीनौनेजातहवाणो॥फूटी
पालभेलमरजादा मानसरोवरजाणी ॥११॥भेलदियोजसुरा
दलमातौनटवरभेषगवाल्या ॥ लसकरलूटिलियौडाहलको
गोकुलकोभिडवाल्या॥१२॥कुंजरपड्यालाखनबदूणागमनां
हैंकैकाया ॥ देसदेसराजाकैदेखतपड्यारह्यानिसायां ॥१३॥
कहताघणीसरीनहिंएकौशिरधूणेशिशुपालौ॥लाडीगईलाज
बीलेगईमूडैकणइकालौ १४ वहमसलामीमाकाआवैखोय

दइलाजबडार्ईमेलचल्याकुंदनपुरआगेदंतरायसामाई १५५
गहोयशिशुपालौभाग्योकिसीकपरयांप्यारीमेलचल्योशि
शुपालपाघडी दम्भघोषराजारी॥ १६॥ हलधर कहै सर्वदेवनसेवे
गकरौअसवारी ॥ उलटाबोहडअखाडैलयाओफेरकरांगामारी॥
१७॥ अरजुननेमनाथहलधरसे कहैसिरीपतराजा ॥ भागाला
रघावनहिंघालांछैआपानेलाजां॥ १८॥ नेजाछांडगयाकरकंता
नौबतसहताबाजा ॥ पदमभरणेभारतमेंभागोचंदेरीकोराजा ॥
१९॥ दोहा॥ सुगुणभाग्योशिशुपालने तनमनलागीलाय॥ जरा
सिंधअजरायलौ माररह्योबिलखाय ॥ १ ॥ धरअंबरधूजान
हौतडभडहुवानदेव॥ जरासिंधऊभाथकांकाहाजीत्योबिलदेव
॥ २॥ रागमारु ॥ कहाजीत्योबलदेवखडारह सिंधपहुँच्याआ

ईदंतारायसोमौकोजागीकहेजरसिंधराई १ फिरगईफेसमुद्रा
ताईबाज्याअनहदबाजा ॥ लौमैबैरकंसकोमांगूयेकपंथदीयका
जा ॥ २ ॥ होयतडाभडसैन्याउमडी कालजमनदरसाया ॥ दाना
तेगभटापटऊठे धरअंबरथराया ॥ ३ ॥ जमकेरूपजरासिंध
आयोनेजाधजाचढाई ॥ खड्गनिशूलभडकैमाला जयंदासन
दानमाहीं ४ नारदनाचिरह्यामंडलमें ख्यालरच्यौधारजागी ॥
दलमेंजनराजाजबआयो साकौभयोदिवागी ॥ ५ ॥ कायाचजर
बजरकेहार्थीबजरबाणदलजोई ॥ जरासिंधराजाकेआकेसनमु
खबलीनमंडेकोईदकलहदानकुंदनपूरहूवाबाजरह्यारणातुरा ॥
थंभगयारथसूरजाराजका देखतमासासूरा ॥ ७ ॥ चहुँदिशिचक्रब
हदानवकावाजेअनहदबाजा ॥ मानौजलंधरशंकरजैसोमैंडिया

महासमाजा ॥ ८ ॥ धूर्जधरागगनवीधुजे शेषनागथराया ॥
मानौकुम्भकरणलंकासोइणअवसरचढिआया ९ जबदेवांका
हिरदाकंप्याधनुषबाणलेनार्हीदेवांदलानवांजभोजुरारली
तामाहीं ॥ १० ॥ लांबीमुजासहसरधुवरकीबाकीशरणविचारौ ॥
पदसभणेंप्रणमंपायेलांगंध्यानचतुरजधारौ ॥ ११ ॥ दोहा ॥
गुधमैंबाजाबाजिया जरापहूंचीआय ॥ केताकजोधगिटगई
किंताकमुखकेमांय ॥ १२ ॥ रागमारू ॥ बीसजोजनमैंपांवजुराकी
इसजोजनमैंहातौ ॥ पांचजोजनमैंसासभणीजे दोयजोजन
मैंढांतौ ॥ १३ ॥ नेमनाथराहलकाभलकाजाकेसन्मुखधाई ॥
भाजपड्यासवमूढाअगिराड्डाकणींआई ॥ १४ ॥ गौरीसहितस
दाशिवभागाभाग्यायाद्वराई ॥ सुरतेतीसोंरणभाग्याजुरापहू

तो आर्द्र ॥ ४ ॥ रणा संग्राम के दैन हिं हार का कर्त्तन हार खांडे ॥ दाना
सौ ह भय ध कर जी । त्याग मार्या मौ डी रांडे ॥ ५ ॥ हरि हल धर ने हु क
मी क यो है जु रा व्या धि ने मारो ॥ आ ते थारौ डा व न आ वै दू री दे ह ब
घारौ ॥ ६ ॥ हल धर ले हल मु सल चाल्यो जु रा सा म ने आ र्द्र ॥ हल ते
व्या ध अ फूटी फेरी मु सल शिर ठ ह का र्द्र ॥ ७ ॥ जुरा मार मृत्यु मंडल
गेरी सुरां पुष्प वर सा र्द्र ॥ कृष्ण कै वर दु ल हा के ऊपर दा स पद म बालि
जार्द्र ॥ ८ ॥ दो हा दे वां रा द ल ज म सु ता हरि जन मा ने री स ॥ भी र च
ढ्यो बल दे व की गरु ड चढ्यो ज ग दी स ॥ ९ ॥ रा ग मा ह ॥ गरु ड च
ढ्यो ज ग दी स धनुष धर चंद्र बांण कर धारी द स म स्त क बी सो भुज
भंजन रा म रूप बालि हारी १ छप्पन कोटि या द व चलि आ या बडा
छत्र की छाया ॥ शरण शरण ते ती सो ला खां च रणा शी स न वा या ॥

॥२॥ ब्रह्मां सुत नारदयुं बोले अरजहमारीली जै ॥ जिंणवरतेदानां
येजीत्यासौबरह्मां नेंदी जै ॥३॥ सनमुखहुवाजगतपतिनायकव
रेदेवां नेंदी न्हं ॥ संकटसंज्यै सहै यहरिकी न्हं ॥ जुराजौरहरली न्हं ॥
४ सुरतेतीसहुवादलनायक सैन्यां सबचढि आई ॥ इततेदलदेवन
कान्चढियाउतेंजुरासिंधराई ॥ पू। उलकापातअगनजबऊठीमार
अठारैधूजे ॥ अष्टकुलीकानायकचाल्या चंदसूरजनहिंसूको ॥६॥
अष्टसिद्धअरुन्नविनिधिराणीं कुलीनागनवन्याराच्या खंभेंदादि
रगपालां सुं आनपड्याशिरभारा ॥ उपाटपती दोनूंदलभिलिया
रोकिलियारेनि सांण्यां ॥ लंकाकोटराभदललागावहदलवेहीबा
णां ॥ दाहस्तिनापुरकाराजाबोले सुगवसुदेवकुंमारा ॥ भाग्यादू
रद्वारिकानगरी कोज्येकौणाबिचारा ॥ ९ ॥ मिसलतहुईदेवदलभां

ह्रीं सुरनरमुनिसब आया । सिंह रूपदानां केसनमुख अरजुनभी
बखिनाया ॥ १० ॥ बांकी अणीबंकफौजा कीनेमनाथ भेलौ ॥
हलधर कहै हुकम केसौ का रियां तणां हलपेलौ ॥ ११ ॥ धरमपुत्र
राजा यूँ बौल्यौ धरम मिं डगया साका ॥ पहलै चो ट अरजुन सो भि
डिया किया जादवां हांका ॥ १२ ॥ अरजुन बाँण रुगदा भावकी चूर
किया दयौ धा ॥ गेर दिया हसत्यां ऊपर से जरा सिंघका जो धा ॥
॥ १३ ॥ आयुध वणां हाथ नहिं चालि नेमनाथ दल जो डा ॥ घोडा ऊठ
रथा हात्यां काटू किया ये कठौ डा ॥ १४ ॥ हाथी पेल दिया भराथ मे
फौजां चढहंकारी ॥ हलमूसलदानां परटूटे महा प्रलै कडगरी ॥ १५ ॥
सुरपति राव बजरबं बाडे मानौ बीज चमक्को शिर बराह पाताल शेष
केमाथे जाय ठमक्के ॥ १६ ॥ औलाज्यै गोला औल रिया मार पडी

दलहाली। नायक पड्यारा वडाहल काहौ दाकर दिया खाली १७
गौरी सुत बिन्नायकरा जा शिव का वज्र संभावे ॥ रापटरोल करे सु
डालौ पकडै सुँड घुमावे ॥ १८ ॥ गुपती चक्र चलेना थांका कोइ गु
पत कोइ छाने ॥ कैलाशी शंकर का गणपत कह्यो न किह कोमाने ॥
१९ नारद मुनी गरुड ब्रह्मा का काल बाण इमि धारे। मानौ हनुमान
लंका को चहुँ ओर सुँजारि ॥ २० ॥ चहुँ दिशि चक्र बहे चंडी कालूग
डियौ अगवाणी ॥ बांध्या चक्र यूँ सैन्या ऊपर नगर को टकी राणी ॥
२१ ॥ किले के कोप करे बलवंती बावन चौ सल न्यारा ॥ बिकराली
दाना दल वेगी आन परीजम द्वारा २२ टूट छत्र बगतरां फूट ध्वजा
सबे दल आई ॥ ससतर सबे बहे चो धारा पडि नो पतावाई २३ ॥ भट
काहो यवत कत न टूट टूटे पाखर घोडा ॥ लट पट सी सपरै दानां काग

राहुवायेकठोरा २४ खेतारगतबहेदानांको नदीभादवमाहीं ॥
 जोजनसातपांचभडपडिया गलगोटागलवाहीं २५ हातीहस
 तारह्याधवलहरऔरसावनींसाजाचोटीआनैदकुंदनपुरदशुदि
 साकेराजा ॥ २६ ॥ आग्निबौणावमचक्रांचालेछूटयंत्रहवाई ॥ हा
 तांखप्परनिशूललियाशिवरिणामेंजोगणआई २७ खेचरिभू
 चारिऔरशंखगिंगिरजसवेचढधार्इ । त्रैगुण्युगाशोशसदाशिव
 शंकररुंडमालढलकाई ॥ २८ ॥ लोटपडेतडातडऊठेरोकलियार
 उथाणों ॥ सतरेलाखसखतपाखरियाखालीहुनापिलाणों ॥ २९ ॥
 बावनभूपधजाबंधराजा सैन्याकीगमनाहीं ॥ लाखांपतीकिरो
 डाहार्थी जायपडाजंगमाहीं ॥ ३० ॥ घरेहांराहासीजगमाहीं
 बातच्यारजुगचालीग्यारहलाखपालखीडाहलकीहुईखेतमें

खाली ॥३१॥ भागचला चलहुईचंदेरी घणीं रथां कार्बिता ॥ सा
तलाखतौरथघौडां काहुवाखेत मैराती ॥३२॥ तोबात्राहमची डा
हलके पाडियघायल कं पै ॥ मांगेनी रबोकन हिंमंडे मुखसू बैगन जं
पै ॥३३॥ भूमै पड्यारावडा हलका कायरयुं बतलाया ॥ छटी रा
त काले खटलेना दाणा पाणी ल्याया ३४॥ कोटउपाय करी बलवंता
पेच एकनां डाग्यो ॥ चंद्रबाण के सौ कर देख्यो जुरा सिंधवी भाग्यो
३५॥ भली भांतकी जानख पाई भूपमराया सारा ॥ रावजुरा सिंध
जबही भगचाल्या ऊंधा पड्यानगारा ३६॥ जहां तहां जादवारा जा
काबाजे नौ बतवाजा ॥ पदम भरणे तिहुं लोकामाहीं शंखपचायण
बाजा ॥३७॥ दोहा ॥ शंखपचायण बाचतां राजा धणौ उछारा ॥
पतराखी महराजनै असुरां कियो संधारा ॥३८॥ रागमाला असुरां

कियासंहारस्यामदलजील्या॥ त्रिभुवनराई ॥ आगगयाशिशुपा
लजुरासिंध खबरकैवरपैआई ॥ १ ॥ कोप्योकैवरभींवराजाको स
बही भूपबुलाया ॥ चौपरकरौबेगचढवाकी जुधसामानभराया
॥ २ ॥ मिसलतहुईकैवरद्वारामंत्रीकरेबिचारा ॥ पारब्रह्मसौजी
तांनाहीं धीरजभलीकैवारा ॥ २ ॥ कवकोभूपभयोभिडवाल्यो
नदमहरकोपाल्यौ ॥ बाणविद्याकबहूतेंसीख्योगायांतणोंगवा
ल्यौ ॥ ४ ॥ भागौकालजमनकेआगे जलमेंजायबासायौ ॥ ला
जनमरसरमनायाके फेरबिवाहनआयौ ॥ ५ ॥ सरभयोशिशुपा
लभागतांहमतेमांड्योपालो ॥ रुकमैकवरकोनामसुगुंतांमिटै
जायकालअकालौ ॥ ६ ॥ राजभेदतेरुक्रमणिंलेगयासूतौसिंह
जगायो ॥ जमींदौसकरद्यूंभिडवाल्यो तोभीषमकोजायौ ॥ ७ ॥

फौजां धर्णी हलीला इहार्थी रविरथ छायो बाणां ॥ जो जन सातमा
हिंसा चारियो कैवर तणां दल पाणा ॥ दती सलाख पवनां धर पाख
रइ सीसाख तीजांणी ॥ कैवर चढ्या सायूर काटूट्या जो जन जो
जन पांणी ॥ ९ ॥ चांपर करौ बेग चढवा की सांतर सबे सवारी ॥ भाग
जाय जादू भिडवा ल्यौ बेग करौ असवारी ॥ १० ॥ दल में जांप
हुँ च्यो टूसासन जांणा इंद्र धरायौ ॥ खबर करौ भिडवा ल्यासे तीरु
कम कैवर चढि आयो ॥ ११ ॥ चहुँ दिशि चक्र बहे कै वरांकान भको
छूटो तारो ॥ सनमुख कै वर लडे भीषम को सार बहे चौ धारो ॥ १२ ॥
चाले बाण जै जीरा गोला उलट पलट अंधियारो ॥ मच्च्यो रीठ कृष्ण
दल माहौ निकस गयो दल पारो ॥ ३ ॥ इंद्र जीतराजा भीषम को
काल पहुँच्यो आई ॥ सनमुख गदा उठाय कै वरजी जायथ परबा

ई॥१४॥टूजीगदासांधकेबाई ध्वजासाथढालिआई ॥ तीनलो
ककेकरताहरता उन्नीसंवयाखाई॥१५॥कुणाभेलेरुक्मालाकै
वरकी पारब्रह्मनिनधार॥भींवधरांअहडाई साजो समंतगांअब
तारा॥१६॥ सांधरह्यासबहीकरवंध्या ॥ छपनकोटबूलाबाणां ॥
अन्नाविनमारथनांभेले सूरजसाखिभाणां ॥ १७ ॥ जनह
लधरजीयेसेबोल्या बीडाचोजतुराई ॥ हलसेंपकडधरूमूस
लकी खोयद्युमानबडाई ॥ १८ ॥ केशोकहेहुकमनाचांनैरच
भींवघरचालो॥रुकमइयानैम्हेनहिंमारांमहारोलागेसालो१९।
करजोड्यांकैवलाकेशवसेअरजकरतहैराणीं॥रुकमकैवरकेहा
धनल्यावो परतंग्याम्हेजाणीं ॥२०॥ कविवाक्य ॥रंगनमांही
कियोविछंगनअबलामानबधायो॥मुडमैछअरुमस्तकमुड्यो

रथकीपीठबैधांयो ॥२१॥ मारथ्योमानकैवरनामारथ्यो दानैबात
उबारी ॥ कहैपदमराजाभीषमको पकरलियोबलकारी ॥२२॥
॥ दोहा ॥ खेतसम्हालोलखपती, नैनभेरशिशुपाल ॥ छोहणपि
च्याणवेंदलहत्यो, पडयोधरणबेहाल ॥२॥ रागमारू ॥ पडयो
रणबेहालसबैदलधीरजकौरगबधावै ॥ म्हारोचलणोनहींचंदरी
जरासिंधचढिजावै ॥ १ ॥ उणमाहींबहुरावतणांदल सौदकरे
शिशुपालौकैणकैणलडियकैणकुणकुणभागामंभ्याखेतसम्हाली
॥२॥ सावधानमंभीसांचरिया आयारावगुदराई ॥ छोहणपाँच
अंबिकाऊपरपड्योदंतधरभाई ॥ ३ ॥ छोहणिसातजडाबगतरकी
देसबंगालेबांको ॥ भटपडियाचूडाऊधैदूदानारह्योथेकनाफाको
॥ ४ ॥ नेजाभलकंताईरहगया रहगयानौबतराजा ॥ अरजनके

रेहाथउतरयो भांगकच्छकोराजा॥५॥असीलाखकुँजजरअप
डियानिबैलाखकेकाणां॥भींवसेनकेरह्यामोरचे संगलदीपका
राणांदमंडेपडयौरावमेवाडौपागदेसनेचाली । सैनीपडोकचे
रीजिनकाजाजमहोगइखाली ७देखौकौगाहुईदलमाहींहोगइ
खेलबिनाणी॥बिनभरतारांसतीहागईमंडौवरकीराणी८जान
गयाशिशुपालरावकी मचीरावणाघाणी । तारातखतंतबौलप
तीकी घरांबिलखवैराणी ९सिंहरावशिशुपालसरखौखबरक
नौजखिनावौ॥नवीघरथपनाकरोतखतकीबालकियाबैठावौ॥
गाहितहुईगरकसगफौजां यांत्रियांनैछाजे ॥ बखतभांगामुल
तानपतीके नवाघडायाबाजे ११ दानांफिरभागताआगेबुरीब
लायनेछेडयो॥लांबीसूडसदाशिवालो सारौकटकनवेरयो १३

चांपबांधिहलधरजंगमाहीं महाभास्थपरभारी॥रूमसूमरोता
समदानौ पुरीकरदइसारी॥१३॥ हलकीत्रासदेखनेभागौराव
औडिसेवालो॥ नौपतकौसलईभिडवाल्हेघरजायकियोउजा
लौ॥ मरखप्परकालीकिलकाणींनिरपलतीचकराणी॥बारा
छोहणफौजमतवालीअचवनकरगइपाणीं॥१६॥ बलखब
खारेकाबलवंताउजबखलाखअठारा॥त्रियादीपकाशजापडि
या नौछोहणसून्यारा॥१७॥ मंत्रीआयाकह्यौराजासे खबर
औरबीआई॥ पकडालियौरुकमालकैवरने दुईघणीहलकाई
॥१८॥मुड्यौशीशमूछबीमूडोखोयदईसबमानबड़ाई॥कृष्ण
छांडिशिशुपालकियोबरथांमाकरआपाई॥१९॥ भलीहु
ईतीनूं ऊबरिया बहुतभईकुसलाई॥ रातसमेंचंदेरीचालो

द्वौचौकीबैठाई ॥ २० ॥ दसूँदेसकाराजापड़िया करता बहुत
उबारो ॥ पदमभरणेंशिशुपालकहै मेरोजीवतभंडगयो सारो
॥ २१ ॥ रागकालिंगडौ ॥ येदलदानवैरिलालयोधासबैपड्यामुख
मौड ॥ टेक ॥ भाखणखातौछिनकमेरेदेतोमटकीफोड़ ॥ नंदमहर
कोकानडोरेअबतोदेबालगोदौड ॥ १ ॥ आयाथाकछु औरनेरे
होगईकछऔर ॥ कपरेफारेगांठकरे अबदेखचल्योयाठौर ॥ २ ॥
निनाणवैराजामेरे हस्तीलाखकरोर ॥ रावसांडियोभेजीयो
रेघरेथकुसलकहौम्हारीऔर ॥ तैराजामूलोककोरे डाहलको
मतकोईकराउपाय ॥ रुकमणिसाथारेगणीरेउगनैपड्यागवाल
लजाय ॥ ४ ॥ बुरीहुईशिशुपालमेरे देख्योकुंदनपुरकीकूटाबछव
णआवैखाणनैरेबाकेलागभाडरबूट ॥ हरिनिदाफलपावियोरेमू

रखकरतोबचनकठोर ॥ पदमकहै शिशुपाल डाहलारेतेरोकुजस
छायोचहुँ ओर ॥ ६ ॥ रागसोरठ ॥ होजीहरीबीरम्हारोअतीदुख
पावै ॥ टेक ॥ भीषमनृपकोरावरुकइमयौअबयाकूँकौनछुडावै ॥
॥ १ ॥ बंधूम्हारोबांध्योहैहरनें कौनखबरपहुँचावै ॥ २ ॥ जबव
होखबरसुनोपितुमेरोशठकोआनछुडावै ॥ ६ ॥ करुणाभरीरुकम
गोंठाढीनैनानीरबहावै ॥ ४ ॥ हाथजोडरथनीचेआइहरिजीकी
ओरलखावै ॥ ५ ॥ होबृजराजलाजमोरिराखोयेजगभोग्यबुरावै
॥ ६ ॥ पदमस्यामप्रभमनमेंहरखेबचनसुनतसकुचावै ॥ ७ ॥ दोहा
रोसभरीराणीरुकमणी, रथसेउतरिआय ॥ बंधुहमारोबांधियो
कोईनसकेछुडाय १ रागभैरवीकाफी ॥ म्हानेलगोबीरकतीर
येमतमारोहलधरकाबीर ॥ टंक ॥ बांहडाहलकीरुकमइयाकी

आखरम्हारोबीर॥१॥साखनहींथारेआंखलाजनहिंनहिंजागो
परपीर॥२॥बरजरहीबरज्योनिहिंमानोआखिरजातअहीर॥३॥
पदमभगोप्रणामेंपायेलागूँनैणांखलकयोनीर॥४॥दोहाहलधर
देखीरुकमणी, विलखीराजकैवार॥अरजुनकुचोभागतसहिजे
सेकहेंबिचारा॥१॥अरजुनकुचोभगतसे, बिसटालादियापठाय।
बिसटालांरीबीनती, प्रभुसुनियोयाद्वराय॥२॥इणराहातकि
सीबिधछूटेहातांबायोसार। कह्योनमान्योराजाभींवकोरुकम
बडोजभारा॥३॥इणहातकिसीबिधछूटे घणांबजायकगोल ॥
कह्योनमानूँभगतांथारो म्हानेंवणांजबोल्याबोल॥४॥रागमारू
शठकीनाशठताईदेखोरुकमणिओरनिहारोभगतकरेछेबीन
तीजीरावरोबिरदबिचारो ॥१॥भगतारीहारमानीबिनतीरुक

मइयोमुकलायौ॥ भुजापकारिकेआगेलीन्होंचरणाआपलगा
यो ॥२॥ म्हेंअपराधीकयोनमान्योसहीजगोकुलकानै ॥ भव
सेनतोबरजरह्योछौ म्हेंहरिमरसनजानौ ॥ ३ ॥ म्हेंजान्यौजग
दीशसनातनपारब्रह्मनहिछानौ॥ पदमभणेंप्रणमैपायेलागुअब
तोठाकुरमानौ ॥४॥ अथचंदेरीकीकथाप्रारंभ ॥ दोहा ॥ सर्वा
संगभाभीभणेंमोमनघणौउदास॥ बिलखीछैरंगमाल्हियाजागु
बिलखाछैरणनास ॥१॥ चंदरीसूनीपडी, फरफरकदागोंगात
कांसेभोजनचापियोघरेनाहेंकुशलात महैलचढीशिशुपालक
चहुंजोवेअकुलाता॥ तखतचंदेरीराजवी मानोंघेरपधारचाराता॥
॥३॥ अबकुंदनपुरकी कथा॥ दोहा ॥ शिशुपालोबिलखोभयो,
सगलीजानखपाय॥ जरासिंध्यसेयो कहै, मरुंकटारीखाय ॥

॥१॥ रागमाह ॥ छुरीकटारीनेगमैगानोखायरछीमरजाऊं ॥ व
रमैभाभीसुगणीभावज भूडोकठेदिसाऊं ॥१॥ कहैनेवगीसुग्या
सिरदारौमिसलतइसीलगावो ॥ आरेकुभीनहींकाहेकी सांगत
औरमैगानो ॥ २ ॥ लेयबधार्दचलेनेवगी डोहयाभीरआयो ॥
सेनभगतनेदेखआवतो पटराणीबतलायो ॥३॥ कांईकांईतौथा
नेदियोकैवररौकांईसाम्हेसेपायो ॥ कांईतौहतलेबेदीन्हौकांईस
मठूणीआयो ॥४॥ कौरवरौराणीमंसलदीन्हौ साम्हेलाबाल्या
यो ॥ समठूणी परपडीबीजली हतलेवैहरिआयो ॥५॥ हलसुंतो
ह्यारिहुईआरतीमशलयैलमचार्द ॥ कहैनेवगीसुगपटराणीसग
लीजानखपार्द ॥ ६ ॥ पहेसगौलेउडीसीघडी दूजेचिरागछुडार्द ॥ ७ ॥ प
दमभरणेप्रणमैपायेलागैहुईघणीहलकाई ॥ ८ ॥ दोहा ॥ अतिआ

तुरशिशुपालकौजुरासिंध्यदेधीर।जीतहारयेकठौरनहिंफिरती
रहभटबोर ॥१॥ कहैजुरासिंधरावयुंघरचालोशिशुपाल ॥ इगा
अवसरजीतांनहीं सानकलहैकाल ॥२॥ रागसोरठरेखता ॥
कांईकरैरीमइयामौरीकैसैजाऊंचंदरी ॥ टेक ॥ भेंनौजकुंदनपुर
आयौ ॥ म्हारोसगलौसाथखपायो ॥ १ ॥ म्हानूभाभीबिहुतसम
आयो ॥ म्हारेदाययेकनहिंआयो ॥२॥ आगेभाभीसुलखणाना
री ॥ मनैदेखतदेसीगारी ॥३॥ योतोरतपड्यांघरआयो ॥ खिड
कीमेंमूंहछिपायो ॥४॥ भाभीभुंकहकेबतलायो ॥ ज्यारोपदम
भगतयशगायो ॥५॥ दोहा ॥ रातपड्यांघरआवियो पडुदादि
याखैचाय ॥ मुखांकैवरबोलेनहीं अनपाणींनहिंखाय ॥१॥ जे
सपनैसाचोभयोभाभीकरेउपाय।संगलेसखीसहेलियांमहल

बनांकेजाय २ मुख दिखलावो कैवरिको देखत मुख होय मोय ॥ के
राबधावारंगलीयू जागें सब कोय ३ कितो कदी न्हो दाय जो कांई
मि भ्रमानी कीना ॥ गज घोडा भूषण बसन बरतन कितो कदी न पूरा
गम ॥ कितरा दिन मि भ्रमानी जी म्या कि स्यो दाय जो लयाया ॥
दासी दास चरण सेवन को कितो कसा थखि नाया १ राजा भी वमि
ल्यो किं गण बिध से कि गण बिध फेरली न्हं ॥ कितरो थारो खरच कर
यो पैरावणी कांई दी न्हं ॥ २ ॥ सुगयावचन भाभी मुखसुमन में ज
ति पिस्तावो नीचौ शीश दि यो गोडा में फिकर जाव बजन आवे ॥ ३ ॥
थांरो मन भावै कुंदन पुर फेर खिनावां जाजे ॥ अब के फेर करी ऊंता
बल अब कैढी लग जाज्यो ॥ ४ ॥ म्हतौ देवर सब सुंग पाई आछो जस
कर आयो ॥ पदम भरणै पाये लगूती नलो कज सछायो ॥ ५ ॥

दोहा॥घायलडोल्यांदायजाउतरेपुरमैआया।रुदनकरैबहुनारि
यांजांणुकमंगलगाय१रंगरलियांरौवेत्रियेघरघरलैंबीपहर ॥
घायलडोल्यांदायजोयासुखबिलसेशहर॥२॥रंगाछिडक्यो
चवतोरुधिरजांणुकसूमलजौड॥घरघरगावेधेरिया दंतीचुड
लाफौड॥३॥रागमारू॥बनडीदेखनआईकैवरजीपडदौपरी
कराबौ॥रंगरैगीलीकाव्याहकैवरजीमुखसुंकेयसुनावौ॥१॥
कहैकहैदानदियौरुकमइयेकिस्योकदायजौल्याया॥साडवा
धकेसजेकुंदनपुरकिसीभलीकरआया॥३॥हातघस्याहतले
बोकीन्हौकितगयोधिरकौताजे॥धुकधुकसारौजगतकरतहै
येहीकैबरथानेछाजे॥३॥हौभ्याठाटबाटघरआयायेहीदाय
जोजानौ॥भलीभईघरआयाजीवतायेहिलाडीकरमानौ॥४॥

पेसारी जुगतीसूंकीछ्यौघरेजीवताआया ॥ सैन्यापतिद्वेतासारा
जाउनकौंकितछौड्याया ॥५॥ भलीकरीजादूराजानेबुधहर
लीनीथारी ॥ लटपटपागसेहरोबैधियोलेगयोगवालउतारी ॥
॥६॥ भूलरकह्योबुरीमतमानो बेगमजातहमारी ॥ भींवसु
तापरणीजपधारया बोलेमहलांप्यारी ॥७॥ म्हंसुलोगओल
भादैवैहंसहलौगलगार्इ ॥ पदमभणेंधुकजीवनडाहल किसी
कवनडीयाईदंडकादंताधरकितछौडशिशूपालभागिकेआये
हैसेबहुनारियांकीधाहांसी ॥ आपराकुशलपूछेभाभीआपसूंभी
मसुतडोलकहोकदीआसीगयाथाअठीसूंअसंकदलदलभेलने
बाजतासवणनीसांणवाजा ॥ गयाजिगाडांणआयनहींधूमता
नवलबनडीकोरथकठेराजा ॥ कोडरापजानाकितेरेंखाया सबेप

रणउदमादभ्रंगसुगंधपीठी ॥ मातावोम्हानैरुक्रमपवारनीदपे
वाचाहहोनाहिंदीठी।नग्रचंदेरीकीहैसेमृगानेणियालौ।डग्याडु
डमिलगीतगाया।डोलियांघायलांउतरेडा।यजौइअौबीबाहक
रघरेआया॥१॥छंदरेखता।सुनौशि।शुपालहौदेवरकहांतेनेखोदि
यांजेवरसुनौशि।शुपालकीआबी।मुखांयंबौलतीभाबी १ चंदेरी
आयक्याकियौ ॥जहराबिषखायाकिंनालियौ॥सुनौतुमरावशि
शुपाला॥लगायाबंसकुंकाला॥२॥मैनेतोयबहुतसमभायौ।सम
रतेभागकरआयौ॥कबेतुमकियौपेसारौ॥नगरमेंचावथौथारौ॥
॥३॥कहांतेरीगहनकीबौली ॥ कहांतेरेअंगकीचौली॥ कहांतेरे
पांवकीजौडी।कहांतेरीचढणकीघौडी।कहांशिरपावरंगभीनौ।
काहुनेदानकरिदीनौ।कहांतेराउटअरुघौडा॥कहांतेरेपालनी

जोडा ॥ ५ ॥ कहां तेरा जानकासार्थी ॥ कहां द्रुगपालसेहार्थी ॥ कि
स्यौ येकदायजौ दानी ॥ किसी येकहुई पहरानी ॥ ६ ॥ लक्ष्मी भी वच
रजाई ॥ किसे हगं सते व्याही ॥ कहो कया किया इत आई ॥ मर्या
नाहि जहर बिष खाई ॥ सीख मानी नहीं भरी ॥ लगा यौ दाग चंदेरी ॥ क
हांगइ फौज सव तेरी ॥ केहल धरमार सब गेरी ॥ ७ ॥ कहां तेरा सजा
अरु बाजा ॥ कहां निन्नारणै वराजा ॥ कहां तेरा रथ अरु गाडी ॥ कहा
वारु कमणी लाडी ॥ ८ ॥ महल में बो होत सम भायौ ॥ मुख ते जावन
हिं आयौ ॥ धराणि में चौगि शिशु पालौ ॥ मुँढा तो होय गयो कालौ ॥
॥ ९ ॥ तुच्छ तें गालि यौ जायौ ॥ करतानहीं आप पीछायौ ॥
हुई क्या होयगी ओरे ॥ मतीनां भूलि यौ मोरे ॥ १० ॥ राज्य सीज
ग्या जावोगे ॥ वहां सेनाहि आवोगे ॥ चक्रये कबने गोथारि ॥ नमाने

बाततुहारी॥१२॥सानीनिहिबाततुमेरी॥तबेभईयहदसातेरी॥
पदमकरजोरिकेगावे॥कियोसौआपनोपावे॥१३॥दोहा॥छल
काणौबोलेनहींनीचाकरलियानैरा॥धरतीतिंगुखासूखिगोमु
खांनजंपेबैरा१४रागठूमरीअसावरी॥बिनांजीवनरीजावन आ
इ॥कैसेमहलबैठाई॥टेका॥आसामुखीउदासीसबहीयेतोछेघर
कानाई॥येतोपरणधन्यालाडीमांगेरेसबधाई॥१॥जुरासिंध
केपडीदडादडहलधरजंगमचाई॥रुकमइयाकीमूछमुडाई॥
अबकलकहांगमाई॥२॥कहांतेरंगकेढोलेकहांरुकमगिबैठा
ई॥सवाक्रोडकोरतनमैदूढोदेऊंमुखदिखलाई३भाभीदेतउला
हेरणोजीठ्ठाकरतधमकाई॥पदमइयोस्वामीभरणेसगरीजान
खपाई॥४॥रागसोरठ॥तंगीतंगीबचनसुनावोबोलोबोलणां

॥टेक॥वचनथांशघटमाईने भूलांनैभाभीजीराभोलगां ॥१॥
लाजगईकुंदनपुरआगेबाजताणैकुनतोलगां॥४॥ पिचागवै
क्षोहणादलखपियौजायपड्याजोधघग्गां ॥ ३ ॥ पदमभगैभा
भीसैदेवरवचननहींछातीछोलगां॥४॥ रागबरवातालठूमरी॥
मैदीतुलगायाहीरयोहोशिशुपालदेवरियाटेराहाथांकैमहदी
पायांकैमहदीजीकजलोसारयांईरयो॥१॥टेर॥ बांधसैहरोगयो
कुंदनापुरजी॥ कांकणबाद्यांईरयो॥ २ ॥टेर॥ जेवरपहरचढ्यो
बोढापरजी॥बागीपहरखंईरायो ॥३॥ टेर ॥हुपटो औडबरायो
तुबनरोजी॥कीलंगीटोग्यांईरयो॥४॥टेर॥त्रिभुवनपतिकीकरी
बराबरजीअंगसुवास्याईरयो ॥५॥ टेर॥ मेरोकहगोषारोलागयो
जी॥ईबरुकमगाबिनाकयूरयो॥६॥ टेर पदमभगैप्रणमैपायेला

गाजीलाजगमायां इंरयो ७ होशि शुपाल ० रागसारेठ। जलियां
नैक इंजलावोहौभावजजलिया ०। टेक॥ तेंबरज्योहेंमानिनां
हींहोनीकौनमिटावे। १॥ क्षोहणापिचागूं सबदलखपियोमरोई
मनापिस्तावोर। पदमभरणेंभाभीकेचरणांशि शुपालोशीशनवा
वे॥ ३॥ रागकाफीआसावरी॥ तेंतोमोरीमानिनांनहींशि शुपाला ॥
जोधाकहांगयेरखवाला ॥ टेक ॥ निभुवनपतिकीकरीबराबर
चाल्योचालकुचाल॥ तेंतोमोरी। १॥ कहांगयेतरेसांहणबांहण
कहांगयेऊंटरसाल॥ कहांगयेशिरपेचकिलंगी कहंगइमोतिय
नमाल॥ २॥ कहांगयेबसनपागसाहिजामो कहंगयेसालडुसा
ला॥ पदमभरणेंभाभीयुबोलेतीनलोकप्रतिपाला ॥ तेंतोमो
रीमानि॥ ३॥ अथकुंदनपुरकीकथा ॥ रुक्मणीमाता अंदेसौ

करै॥छंद॥कौटिभांगप्रकाससुंदर ग्वालकेसंगकाबने॥देवाजिन
कालेखालिखिया येहबचनराणीभरणे॥१॥ अंबकाहेंघरपुजा
तीजाणहेतीहैनहीं॥येहीअंदसौरह्योमनमेंचलतरुकमणनाक
हों॥२॥ प्रीतकीयेकवातसजनीरुकनगणीहमसेकही॥ श्रीद्वारि
कासेकृष्णआये वाकेसंगरुकमणिगई॥१॥मांडवौह्मारोरह्योकै
वारौअबकहोकैसीबने। दासपदमविचारकमनरुदनकरारणोभ
ने॥४॥ रागमारू॥ राणीभरणेसुनौराजाजीअबकछुकरोबिचा
रौ॥कृष्णदेवरुकमणिगलेगयेमांडौरह्योकैवारौ॥१॥ राजाभरणे
सुणोरानीजीह्मारोकाईसारौ॥ कृष्णचंद्रथारेदायनआयोडा
हललागौप्यारौ॥२॥राणीभरणेसुणौमहराजाहौगहारकुंगभटे
हैंतौहांपडदारामाणसकरमकियाथारंबटे॥३॥ थारैकह्येसुणौ

राणी जी हें तो हरि गुणग। यो केशव कृष्ण द्वारिका वासी भगत जा
गा हरि आयो ॥ ४ ॥ आगे भी डचढ्या भगतां की पण प्रह्लाद के राख्यो
पदम भगो प्रणमै पाये लांगे वेद पुराणा भाख्यो ॥ ५ ॥ दोहा अब ही को
कौ कै वर ने मन को कपट निवार दीनानाथ दयाल है बिगडालेत सु
धार ॥ कै वर सताबी कौ कियो भी वराव औराणी। जाय पहुँचै हरि
हल धर कूनि मृत कर मृदु बाणी ॥ २ ॥ ह्यारी कह ज्यो बंदना हरि
हल धर सस आया ॥ दास भी वकी बीनती दर सग देता जाया ॥ ३ ॥ भै
पुगतां कारज सुधरयो भलो सुधारयो काज ॥ अब हरि परगण पधार
ज्यो राखियो ह्यारी लाज ॥ ४ ॥ लघु कै वर लघुता करी बेग पहुँचो
जाया ॥ हाथ जोड हरि साहसने उभा अरज सुनाया ॥ ५ ॥ छोटा कै वर
रकी बीनती सुगज्यो या दूराया ॥ व्यावरजा बाँकै वरि कौ परगार घा

लेजाय ॥ ६ ॥ रागभारू ॥ कामनिकहैकैवारीजायां होयहमारी
हलकाई ॥ भीबसेनकीपतराखीज्योहैंरुकमणिकाभाई ॥ १ ॥ बा
इरुकमणिंकोव्यावरचावांतौरणथंभगडास्यो ॥ साहणबाहणा
हस्तीघोडाभलीभांतमुकलास्यो ॥ २ ॥ कुंवरकहींसोबिनतीमा
नीत्यारीसबेकराई ॥ कौठार्यानेअग्यादीन्होंमनसाबस्तभरा
ई ॥ ३ ॥ छप्पनभांतकासीधाआयाऔरधणीइधकाई ॥ भांतभांत
कीलईमिठाई डेरायोपहुंजाई ॥ ४ ॥ कुंदनपुरश्रीकृष्णपधारवा
भीवकरेमनुहारीखानपानपकवानमिठाईसबविधकरीतयारी
॥ ५ ॥ सीधाकोडचारभणीजैगुन्जाफेणीलाडू ॥ बहुत प्रकार
कीकरीतयारीकरेकलेवाजाडू ॥ ६ ॥ अगवाणीसारीबिधदीन्ही
कंचनथालिभारपिदमभणैप्रणमेपायेलागुंगलकरैतयारी ॥

रागभारु॥ विसकरमानें तुरत बुलावो बोल्या त्रिभुवनराई ॥ जैसा
कुंदन पुरभी वराय काया सें अधिकर चाई ॥ १ ॥ श्रीकृष्णकी आज्ञा
लेकर कंचन पुरी बन आई ॥ सुंदर सुंदर महल बनाया नीका चित्र
मंडाई ॥ २ ॥ रावितल दूजा और न कोई श्रीपतिकी सरबराई ॥ ऊंची
ऊंची बनी अठारि खंभारतन जडाई ॥ ३ ॥ हीरा पन्ना लाल लगाया
मोतियन चौक पुराय ॥ राजा भी वकी सबही प्रकर माधो पुरमे
आया ४ ॥ रुकमणि की माता संग सखियां हिल मिल मंगल गाया ॥
चौरासी दरवाजा दीर्घ मणि मंगल गाक जुवाया ॥ ५ ॥ सात जो जन
अरु कुंदन पुर की ये सी शोभा लाई ॥ कंचन पौलबनी अति नीकी रत
ना की चितराई ६ ॥ सरस बाटिका भई चंदन की गंधरही महकाई ॥
घर घर तोरण ध्वजा पताका बंदन वार बंधाई ॥ ७ ॥ बैठक मध्य बनी

अतिसुंदरआनंदउरनसमाई॥ अठारेभारनासपतीलेचहुंओर
लगवाई॥८॥ अतिसुंदरकूपतलावबावडी पंछीबेनसुनाई॥ माधो
पुरकी अदभुतशोभाजनपदमइयेगाई॥९॥ दोहा॥ कंकनबांधो
सुंदरी भीषमराजकैवार ॥ मार्गनिहारेनितही दरसणहोग्यमु
रारा॥ भोंवनपतधरमांडवो जादूततकीजानाहुलहनिराणीरुक
मणी हुलहास्यामसुजान २हुलहोउतरचौबागमैं सबहोसाज
बणाय॥ कुंदनपुरकीकामणीहरजिनेंदेखणजाय॥३॥ पगांजुबा
जेपैजनीनिरखतचालेछांह॥ रूणभूणवाजेविछियावाजेअगा
वटमांय॥४॥ मंगफललीसीआंगली बेलननेवलीवांह॥ दरसणपा
येस्यामके पापप्रलयहोजांह॥५॥ अतिउमग्योउरनिरखिकेने
नमिलेजडुराय॥ पदमइयो स्वामीभगेंमं दमंदमुसकाय॥६॥

रागवरबाकीठुमरी ॥ चलोसखिदेखनजाइये स्यामरायजादेव
नां॥टेक॥ मालिनलाईसहरोदुलहाकेशीशोपरानां ॥१॥ बागों
सौहिकेशरयासायजादेवनां ॥२॥ वाकेमाथेपचरंगपाघरीसेहरी
अतिसोहना ॥३॥ याजोरिकेऊपरेशारीदासपदमबलिजाना॥
दोहा॥ महलांमहलांरंगहुयासजसोलासिंगगार ॥ डेरेंचालोक
प्राकेवडेधराकीबार ॥ रागमारु ॥ कंचनथारलियो ॥ मिलिसखि
याभोजनसरसधलावो ॥ बूराभातमिश्रीकोसीरो हरिनेजाय
जिमावो ॥२॥ सोलासहससहेलीचालीविडदथालकीत्यारी
लालेरशमीलहंगासोहचलैचालमतवारी ॥२॥ चोवाचंदन
औरअरगजाभारिंगाजलभारी ॥ कृष्णबनाकेडेरेंचालोशैनम
गतकीनारी ॥३॥ जायजानेडेरठाढी भोजनदियोजिमाई ॥

पदमभरणें पायेला गूहरी निरखणाने आई ॥ ४ ॥ गीतश्रुवाति
याको ॥ टेर ॥ गोपाललाल म्हेतो थारा डेरा जो बन आई जी बसु
देवजी रालाल ॥ म्हेतो थारा डेर निरखण आई जी गोपाल ॥ टेर ॥
गोपाललाल म्हेतो थारे जन्म जन्म रादा सी जी ॥ बसु देवजी राला
ल ॥ म्हेतो थारे जन्म जन्म रादा सी जी गोपाल ॥ १ ॥ गोपाल
लाल बृज पर इन्द्रको पचढो अति भारी जी बसु देवजी रालाल ।
राखलई बृजकरदर गिरवर धारी जी ॥ २ ॥ गोपाललाल धरपंडु
वाक्रे आमलडो सोलायो जी ॥ बसु देवजी रालाल ॥ कृपा भई
जदभूच्यो बीजनु गायो जी गोपाल ॥ ३ ॥ गोपाललाल पदमभ
गत थारा हितकर के जशाग वै जी बसु देवजी रालाल ॥ म्हेतो थारा
डेरा निरख आई जी गोपाल ॥ ४ ॥ राग देस ॥ कंदन परकी नार

मीहिथेकुंदनपुरकीनाराटेका॥ तुनासाकछुांकेयांम्हांपर नैनन
सुरमासार॥ १॥ हिलमिलकेबोहो सखियां आई दरसणकिया
निहार॥ २॥ रूपबिलोकतभईबावरी कुंदनपुरकीनार॥ ३॥
पदमभरणेंप्रायेलागूं बसरह्योहिऐमंभार॥ ४॥ दोहा॥
राजासुत भेलाहुवा कौक्यामंनोसार॥ सांभेलासाकतिकरौ
बिलमनल्यावौबार॥ १॥ इंद्रायणबाजाभींवके राजलौकरु
णाकार॥ सातजोजनअरुंकंदनपुर घरघरमंगलचार॥ २॥
रागमारु॥ धूपदीपआरतीउतारेसखियनमंगलगावै॥ राग
छत्तीस अलापेगंधुव जाभापारनवै॥ १॥ नौछावरनानाबिध
करियेसुभभायकबोहोबानें॥ चौरासीदरवाजादीरघ सकलबं
ध्याकेसानें॥ २॥ हाटबाटचौहटासिंगारेऔछाडेरबजारांकनक

महलराजाभीषमके जडियानगजुहारं ॥३॥चोवाचंदन और
अरगजामृगमदकेसर्घोरी॥रुक्मकंवरखेलनलगौछप्पनको
दसूहोरी४बाजेनौबतघुरदमामा॥ भींचकरी असवारी॥ तीस
लाखमखनाकेऊपर मेलही अंबाबारी॥५॥ छडीदारदरवान
खिजमती सहनार्हरणतूरा॥प्रध्वीरंजगिगनेकलगी दीखणार
हगयासूरा ॥६॥ भींवराथमिलवानेचाल्यौ पांचपुत्रबुलाया
छडीपालखीहुयापयादा जबजादबनतलाया ॥ ७॥ भींव
रायने आंवणदीज्यौकेसौंयूबतलाया ॥छप्पनकोटभींवराजा
के यादवसनमुखआया॥८॥तेजीलाखतुरीअहराखी किरडा
काछीलीना॥ रुक्महयराजाभीषमके जायसाम्हेलेदीना॥९॥
गौडकरेधूमंतागाजेअरुमहमंताहाती॥सातहजारहारथीभीषम

जी दीहतरायांमदमार्ती ॥१॥ भौवरायतवपायेलागौ देवपुष्प
वरंषाया ॥ उग्रसेनबंसुदेवरायने गादीलेबैठाया ॥१॥ जादूत
खतभयादेख्यातेभीवरायकासाजानेमनाथहलधरबतलाया
बडौधजाबंधराजा ॥१॥ छप्पनकोटजादूजुडबैठासाम्हेलेसब
राजा ॥ पदमभरणेभंपायेलागं बाजेनौबतबाजा ॥३॥ दोहा
साम्हेलाकीसाखती तौरणकीताकीद ॥ सवाकरसंगोधलूघो
डीचढावौवीद ॥१॥ चंचलचपलचमकणीचालतअटपटचाल
मनमोहनमनमोहियो उचकचढेनंदलाल ॥२॥ रागठुमरी
काफी ॥ बनौवोडीखूबनचावै ॥ वालोधूममचावैहै ॥ टुक ॥
पगपैजुनठुमठुमकरहो रुमभुमघूरमाल ॥ चाबकसेचिमके
घणीं ओतोअलबलियोनंदलाल ॥ बनो ० ॥१॥ मस्तकतिलक

सुहावनौहिचंचलनैचकोर । तेंमनमोहिनवसाकेयौआलीचि
तवनमौचितचोराबनौ०२॥ अटपलेटकुंडियेहो नागरनखरेचा
ला॥ ठेकाभरेउतावलीयातोकुदतनोनोतालाबनौ०॥३॥ धिन
कुदनपूराधिनघडीजीधिनघोडीतुजभागापदमइयामशिवकर
गामनोहर नृत्यनिरखअनुरागाबनौ०॥४॥ दोहा॥ सहलेसबमे
लाहुवा, धरमनिसाणबजायजानसिंगारीरावने, बागाजारवणा
या॥१॥ रागमारु ॥ बागाजरीसावटूचीरा शाखबखअतिलयाया
साहेलेराजाभीषमजी धरमनिसाणबजाया ॥१॥ दोनंदलज
बभेलाहुवागाहुईअतिभारी ॥ हलधरखुरीरलावज्यौजीभी
वतणीअसवारी॥२॥ छप्पनकोटजादूचढचालयाजानिवासेआ
या॥ बह्माआयरलियौसहेलौ साजनकरबैठाय ॥३॥ आछौ

दूधधेनधौलीकोहरिकाचरणधुवायाकनकथालखैगवालीभा
रीबडेबडेबधाया ३ उडतगुलालअंबरनाहिंदीखे बांहभरीभ
रजौरी॥कहैपदमहरितोरणआया भीवरायकीपौरीपूरागसोर
ठातौरणआवियावृजरायटेकाचढदलदेवबिमाणांमांहिंपुष्पा
बिरखालाय १ कुंदनापुरकीकामनीहरिकोसुंदरबदनलुभाय २
प्रह्लादकीपरतंगयाराखीनरसिंहरूपबनाय ॥३॥ बलराजाके
द्वारपधारेबावनरूपधराय ॥४॥ धुरेनिसांणत्रमामलगोजे रंग
भीनीबिबछाय ॥५॥ तौरणचढश्रीकृष्णपधारे दासपदमज
सगाय ॥ ६ ॥ रागमाड ॥ सखियारे ॥ तौरणआयाहैनंद
किशोर ॥ टेक ॥ तौरणरतन जडाविया भींवसेनजीरीपौर ॥
चिरियातोसोहैसौहनी शोहे सुबरणमौर ॥ तौरण ० ॥१॥ हरि

डारिहाजरकरिः पुष्पां कलीरैरुहमौर ॥ हरकिलिनीहरहातमै उर
आनंदजौरातौरणा ० ॥ २ ॥ पुरनारीचहुँ औरतें आई मिलकरदौर ॥
निरखतमानं चिन्सी ॥ जैसेंचदचिकौरातौरणा ० ॥ ३ ॥ जरकस
बागौपागपैसाहेमोतियनमौरा पदमभगोपुरकामणीलीनौचि
तचिकौरा ॥ ४ ॥ रागपरवाकाफो ॥ सखीरंगीलाबनानेंअधौआवा
दीज्यौहै ॥ टेक ॥ पुरनाराचढमहलअटारी निरखतनैनसरावा
दीज्यौहै ॥ १ ॥ मधुरीमुरतबसीउरमेरेटुककियेकयाकोबिलभा
बादीज्यौहै ॥ २ ॥ पदमभगोप्रणमंपायलागंआवागमनमिटाबादी
ज्यौहै ॥ ३ ॥ रागसोरठासमधराआगीआवोकाजलसारत्रिभुवनऊ
माथारेद्वाराटेकादांतांमिसीसोहनीमोतियनदियोलिलार ॥ चं
पासोहैचमणीनथसोहेभलकार ॥ चुडलौहस्तीदांतकोपहर्यौ

बाहपसारांकंकनरतनजडावका उरपरहारहजार ॥२॥ छप्पन
कोटजादवजुड्याआयाकृष्णामुरार॥नेणारसलूटेपदमकुंदनपु
रकीनार॥३॥रागकालिंगडो॥कामशकरवाआहिलाडाजोबांवा
टतुमारीराज॥येसाकांमशाम्भाराजादूबरनेसोहैटेकाजिणका
मशहिरणाकुशमान्योनखसुंद्रबिडान्योराजजलसुराखअ
नगसुराख्यो जनमहलादउबान्योराज ॥ १ ॥ जिणकामगतै
लंकातोरीसागरसिलातराईराज ॥कुंभकरणमहरावणमारवो
फेरीरामदुहाईराज ॥२॥जिणकामगसमुद्रबिलोयो बासनके
ताकीन्हाराजचवेदरतनकाढकरल्यायाबांटसबनकोदीन्हारा
ज॥जिणकामगसुंबलछललीन्हौतीनपैडभरलीन्हाराजचंदा
सूरफिरेजितनीपै दायपैडकरदीन्हाराज ॥४॥जिणकामसेकंस

पछारयो जील्यौ भस्म अखांडेराज ॥ कुवलिया पिंडुकंजरकंभा
र्यौजमलाजुंनपाड्यौराज ॥ ५ ॥ सातनालकोलागौलयाईसा
तसहेली आईराज ॥ श्रीकृष्णकंनपणलागी नापतदेहबधा
ईराज ॥ असा ० ॥ येकसहेली येसेबोली सुगाभहारी रुकिमगा
बाईराज। येसाकामकरां कृष्णपैहाजरहेसदाईराज ॥ ७ ॥ दुजी
सहेली येसेबोली सुगाभहारी रुकमगाबाईराज। येसाकामगाकं
कृष्णपैदिनमुंलकतजाईराज। दातीजीसहेली अउठबोली
सुगाभहारी रुकमगाबाईराज। मातापिताकबहुंनहिंचावचौबहा
रीबाईराज ॥ ९ ॥ चोथीसहेली कुंदनपुरकी नीचीनीची आईराज
कृष्णखडाचहुंदिसनंजोहै बंदतौडलेजाईराज ॥ १० ॥ बंधबंध
मेंकामगाबांधूतौबाबलकीजाईराज। इतनीबातकृष्णजीसुण

करचटकीदेरउडाईराज ॥ ११ ॥ ऊपरऊपरलेचकफेरातुँइक
रती आईराज॥थारिकामणैकुणकरेथारितीनूलोकदवाईराज॥
१२चरखीमोरहवाईछटेनिभुवनतोरणआयाराजासबसखिय
नमिलमंगलगायाकुंभकलसंबंधायाराज ॥ १३ ॥ ब्रह्माजी
नेबेगबुलायामोतियनचौकपुरायाराजब्रह्माइन्द्रआदिलेभुनि
जनऊधौचैवरदुरायाराज ॥ १४ ॥ गणपतिसखिचढेबरातजि
संभांणादिपावैराज। सुरतेतीसुहरखहुवाजबपुष्पवृष्टिबरपावैरा
ज॥ १५ ॥ सनजादूबनिरयेबरातीदुलहौकुंवरकन्हआईराज॥ कंच
नथालधर्योकरऊपरतोरणसीकपुगाईराज ॥ १६ ॥ राणीसाज
आरत्योआईदिवलेजोतसवाईराज ॥ पांचपदारथदियेआरत्ये
पदमभगतबलिजाईराज। १७ रागकालिंगडाकीठुमरी॥ जादू

बरनैकामगाकरस्या॥करस्याहैं॥हेतो नहिं डरस्या॥ जंतरलिल
पिचरंगपगरीमेंसहियोमेंघरस्या॥ ॥ टेर॥ कामनियाशिरपेच
किलंगीभुकतैतुरसोहे॥ कामनियानोसाकामोती भालतिल
कमनमोहे॥ अंजनयुतखंजननैननमें मुखवीरीमधुरीबैनन
मौ॥काननकुंडलशोभाभारी॥ छूटरहीलरधुंघरवारी॥ कामाशि
॥१॥ कामनियाहीरेकीकंठीऔरमोतीनकीमाला॥ कामनिया
गरुडासनसोहेऔरबनेसुखपाला॥ घनपबानकरकमरकटारि॥
लखिमहिदीलालनछबिवारे॥ तनुभीणोकेशरिथेवागै॥ फैंटेहु
पटोघुलघुललागे॥ कामानि० ॥२॥ कामगिया अतलसकीसूथ
नरेसमनाडेछाजे॥ कामगियाजरजोधाजोडीपावनपरछाबि
छाजे॥ अबयदुनंदनतोरणआये॥ कारासहेल्योमनकाचाये

अतिसुंदरशोभाकीजोड़ी॥बाधूसवालाखकीघोड़ी॥कामाणि०
॥ ३ ॥ कामानिया सुरनरपालखीऔरघोडासबहार्थी ॥ काम
नियारथबाहनसोहेऔरबनडेकेसार्थी॥सुरनरमुनिजनप्रोहित
घरकेकुलकेदेवसभियदुरबरके॥औरसबेड्डेरेडाडेसखबल्और
खेडेखांडे ॥ काम० ॥४॥ कामनियाफुलनपरसोहेजेकोइंगुथ
परवै ॥ कामनियाचोवामेभीनाजकोईअतरलगावै॥नानामा
मीभामीकाकी ॥ जंत्रमंत्रमेंसबहीपाकी॥औरसहेल्याकीग
तिन्यारी॥सोदीषिसोकामगणारी॥कामनि०५॥नवलबनीकी
मुवाबार्हिकरडाकामगणजाणें ॥ रतनजडितकंचनकेपिंजरसूवा
करबैठाणें॥बनडेकीगतिबनडीजाणें ॥ महलांबैठामंत्रचलावे
पावपंडतोबनडोआवै ॥ तोकामनकोपरचोपावै ॥ ६ ॥ रतन

पदारथ दिया आरतें यादव डेरें आया ॥ सखीसहेली अन्दर
आई मनमें हरषसवाया ॥ कुंदनपुर सब कामगुगारी ॥ पदम
स्याम अबतुम्हही उबारी ॥ जो यह कामगुसुनरुगावै ॥ बसै
बैकुंठ मोरनहीं आवै ॥ कामिनि ० ॥ ७ ॥ रागकालिंगडो ॥
कामागियांम्हें नाहिं जाणां ॥ टेक ॥ कामगुगारी बनानाकी भूवा
जिनसैंकरज्यो अरजी ॥ नंदकैवरबृजराजबनानापर कामगुगारी
कौंइमरजी ॥ १ ॥ सातसुईलेसातसवागण लीलोडोरोल्याई ॥
इण्डोराभैबसकरराखां रीभैरुकागवाई ॥ २ ॥ इण्डोरोरयादव
बशाकरस्यां इणारोअचरजभारी ॥ गुण्डोराभैयहसकलाईबस
करस्यांगिरधारी ॥ ३ ॥ सटपटमहँदीसोलीगटपट गुलीसिंदूरम
गाये ॥ चटपटकामगुकरावनापर भटपटबशाहोयजाये ॥ ४ ॥

रतनजाटितमादलियोल्याई डेरोमांहिभरावां ॥ मदछाकिया
वृजराजबनौनेकानपकडकरल्यावां ॥ भीवपुरीअतिआनंदउ
पज्या कविजनकहतनआवै ॥ तीनलोककेनाथबनापरैपदम
भगतबलिजावैप्रादोहा॥कांकणबाँधिंसुंदरीभीषमराजकैवार
मांगेनिरन्तरजोहियैप्रतिप्राणअधार ॥ १ ॥ कुंदनपुरको मां
ढवौजादुपतकौजांन॥दुलहनिराणीरुकमगोदुलहोस्यामस
जान ॥ २ ॥छंद॥रुकमणिमलौउबटगौमेलछुडाइये ॥हंससी
दरजनलोगतिन्हेंनहिंपाइये ॥१॥सबसखियनकरोसिंगारकप
नगटजाइयो॥कुम्भसकलसभरवाय भवनमैलयाइये ॥२॥वनि
ताल्याईदौडचऊँहतलीजियो तेलफुलेलरलायमिलनूनांकीजि
ये ॥ ३ ॥ मालियागिरकोपाठअंगनमैबिछाइये ॥ गगजमुन

कानीरुक्रमणीं न्हवाइये ॥४॥ सजिसौलासिंगगारखुलीचंपा
कली ॥ उरमालाकिशोभानिरखिनैनहरकीअली ॥५॥ मंगलगा
वनारहरखिकेरंगरली ॥ पदमइयौछबिरुचिररुक्रमनींकीअतिभ
ली ॥६॥ दोहा ॥ उछवभयौमाधौपुरी घरघरमंगलचार ॥ कुंदन
पुरकीकामणीं सजिसौलासिंगगार ॥१॥ रागमारू ॥ सबसखि
यनमेंनारसयानींनृपभीषमकीनारीबहुदोपककीसजिआरती
राणीकरीतयारी ॥१॥ नृपभीषमम्हारोकरोआरतयौजिनपरब
प्रीतापिछायी ॥ नंदगवालकोकरतआरतयौलाजमरेगीराणी २
पडदेरुक्रमणयेसेबिनबेसुणियोजादूराईराजाभीषमक्युपतरा
खोयाछैम्हारीमाई ॥३॥ तुमतोऔगुणाकोगुणकीन्हैसाखबेद
मैगाई ॥ पूरणब्रह्मपदमकेस्वामी चरणकमलबलिजाई ॥४॥

दोहा ॥ डेरा आप पधारिया, त्रिभुवन तो रणबाना ॥ घूमत डाग बरे
घणां, धुडला सोहे जान ॥ १ ॥ भौवन की बखिनाइ या जादव बेग
पधार ॥ करो सताबीं जान मे फेरा होय अवार ॥ २ ॥ रास मारू ॥ ब्र
ह्मां इंद्र देव सब सोहे उधधव चवर ठलावे । डेरां सुप्रभु हर करु चाल्य
राज पवार आवे ॥ १ ॥ चन्द चो की बिछवाई ऊपर स्याम चढाया ।
भौव कै वरी नै बाहर ल्या फेरा वाहरा दिराया ॥ २ ॥ ब्रह्मां जीने बेग
बुलाया मोतियन चकि पुराया ॥ कलश गने शपुजा वेनी का विधि
संव्यावर चाया ॥ ३ दोहा ॥ छपन कोट जादू जु डेउ ग्रसेन वसुदेव
गारी गावें कामणीं कहि कहि न्यारी भवे ॥ १ ॥ राग सोरठ ॥ जाच
कजु डे अपारा ॥ सब गावें मंगल चारा । टेक ब्रह्मां जी वेदेउ चारै क
रसर बोलै वृत्त भारो ॥ १ ॥ तां हां कलश गणेशपुजावे ॥ जहां सावेने

सूतफिरावे॥२॥ब्रह्मांजीपदपहावे॥जबादिछणांकलशालाचि॥
॥३॥तांहांसप्तमात्रिकाध्यावे॥हतलेबैहातादिरानै॥४॥जबवे
दिमंनअहुताये॥तबसखियनमंगलगाये॥५॥रागमारु॥
पहलोफेरोलीन्हौंजादूदीन्हंअस्वअपारा॥दूजोफेरोलीन्हौं
जादूदीन्हंकुंजसवारा॥६॥तोजोफेरीलीन्हौंजादूदीन्हंर
थभ्रणकारा॥चोथोफेरोलीन्हौंजादूदीन्हंरतनअपारा॥७॥
बावेंअंगजबलेवालागा रुकमणिनाहिंजआवै॥बावेंअंगहम
जबहींआवे वचनस्यामकोपावै॥३॥जनमजनमकाना
यहभारा म्हैअरधंग्याथारी॥ सोलासहसमेंजायामिलावो
नितउठचूंगीगारी॥४॥तुमजिनजानौंऔरबराबर येसी
बाततुमछाडौ॥ सोलासहसकेपायगावो तो सुहभागतांकी

कादौ॥५॥जोयेबातकहींसोमानी कह्योतुमारोकीन्हों ॥ सोल
हसहससिरपटराणीं राजपाटतौयदीन्हों॥६॥जबजीवणासुंडा
वाआया अंतरपटकरवाया ॥ बीरसेवरामांमेंरुचकरब्रह्माजि
रवाया॥७॥खूँटीपूजीधूपूजवायापुन्याहवाचनकीया॥सप्तपदीब्र
ह्मांजबबोलेपदमदनहारिदीया॥८॥दोहा॥परणायाजादवपती
ह्मांमांगेभूरत्नागतलागदीरावज्यौनिप्रादालिददूर१ रागसोरठ
ब्रह्मानेभूरादिरावौ॥सबजानीकौकबुलावौटेकाजहांअगणित
भूरादिबाई॥जान्यांकीकरबाडाईजान्यामरभौरीदीन्हों॥ब्रह्मा
जीथालमैलीन्हों१ भूरतोसुरतेतीसांदीन्हों॥तातेंइधकीकीरत
कीन्हों॥शिवमांढोभलवरषावौजाकूजनपदमइयौगावै२ दोहा
सिंधू॥भौवरायंकूब्रह्मांबोल्यहाहतलेबौरछुडावौ॥सवालास्वधेनु

जबदीन्हींहतलेनौछुड़वायो॥१॥दोहा॥परणपधारेजहुपतीघुड
लांघुरेनिसाग॥जाचकमंगेजौडलादौऔलगियांनैदान॥२॥
भौवभंडारीकौकियाचलेजानमेंआयजादुपतसौर्बानवदईअ
रजगुदराय॥३॥कैवरहयिजौजानमेंदीज्येसंगखिनाय॥कैवर
कलेवर्भौवजीबेगाबेगबुलाय॥४॥हरिहँसिकेयेसेकहीगणपत
कुंलेजाय॥येहकैवरहेजानमेंयाकुंभूखसताय॥५॥रागमारु॥
शुक्रशनिश्चरलारेलिन्याभुलकतमाढिआवेभंविरायकीलोप
हुआफुल्योअंगनभावे॥१॥करिमनुहारधरणीगणपतकीदेआ
सन्बैठाय॥जाजमजरीगलीचांकुपरसूबरणथालधराया॥२॥
कंचनथालभय्योपकवानगणपतजीमणलाग्या॥देखसतावि
पुरसणवालावेभाग्याभाग्या॥३॥सख्याकरीमनुहारनोर

की गणपत कियो नकारो ॥ म्हानै तो भोजन हिं भावे थोरो नीर नि
वारो ॥ १४ ॥ पांचू कै वर परो सण लाग्या भर भर त्वा वें चंगेरी ॥ कहग
णपत जी सुगारु कमैया टीकन लागी मेरी ॥ १५ ॥ मेरो कह्यो बचन
थे मानो मत नापें चलखावे ॥ जासा मान कर्यो थारै सो म्हाने
दिखलावो ॥ १६ ॥ कर किल कार चढयो भंडारा अन पर दृष्टि उठाई।
तीन ग्रास सारी का कर गयो और न बची मिठाई ॥ १७ ॥ माच गयो
सारी नगरी में भूख ही भूख पुकारे ॥ दो दो अंगल जमी चाट गयो
पापड भोले किवाडे ॥ १८ ॥ टगटग महल चढ्यो सुबरण के राणी से
बतलायो ॥ बासी कूसी धन्योढ बयो डो सोरा भोजन खायो ॥ १९ ॥
बोले राणी सुगार गणपत थै थारै घर जावो ॥ मात गीर जा पित्त सदा
शिव दोन्ना न भख जावो ॥ २० ॥ राणी कहै सुनो राजा जी अब के

दुरमतजासी ॥ ऐंकाबडाप्रड्याडेरामैवेकुणनखासी ॥ ११ ॥
राजाअरजकरीप्रभुजीसैमैतोदासतिहारो ॥ बालकबालकरल
बतलायाइनकोदाषनिवारो ॥ १२ ॥ आग्यादीनीविशकरमा
नेसबभंडारभराया ॥ पद्मकहेसबसखीसहेलंगिणपतिकाज
सगाया ॥ १३ ॥ रागबरवा ॥ दोहा ॥ सखियाकासुगाकेबचन
मिल्यो जीनमैआये ॥ तबजादुवरपूछियो अपनैपासबुलाये ॥
॥ रागमारू ॥ माडिजीगणपतिजीचाल्या जादूजानमैआ
या ॥ मुलाकंताजादूपातिपूछा मुखारयाकधाया ॥ १ ॥ हुंसके
कहीकृष्णसेगनपातिनाभूखानाखाया ॥ थारिमातदूसरोहोसीभी
बभंडारमिठाया ॥ २ ॥ इतनीबातबोलप्रभुआगे शिवकोशरणा
लीनी ॥ इसकंगलेकेव्यावणआया नहीं कलेबोदीनो ॥ ३ ॥

आंगलटूकचलुपाणीकीशिवशंकरजीदीनी॥त्रोठाकुरथातीन
लोककासभीमुखहरलीनी॥ ४ ॥ हलधरकहे गौरजानन्दन
जीमतलाजानआई।पदमकहैसबजानीबूभैहैसरयाजाहुराई।
सुगगणपतजीमहराजकदेनहींतुघायौ ॥ टेक ॥ थारोपिता
जशंकरदेवगौरज्याहदजायौ ॥ १ ॥ छोडदियोकलाशहारका
कुंघायौ ॥ २ ॥ गयोजानमैरुसमनायरकुणल्यायौ ॥ ३ ॥ सौ
मणखाधामंगसाठमणधीखायौ ४ अलडबलडकासागकखुर
चणखुरचायौ ॥ नहीछोड्याचराबुर तोहीतुनीहिंघायो ॥ ६ ॥ कि
यौमौकलौमालसबीतातैखायो ॥ ७ ॥ फाटतेपटअपारपारकिन
हुनपायो ॥ ८ ॥ पदमभगतबलिजायसख्यांयूजसगायो ॥ ९ ॥
॥दोह॥ रुकमणिक्कृष्णबिहायकेहरख्योभीषमराय ॥ जानजि

मावण जादवां लीन्हो बैग बुलाय ॥ १ ॥ राग सोरठ ॥ जादुजी
मवाने आया ॥ राजा भीषम के मन भाया ॥ टेक ॥ ल्यावो जा
जमजरी बिछावो ॥ वाकौ आदर दे बैठावो ॥ चंदन की चौकी भं
गावो ॥ दुलहा के पास मेल्हावो ॥ १ ॥ कंचन का थाल भंगावो ॥
जादवां की पात मिल्हावो ॥ भोव जीने बैग बुलावो ॥ वसुदेव जी के
पांव धुलावो ॥ २ ॥ लबरुकम कै वरने ल्यावो ॥ दुलहा के पास बि
ठावो ॥ मेवापकवान भंगावो ॥ बोहो भांत जलेवी ल्यावो ॥ ३ ॥
ल्यावो धेवर फौंणी खाजा ॥ जीमें तीन भवन को राजा ॥ ल्यावो
मैंग भात मैगावो ॥ पाणी ज्युं धिरत बहावो ॥ ४ ॥ जादवरुच
भोजन की जिये ॥ यौ भात दियो सो लीज्ये ॥ ल्यावो केर कर लीता
जी ॥ बनौ दाल कढी सुराजी ॥ ५ ॥ छत्तीसू विंजन ल्यावै ॥ ये तो सब

ह्रीकेमनभावे ॥ थारोदासपदमजसगावै ॥ सखियनजबभात
बैधावै ॥ ६ ॥ रागमारू ॥ बांधांकुलबसुदेव देवकीनंदयशोदा
माई ॥ बहनभवा अरु कार्कीमामी बांधांघायरुदाई ॥ १ ॥
कानफूंक अरुनालामोड्यो जिणथानेदियान्हवाई ॥ छप्पन
कोटजादवसबबांधां बांधांहलधरमाई ॥ २ ॥ पंथपयाणां बांहण
बांधांजिणथेबेठाआया ॥ बांधांतालसरोवरकूवा जठेतठेथे
न्हंया ॥ ३ ॥ रथशिवकासबसाकतबांधांबांधाधोडाहातीं ॥ जाँ
नबाँधजनवांसौबाँधौ बाँधौसबेबराती ॥ ४ ॥ बाँधौदंतबतीसी
कीलामंत्रफंरावौनीका ॥ शस्त्रसिंगारवस्त्रसबबाँधौरंगरीलादी
का ॥ ५ ॥ बाँधौथातपीतकरपूरस्यो भोजनसरसमिठाई ॥ चटनी
औरअथरां बाँधौ बाँधौमिरचाराई ॥ ६ ॥ बाँधौपाकपकोरीपूरी

अरु सब पौ इरौ धी॥ छप्पन भोग छती सुव्यंजन जो पुरसी सव बांधी
७ जल बांधी जल भारी बांधा चौकी थाल बैधाया॥ पदम भक्तशि
कर्ण मनोहर सखि यन संग लगाय॥ ८॥ अब नारद जी भात छुडा
बौछंद रेखता॥ श्री कृष्ण का ध्यान धरौरी॥ पातल छुटन कहूँ सुनौरी
तुम रे भवन व्यावन कुं आये॥ राजा भोव बहु मान बधाय ॥ ९॥ जो
तुम बांधी ये हप कवाने॥ मगत होय सुनौ देकाने ॥ १०॥ छटा पेडा
मीठी कैणी ॥ बांधसी सगै धी जो बैणी ॥ ११॥ छटौ सीरौ घायो गी
कौ बांधूँ और जडा ऊटी कौ॥ छटी सावनी ऊजरी रूप क बांधूँ करणी
फूल जडा ऊं भुं चक ॥ १२॥ छटी खीर परी ज के शर ॥ बांधूँ ना करही
ऊं बुं बसर ॥ १३॥ छटा बुडा सालणा सज्जल ॥ बांधूँ जम क नैन के क
जल ॥ १४॥ छटी बर फैंकंद र बाकी ॥ बांधूँ दंत चंप सो नाकी ॥ १५॥

टापवाधतमेंसाज॥बांधूजुगलबाहकेबाजू॥१०॥ छूटीजलेब्या
घृतमेंरेलीबांधूकांकणछंदपछेली॥११॥ छूटापापडपूडिकचो
री॥बांधूकसपरिकरकंदौरी॥१२॥ छूटेमंगसवादूदाल ॥ बांधूति
मएयौमोतियनमाल॥१३॥ छूटौरायतोअरुआचार॥बांधूडुल
रीतिलरीजारा॥१४॥ छूटामोदकसागरुधेवर॥बांधूचरणबाजता
नेवर॥१५॥ छूटौरायतौबहुरसछकिया ॥ बांधूअणवटचिटुडी
बिछिया ॥१६॥ इतकेसबछूटेपकवान ॥ बांधूसमदणसुणासु
जान॥१७॥ कवित्ता॥बैधेघुघरू पायबैधेनाडौकसकम्मर ॥ बैधे
सीसपरबौरऔटशीमेघाडंबर॥बैधेबाजूबंदबाह्य बैधेकांचूकस
काठी ॥ बैधेतिमाणियौकंठसीसपरबैधेआटी ॥ सबसिंगारसो
हैसरसतूटातारनंसंधिये ॥ पातलमहाप्रसादकीभोजनकबहुन

बैधिये ॥१॥ पावडाबकरबंधपीवगहणांप्रहिराया॥ कमरबंधक
रखरडौरसमेंकील्याया॥ कांचुबंधकसीसमौरबंधसेंठालागा । ह
तसंकलांसूहातबांथमरमतनाहिंभागानाककानदोउबांधिकेचो
दीबांधीतानके॥ बांधीबंधाईबंधरही भोजनछूटेजानके॥२॥ कहै
कान्हपरवानबंधोसिरपाथरपाजा ॥ कहैकान्हपरवानबंधेसांक
लगगजराजा ॥ कहै कान्हपरवानबंधेहरिहेतेबिचारी ॥ कहैका
न्हपरवानबंधे बचनानुगसारी ॥ जानजिमांवणजुगतसुं गावो
रंगबधावणों ॥ पातलमहाप्रसादकीबोहोरनबंधीजावणा॥३॥
आरोगौरधुनाथसियाबरस्यामहमारा॥ आरोगौजगनाथजगत
केरक्षणहारा॥ आरोगौइणभांतरुक्रमणीप्राणरंगीला॥ आरोगौ
महाराजक्षत्रअमतारछबीला ॥ जानजिमावणजुगतसुंसगप

गृहेनवधावणौपातलमहाप्रसादकीरुचरुचभोगलगावणां४
छंदरेखता॥अतिमनुहारांजीमीजाना॥मौछनदईसुपारीपान१
जानजीमआसीसादईसमधिनेकेबहुकन्याथई२जेतेजानीव
रातीआयोयेकयेकसबकूँद्याव्याये३येसौमंत्रफुर्याहैभरो।पद
मभगतचरणांकौचैरौ४रागसोरठर्काकाफीगारीगावैकैसैलाल
कौगारीदीज्येहरिकौचरणौदकलीजे॥टेक।जान्यौजीहरिजा
न्यांमथुरातेगोकुलआन्यांकोईजानेजाननहारानवरंगानेहेतु
मारा१हरिनीकरिहरिनीका॥जिनतौरथावृजकाछींका॥हरि
नटवररीहरिनटवरायेतौगुजरियांआंगननचवर॥२॥याकेदो
याबापयेकमाई॥यानेसबहीसुष्टउपाई।हरिआदुरीहरिआदू॥
याकेमनभावेसबजादू॥३।याकेकुलकौकारणनाहीं।भिलणीं

केबोरखवांही ॥ आकेजातपातनाहिंन्यारी ॥ आकेभगतिकरेसो
हियारी ॥ ४ ॥ कान्हंकुंतांमुवातिहारी ॥ जिनजायोकरणाकैवा
री ॥ कान्हंबहनसहोदराथारी ॥ सोतोअरजुनसंगासिधारी ॥ ५ ॥
गारीदेतकृष्णकीसारी ॥ वोतोभरजौवनमतवारी ॥ गारीदेतकृष्ण
कीसासू ॥ जाकेपडेभेमकाआंसू ॥ ६ ॥ गारीगावैसातसहेली ॥ वे
तोभरजौवनअलबेली ॥ थारोयशपदमइयौगावै ॥ कुलरसहआ
ईपावै ॥ ७ ॥ पाछीगारीनारदगावै ॥ रागबरवौतालठुमरी ॥ स्वां
रियौमोयोहेरंगीलीनथवारी ॥ टेकाधूमधुमालौलहैगौअतलसी
जरकसरेशमीसारी ॥ कुचकठोरपैअंगियासोहैउरपरहारहजा
री ॥ १ ॥ मोतियनमालगलेबिचसोहैहुलडीअजबसैवारी ॥ रत
नजाटितभजबाजुसोहैकांकणसबबिधकारी ॥ २ ॥ भैवरकबाँण

तणीं भुवबंककी नैन नोखि अणिं गियारी॥ निरखत लगै वां उरबधसु
दरकां मणगारी ॥ ३ ॥ स्याम सुंदर कूंहित करजोवौ भरलौ चनयेक
वारी॥ पदम भणे भ्रम में पाये लागूं उबन्यौ शरणा तिहारी॥ ४ ॥ पाछी
गारी संख्या गावै॥ राग सोरठ॥ जागया जागया कृष्ण जी जागया
थां नै जागयां हौ न वरंगबनां ॥ तेक ॥ थारी माई जसौ दाजारी
थां नै ऊखल बांधरतारी॥ थां नै कंसतगाँ डरलागा॥ थे तो रात अंधे
री भागा॥ १ ॥ थां री सुवा भरमगमायो॥ वा तो करण कै वारी जायो
थां री बहन सहोदरा जानौ बो तो अरजुन रूप लुभानी ॥ २ ॥ थे तो वि
न्याय कने ल्याया॥ म्हा राटाबर सब डरपाया॥ तू तो तौ नंद महरका
धोटौ ॥ ते तो ठिण कर मांग्यो रोटौ ॥ ३ ॥ थे कारा कृष्ण जी कारा
थे तो दोय बापन का प्यारा ॥ थे तो वन में छाक भँगाई॥ थे तो कुलकी

लाजगमाई४थेतो जीमोक्कणजिलपसी । थारेसाथीमहादेवत
पसीथेतो जीमोक्कणजिखाजा ॥ थारेजानीं उग्रसेनराजा ५ थ
तो जीमोक्कणजिल्लाडू । थारेजानीं पांचूपांडू । जीमो जीमो कृष्ण
जीसां रौ । थारेजानीं हलधर वारौ ६ जीमो जीमो कृष्णजिचावल
थारेजानीनासदरावल ॥ थेतो नारदनै बंधुलयाया ॥ म्हाराटाबारे
याभरमाया ॥ ७ ॥ गारीगावै कृष्णजिकीसारी ॥ वेतोसदाकैवर
मतवारि ॥ गारीगावै कुंदनपुरनारी ॥ यांनै दीज्यौ पानसुपारी ॥ ८ ॥
गारीसवहीकेमनभावै । दुलहाकोमनहरखावै । ऐसेपदमभक्तप
दगावै ॥ कुछरेसवधाईपावै ॥ ९ ॥ रागकल्याणकाठुमरी ॥ सुगटघ
रमहरकाहौ । कान्हौ दोयबापनकौ जाँम ॥ टेक ॥ येकबापमथुराव
सेजी थारोदूजागैकुलगाम ॥ १ ॥ नंदकोक ॥ बसुदेवकौजीबा

लाकांइकांइकहृतबतलावाँ १॥ हिलाहिलफूदीदगयौजीकान्हा
बरसाणैकैमाँय ॥ ३॥ गौराईबसुदेवजीहोकांन्हा, गोराहीनंदरा
य ॥ ४॥ स्यामवरणकैसूभयोजीबाला, जाकोठाकनाठाय ॥ ५॥
देवकीकीकूखसँजानमियांजाँकान्हाँ, जशोदागोदखिलाय ६
भवाथारीकुंतीकाहो, वातोजायौकरणकवाँरि ॥ ७॥ बेनडथारी
सहोदराहो, अरजुनलेगयो रथबैठार ॥ ८॥ पदमइयोस्वामींभणो
जी, गाँवैकुंदनपुरनार ॥ ९॥ पाछीगारीनारदगावै ॥ राग
आसावरी ॥ मोरीव्यावणतूसमदणमतवारीटेक ॥ पहलीतोडुल
हाकूँमोह्योपीछेजानजुसारी ॥ १०॥ वेदउचारतब्रह्मामोहेशंकर
नेजाधारी ॥ सिंगीरिखसँबनमँमोहे, मोहँपौचहजारी ॥ ११॥ अ
रजुनसेरथवारीमोहे, नारदसेब्रह्मचारी ॥ सबहीदेवद्वारपैमोहे, रु

कमकँवरकीनारी ॥ ३ ॥ आयोजितनेसबहीमोहे, करडीनिजपर
सारी ॥ धिनथारिकमरवजकीछाति, काहुसेनहिहारी ॥ ४ ॥ छे
लछबीली अरजबरंगीली, काजररेखसँवारी ॥ पदमइयोस्वामी
जगतबखाणै, अखियांकामनगारी ॥ ५ ॥ समदणकीसख्यांउ
वाच ॥ रागबरवौ तालठूमरी ॥ काहाबाजतकरतगुमानमुरलि
यारंगभरी ॥ टेकाटूनासौकरगोपियनमोही । कितगइवौबंसरी
॥ १ ॥ मोहेदेवनारनरसारि, येसेकृष्णहरी ॥ २ ॥ वृजमंडलनचवा
गौउसनेतनकसिन्यालकरी ॥ ३ ॥ पदमभगवतबलिजायवनांप
र, श्रीमुखआपधरी ॥ ४ ॥ दोहा ॥ रैनविताईरंगभैजादवजीम्या
मात ॥ हरकतंडेरंआविद्या, पोहोपीरीपरमात ॥ १ ॥ मख्या
मेलीसबऔरकीनिरखणजादवरायाकँवरकलेवाकारगौलगेई

स्यामबुलाया॥२॥रागखट॥बैठेस्यामसिंहासनऊपरकैवरकेलेवे
आयेजी॥टेकाकंचनथालबहुभोजनलेकरसखियनमंगलगाये
जी॥१॥लडूजलेबीघेवरखाजाभोजनबेगकरायेजी॥२॥जबश्री
कृष्णजीहाथनघाले रुकमकैवरबुलायेजी॥३॥रुकमकैवरज
बआयबैठाया जीमेनिभुवनराईजी॥४॥पूरणब्रह्मपदमकेस्वा
मी सखियनगारीगायेजी॥५॥रागकल्याणठुमरी॥सखियांगा
रीगावै।चतरभुजचौराठाजीआयाकुंदनापुरकिंणकाम॥टेक॥
चीरचोरतवचढ्यार्जाबालाजलमेंनार्गीबाम।बंशीमेंचितचो
रीयौजी बाला गोप्यांपूरणायाम॥१॥छीकेमाखनचोरियो
होबालाऊखलबांध्यौपाम॥नलकूबरउरभाविआजीलालतुरत
गयासुरधाम॥२॥चोरनखातिरजनमियांहोबालाकालाकपटी

स्याम॥ चोरी कर रुक भगहरी जी बाला भलौ लजा यो नाम ॥ ३ ॥
कुंदन पुरकी काम गीं होवा लाजा गौं भेद तमाम ॥ पदम स्याम शिव
कर्ण कहै जी बाला कियो पवीतर गाम ॥ ४ ॥ पाछी गारी नारद गावौ
राग परज को कह रवौ ॥ मोहन मुल कर ह्यो गारी गौं वै छबी ली नार ॥
नटवर निरखि रह्यौ गारी गावै ॥ टेर ॥ बिंदलीं भल के चूपा चिल के
भीं गौं का जल सार १ जो बन भल के न थडी हल के बागां पकी अनार
३ मनै शिव करण पदम छवि निरखत नारद वचन उचार मोहन
१ भीं गौं भीं गौं स्वाद सुधर मुख सो है को किल मय न साश मोहन
मुल कर ह्यौ ४ राग परज ॥ ये जी कुंदन पुरकी नार मोहन मोहलियो
॥ टिका ॥ मीठे मीठे बैन मुसिक मुख मारै न चलावत धार ॥ १ ॥ जर
कस भौला सबतन भल के तीखे नैन कटार ॥ २ ॥ रुमक भुमक सब

भूषणसोहै गजमोतियनदोहार॥३॥ चपलाचतुरचौकोरचारु
मुख दईजीमोहनीडार॥ ४ ॥ पदमस्यामिशिबकर्णसरोवै ॥
महिमाविदितअपारा॥मोहन०॥ ५ ॥ पाछीगरीसखियांगवै ॥
रागठुमरी॥आयौआयौबिरजकोकान्हमाखनचोरलियो०आ
यौ०टुका॥मोरसुकटियाहाथलकटिया॥गावैअनोखीतान॥१॥
बुंदाबनमेंगऊचरावैमाग्यौमहीकोदान॥२॥ संगगवाल्याकुबडा
काल्या मांगबणाईजाना॥३॥ रुकमणचोरभग्यौयेकछिनमेंपरी
जनमकीबाना॥४॥ पदमभरणेप्रभुस्यामसलोनानापलपलवारुंप्रा
ना॥५॥ रागकाफी॥खेलेहैंप्रियाप्यारीजुवामिलाटिका॥इतबसुदे
वभूपकेनंदूतनूपर्मीवकुंवारी १ सुघरसखीमुंदरीकरलेकरुक
मणि॥केढेगहारी॥२॥ भूपटलईजबरुकमणिभुद्रीसखियांहैसीदे

तारी ३ बसुदेवनंदनहारिगयेहे जीतो भीवकैवारी ४ पदमभक्तने
नारसलूटे कंदनपुरकीनारी ॥ ५ ॥ रागसोरठ देस ॥ कंगनाखोले
यादवराजखुलवैकामणीब्रह्मादीनीगांठधुलायखुलेनाहिंदोर
डौ ॥ १ ॥ चाहेकुंताभवाबुलाय ॥ चाहेबहनसहोदराबुलाय चाहे
नंदयशोदाबुलाय ॥ चाहेगणपतकूरबुलाय ॥ वोतोमोदकमिस
रीखाय ॥ वोतोदुडबुडुडुजाय ॥ ४ ॥ चाहेबाबावसुदेवबुला
या ॥ चाहेमायदेवकीबुलाय ॥ जाहिहलहधरंबंधुबुलाय ॥ ४ ॥ चाहे
पांचोपांडुबुलाय ॥ चाहेवृंजकीसखीबुलाय ॥ ऐसेपदमभगत
बलिजाय ॥ ५ ॥ दोहा ॥ जाकरपरगिरवरधर्यो, राखलयेवृज
साय ॥ वौभुजकोबलकहंगयो, अबकहाकैपावौहाथ ॥ १ ॥ क
छुमाखनकोबलभयो, कछुगोपिनकीसाय ॥ कछुसायबलबीर

की परबतलियो उठाय ॥ २ ॥ बृजवासीको नाम सुन छातीरो म भर
आया अनंतकोटि ब्रह्म मंडमें त्रिविधतापन साय ३ राग मारु ॥
सुवरण कलस फटिक मणि कै गना मुल कत भौर बुलायौ ॥ ब्याव
प्रम सुख विसर गया जब नैन नीर भर आयौ ॥ १ ॥ काँपै हाथ डोर
नहिं खुले ऊधोजी बतलावै ॥ नख से धनुषातिन कज्यो तो ज्यो अव
क्यो लो गहँ सावै ॥ २ ॥ यह सुन कृष्ण हँसे मन माहीं कंकन तुरत
खुलावै ॥ पदम भगै प्रणमै पायलागुं ब्याह भलोर स आवै ॥ २ ॥
राग धना श्री ॥ आवो चंद से न राजपूत भोंवकरो पहरावणी ॥
॥ टेक ॥ पहरावणी सजन मिल आवणा थारा हो गया मन च्यीत्या
बैन भोंवकरो पहरावणी ॥ १ ॥ पहरावणी कृष्णारि भावणी राजा
॥ २ ॥ आवै नै भोंव से नजरि अपूत रुकम करौ पहरावणी ॥ कह पद

मभक्तकरजोरकेप्रभुदासजानेकेकीर्तिमेहराद्योभक्तिअनपाव
नी ॥ ३ ॥ रागमारु ॥ राजाभीवभंडारीकोक्या भीवभंडारखु
लाया ॥ इचरजकियास्यामअवतारी यादवकौकबुलाया ॥ १ ॥
करअस्तुतिआदिकीपूजा चौकीबेगमैगावौ ॥ गणपतजीनेपह
लबुलावौकनकमालपहिरावौ ३ वसुदेवजीनेसुखपालमैगावौ ॥
चोखीचादरआढावौ ॥ अच्छीचादरजडेजडाऊनदकेहाथदिवा
वौ ॥ ३ ॥ हलधरनेहलमूसलदीज्यौ बडीडोरकाहार्थी ॥ नेमनाथ
नेअसगजदीज्यौआहिरावतकेसार्थी ॥ ४ ॥ चंचलजातकीसेल्हन
गरजा तिवरणजलकेहोडा राजाभीवदियापंडवाने आपचढ
नकाघोडा ॥ ५ ॥ दसदससहससिरोपात्रसाजिया साजसोहनी
कीन्हीं ॥ रुकमकैवरराजाभीषमके छप्पनकोटिनेदीन्हीं ॥ ६ ॥

बहुतकवाहनचैराचेशी संगसखाउरधारी ॥ सनालसहितसावटू
वागा ॥ पाटपटंबरधारी ॥ ७ ॥ कबलगरचंपारनहिंपाऊं दीन्ह
बहुतप्रकारि ॥ पूरणब्रह्मपदमकेस्वामी याविधजानसँवारी ॥ ८ ॥
दोहा ॥ हरिहलधरकोटेरिया, माईत्यागचुकाय ॥ देसदेसकी
बंदिजन, दालिद्रदेवबहाय ॥ १ ॥ रागमारू ॥ बागाजरीजरी
काफेटा चीराचीरसँगाया ॥ सालदुसालासरसपागडी याचक
जनपाहिराया ॥ १ ॥ हलधरनेमिलत्यागचुकाया ॥ नेमनाथ
मनभाया ॥ केशौतणीबधाई ऊपर डेराइंद्रलुटाया ॥ २ ॥ जो
माग्यासोतबदोन्हां दालिद्रदूरभगाया ॥ पदमस्यासमुखदा
यकनाथक याविधत्यागचुकाया ॥ ३ ॥ हरीपधारेहेसखीगह
राघुरेनिसान ॥ सेनाचढियादबचले आवीकरांबखान ॥ १ ॥

येकवारहेमावडी मैलोदेरीआय ॥ नदीबिहूंगाबाहलाकनअबड
सरमिलजाय ॥ २ ॥ रागकालिंगडो ॥ म्हारोमिभक्त्योरुणाकु
ण्यौ भुरभुरपिंजरहोयारुक्मणचालीबाइसासेरिमिलणोकेव
धौहोय ॥ मायामिलैनाबलमिलू मिलसामासूसाल भुवाम
तीज्यारिलमिलू मासीबालगुपाल ॥ ह्यारोये ॥ २ ॥ काकानका
क्यांमावडीभावजअरुबडबीर मिलमिलकेसबसेमिलूंआंसुं
भीज्योजीचीरा ॥ ह्यारोये ॥ ३ ॥ दौडमिलूंपरवारसे मिलतासु
लेहनबाथ ॥ छोटाभाईभावजमिल साथगियांरोसाथ ॥ ४ ॥
पदमभंगेशिवकरण्यौ बीररुक्मकैवार ॥ बेगीसीमुकलावजो
कीज्यौमतीअवार ॥ ह्यारोये ॥ दोहा ॥ हुलरहुलरहुसक्याभरे
बिलखीराजकैवार ॥ नारदकहरथपरचढौ सगनाहोतअवार

रागकालिंगडोकहरवामें॥म्हारोयेमिजन्यौरुणभुरयोसैवैराज
द्वारा॥रुकमणुचालीसासरे भलभलसुगनभनाय ॥टेक॥ हात
लियांहलकौरहै धरियांभारजलाख॥आल्यौहेम्हारीदुलहडी
ज्यांनेकीराख ॥ १ ॥ आवौसखीसहेलियांमिलौभुजापसार ॥
अबकाबिछुड्याकबामिलां दूरबसंगेजाया ॥२॥मनजागेंमायड
मिलां गलदेभुजापसार ॥ तनजागेंहरिश्चढां देपिंजणपर
पाय ॥ ३ ॥ मनजागेंबाबलमिलूंबांहडल्यांगललाय ॥ अबके
बिछुडेकवमिलें दूरद्वारकाजाया ॥४॥ पदमकहैरुकमणुभरणेबि
नतीयेकमाय ॥ बैगलामेंम्हारीदुलियां थेतोसम्हालौनीजाय
॥५॥ रागपदमाड ॥ अमाम्हारीदुलियाकोसिंगार ॥२॥ टेक ॥
भिरमिटियाडावामाहींमाबाहिरनहींछैलगारारतनजटितनख

सिखतणौमा राखौजीवअधार॥अमा॥म्हारी॥१॥साथगियां
गखेलतीमा॥बाबलकेदरवार॥अजहूँखेलनआवसूँमाजीकी
ज्योसारसंभारा॥अमा॥म्हा॥२॥आवजनमतभेदद्योसाकीज्यो
जतनअपारा॥खेलगारीमनमेंरहीमाकहूँछुहुलारहुलार॥अमा
॥म्हारी॥३॥दुरातोदेसांदिवीमाजीसमदूरियाकेपार॥पाछीतो
कबमुकलावस्यौमाजी कबमिलसीपरवारा॥अमा॥म्हारी॥४॥सास
नणददिवरागियांमाजीसोकडल्यांरोजीसाल॥कहाजागौंकि
सबिधराखसीमाजीबेगीकीज्योसार॥अमा॥५॥ज्योकहसीज्यु
इचालेस्यांमाजीहुलखानहींजालगाराबासीकूसीजोमिलेमा
॥म्हारेतोअमृतसार॥अमा॥६॥पदमभरणेंशिवकर्णयुंजी हुलारे
राजकैवारा॥पाछीफिरबीनबेमाजी बेगीकीज्योसार॥अमा

महारीदुलियांकोसिंगगारागकहरवौ॥ बंधवनोमायामोहको
मायडगरांसिधायतुमबिनाबाईम्हारीरुक्मणीकाईकरां घरमा
यै१ जिणअँगनामेंखलतीसोअँगनानाहिंसुहाय अनपानीकी
रुक्मिटीनैननींदनआय२ रुक्मणचालीसासेरनवनिधिनीनी
लाराखाजाफीणींक्रोडसेलाडकूँडहजार३ गाढाभरियाखो
परांसोलाक्रोडसुहाया॥ मिसरीमेवासूखडीदीज्यौनग्रबैठाय४ म
डमुडदेछेबाइआसीसाचिरंजीवेपरवार । काकाबाबासुबसबसौ
भाईजीवेक्रोडहजारपू आडाडूंगरकिणकियाकिणरोपीवगारा
या॥ आडाडूंगरहरिकियाविधरोपीवगाराय ६ आजरहेगीबाइरु
क्मणींकाहूबनमेंजाय॥ प्रातद्वारिकाजायगीपदमइथौजसगा
या॥ बंधवनोमाया० ७॥ दोहा॥ राजाभीवकीबिनतीसाम्हलियो

भगवान्॥ गुणमानौ अवगुणतजौ । रुकमइयौ अनजान १॥ सेना
लेयादवचढासाथ चले सब भूपादासी दीन दयालकी रुकम गिरि
पन्नूप २॥ मांढे महारेज सरह्यौ । सुज सरह्यौ मह राया । फूल्यौ मरवौ
केवडो ॥ और सुगंध सुहाय ३॥ पुरजन सबहरा खित भये घर घर मंगल
चार ॥ पाटंबर सब पहिर के करत बधानार ४॥ परणा चले प्रभु रुकम
गणी पंथ द्वारिका लीना । पदम भक्त शिव कर्ण कह दौर बधाई दीन ५॥
॥ टेक ॥ राग धना श्री ॥ सखि सब गावै मंगल चार । याद वंश की नार
उड़त गिर दलाल भयौ अंबर आयै कृष्ण मुरार । ऊँठन दरजु जरवा
छूटे दौड़े चलत कहार १॥ ये देखौ अब दीखन लागे माला फेर अस
बार ॥ रथ भनकार पडी श्रवना मै जा भगारा भगणकार ॥ २॥ बडे बडे
राजा याद वै हहाथिन लगी कतार ॥ रथन की कछ गिनती नाहीं

घोडा अनंत अपार श्माल रदार पालकी सो है भल के मुकट अपारा
सुरनर मुनि जनक्रोड देवता रंग की पडत फुहार ॥४॥ हर ख्यौ लै रब
घाई नाई खबर करौ दरबारा पदम के स्वामी पराण प्रधारे रुक्मा शि के
भरतारधू छंद ॥ तब नग नर साजि आरती धन धोर नाद बजावहीं
सब पौरी तो रण कलसक चनमो तिय नथाल सजावहीं ॥१॥ येक
येक के आगे चले नर दौरे के सन्मुख गये ॥ हिल मिलि हिं जाय बरात
भेद परस परस तभये ॥२॥ कुशलात सब विरतांत पंछत सुनत
सबराजी भये ॥ कर आरती कर पुर बराती शंख जल स्वातिक लये ३
औ छारस कलबजार करत जुहार नौ छावर धनी ॥ छिर काय अत्र प्र
हार पुष्प सुदुंदभी देवन हनी ॥४॥ परदा उधार बिराज रथ पै कृष्ण बर
अरु रुकमनी ॥ पदम धना शिव कर्णा निरखत सकल जन नव लीबनी

॥५॥ दोहा ॥ सा भूहलो श्री कृष्णको रुक्मणि लयाया पण ॥ यादव
हर्षबध विद्या पद्मभक्त शिवकर्ण ॥१॥ राग मारू ॥ पदमभक्त
शिवकर्ण बधायै यादव जान पधारी ॥ नवलानेह निखन नरीकू
मंगल गावै नारी ॥१॥ कैतिक नारभरोखन भौंकत को उचढ भौंक
अटारी ॥ कोइ परदे चिक ओट निहारी ॥ कैतिक भौंकत जारी ॥२॥ न
वलबनी केलेत वारणां पल पल प्राणा जुवारी ॥ पदमभक्त शिवकर्ण
निरखि छवि चरणा कमल बलिहारी ॥ राग मारू ॥ दैत्य विडोर दवड
बारे आये हरि अस्थाना ॥ बहन डरो बयौ वारणां जी धर आई सब जा
ना ॥३॥ बहडवो ली कृष्ण से भाई मोहन वार छडाई ॥ कान्हू कै वर
जव दई छावडी रतन दिये बहुताई ॥५॥ छंद ॥ पैसारी सेवसाज मुह
रत भीतर भवन पधारिया ॥ सुभद्रा मिल द्वारो बयौ पौरी कृष्ण

पलाविया १ आवोमातदेवकीजी रुकमणिमुखादिखलाविया
देवकीजीगोदलेकेधीगुडहाथघलाविया २ राणी रुकमणिपाय
लागीसुरनरपुष्पबर्षाह्या ॥ द्वारापुरीआनंदभयौदासपदमजस
गाविया ३ रागजंगलो ॥ मिलसखियनमंगलगवौदेवकीजीलाड
लाडलडावै १ देवकीजीनेउराबलावै ॥ धीगुडमेंहाथघलावौ ॥ २ ॥
देवकीजीलाडलडावै ॥ धीगुडमेंहाथघलावै ॥ ३ ॥ वसुदेवजीआ
गेआवै ॥ रुपियारीथेलीलयावौ ॥ ४ ॥ जबहुलहनमुखदिस
लावै शिवकर्णपदमजसगावै ॥ ५ ॥ रागमारू ॥ सातसुहागनसात
सखीमिल स्वागथालपरुसावै ॥ नृपसुतासातोजुडबैठाप्रथम
आसकुणपावै ॥ १ ॥ आंटपडीकोइहाथनघालेहरीजीबोलयावा
णी ॥ सातांसिरसहससोलापरभीवसुतपटराणी ॥ २ ॥ नभस्वर

पुष्पहुँदुभीवाजी तीनलोकजयकारा॥ मेरा भगता भी वरे कै वरी
रुकमणि प्राण आधार ॥ ३ ॥ हरिकरहेत बड़ा पयादीन्हौं रुकमणि
पाटी ठावै ॥ भना शिव कर्ण भगतरी भहि माजन पदम इयौ गावै ॥
॥ ४ ॥ राग काफी होरी ॥ वांटत स्वागवनी ॥ आंगनियां भवजत
वधाई ॥ वांटत ० ॥ टेक ॥ छोटै छोटै हाथ रुनरस कलइयां ॥ भरघो
वारुवनी ॥ सुनसवदौरीं नवलनागरी जुडगदूभी रघनी ॥ आं ०
॥ १ ॥ मिलि मिलि अमल निथि सवदौरीं निरखत भी वजनी ॥ वरघे
पुष्पहर खतिहुँ पुरमें दुंदुभि देवहनी ॥ आंगनि ० ॥ यह छविहरण
प्रानि प्रानि निरखत परखततिरछी अनी ॥ ब्रह्मावेद विरदवंदी जन
महि मारत फनी ॥ आंगनियां में ॥ ३ ॥ लघुकर अतुर अतुर
प्रिय वांटत वरखत धानि घनी ॥ पदम स्यामा शिख कर्ण समेटत ह

मेरे तो खूब बनी आंगनियामें ॥४॥ रागमारू ॥ पुरी नहीं द्वारा
वती सम नदी गोंमती सारी ॥ कृष्ण समान देवनहि दूजा भगूल
ताउर धारी ॥१॥ सोला सहसयेक सौ अबला भौमा सुरग हिल्या
गौ ॥ सगली येक मुहुरत परणी पार बह्वर पायौ ॥ २ ॥ रुकम
णिं जामवती सतभामा सुभद्रा भद्रा राणी ॥ कालेंद्रा श्रीलक्ष्मी
बुदाये आठ पटराणी ॥ ३ ॥ दसपसतुत्रयेक येक कन्या यहतरुणी
बरदीनां ॥ निराकार निरलेप निरंतर यों रंगमाया भीना ॥४॥ अ
पनी अपनी पौलि अभूषन भजन करत सब नारी ॥ पदमस्यामस
खदाय कनायक दरसन की बलिहारी ॥५॥ रागा चरण रज बंधूजी
मैं रहूं चरण लवलाय चरणारज बंधूजी के सौ कहां बधाय १ जिन
भगतन श्रवण सुण्यौ जानें बिघन न्यापै कोय ॥ २ ॥ पदमइयौ

स्वामीमणोभगतदानद्यौमोय॥चरणरज॥३॥ रागसोरठ॥ जो
यामंगलकोगावौ॥ज्यांकापापप्रलेहोयजावौ॥१॥जोयामंगलको
सुनिहै॥जाकेकोटजानमकेपुनहै॥२॥ दोहा॥द्वारावतिआनंदभ
योसुरनरदेतअसीस॥ कहपदमइयौवैश्ययूदौसिंहासनजागदी
स॥रचयावैश्यपदमालयहरुकमणिमंगलसार॥ सुद्धकियोशि
वकर्णजनतुकसनदईसुधार २ विजयव्यावश्रीकृष्णकोरुकम
गिल्यायपर्ण॥ रामरतननिजकरलिख्यौशुद्धाकियोशिवकर्ण
॥३॥कछुपदंनयेबनायकेटूटकसंधिमिलाया॥ कियौसंकलाबंद
सबअरथांअंकारिल्याया॥४॥मूलचंदसुतशिवकरणादरकमंडेववा
सामुरधरडीडुमहेस्वरीईद्रपुरीसुखबास॥ परतग्याराथेखंटीकर
सबकाढ्योसारा॥तुकटूटीमेटीअमिलआरथौलियौसुधार॥६॥

॥ अथ बारामासीयरुक्मनीको ॥ गोबरधनधारी राखोपरतं
ग्या दासी आपकी ॥ टेर ॥ लग्यो महीनो चैन चावसे गौरीनं
दमनाऊं ॥ दुर्गामाइ करोसहाइ हितचितसंतीध्याऊं ॥ दी
ज्योबुद्धिबरदानआनमोये तुमसेअरजलगाऊं ॥ विद्रभदे
शसुहावणोभीषमघरअवतार। पांचपुत्रप्रगट्याराजाकेछठ्ठी
राजकैवार ॥ लक्ष्मीरूपधारी ॥ १ ॥ मासबैशाखद्वारपरमार
नारद मुनीपधारा ॥ आदर भावकियोबहुतेरोदेआसनबैठारा ॥
चरणधोयचरणामृतलीन्यो तबरिषिवचनउचारा ॥ रुक्मनि
कोबरसाँवरो यदुपतिदीनदयाल ॥ दुष्टसंहारणभक्तउबारण
करुणासिन्धुगोपाल ॥ रचीसृष्टिसारी ॥ २ ॥ जेष्टमायबंध
रुक्मैयोमातासेबतलायो ॥ कागदालिखकरदियो माटनैचद

रीपहुँचायो ॥ पन्नीवाँचचढ्यो शिशुपालौकुंदनापुंरमैआयो ॥
संगराजानिजानै शोभाअनंतअपार ॥ देखीजानगोरवेआई
हरख्यो रुक्मकुंवार ॥ जानभलीभांतिउतारी ॥ ३ ॥ साढ
मासमाताभैरुकुंअपनेपासबुलाई ॥ सजबरातशिशुपालोआ
योनिरखोरुक्ममनिबाई ॥ जरासिंधेसकाकाजिनके दैताधरसे
भाई ॥ चवदाभवनकेबीचमें ऐसोराजानाय ॥ काल्योनाल्यो
गऊचरावै डोलैबनकेभाय ॥ उसीमेंकेगुणभारी ॥ सावगा
सोचकैरभीजमजीअबअभुजीकबआवै ॥ आडीभोगद्वारिका
कुणभूरोसंदरोपहुँचावै ॥ डाहलपंचगायोकुंदनापुरयहकोई
जायसुनावै ॥ बिरदउधारणआपहोकीजैबेगसहाय ॥ जोशि
शपालरुक्मनीपरगौमरुंकटारीखायायेहीनिश्चयमनबारी

॥ ५ ॥ मादु भगत बेग पधारी अबमत देर लगारो ॥ ॥ सेनाले आ
या अभिमानी तिसको गरभ हटावो ॥ राम रूप होय पहली परणी
अबक्यं लो गहँ सावो ॥ पुरी अयोध्या जनि मया दशरथ घर अवता
र ॥ तो डोधनुष किया दो टुकड़ा अबक्यं दई बिसार ॥ कहो क्या
चूकह मारी ॥ ६ ॥ आशिवन अरज करूँ कर जोड़ा लग रही चिंता
मारी ॥ सरवर न्हाता कोल किया थाक्यं भूल्या गिर धारी ॥ डूबत
डी नै बाहेर काढी अब किण दोष बिचारी ॥ डाहल दी पै काल सों ज
म सी लगै बरात ॥ मेरी टेर सुनी नहीं काना कूनरी तकी बात ॥ बिनती
कर कर हारी ॥ ७ ॥ कार्तिक माय चाय भगवत की जोशी पास बुला
यो ॥ हाथ जोड़ परकर मादीनी आसन दे बैठा यो पतिया लिख दीनी
कर से तीब हत मांत सम भायो ॥ तुम द्विज जावो द्वारिका श्री कृष्ण

केपासाहमरीमातआतकेआगेमतनादीज्योजास । आसैहैबड़ी
तिहारीदअगहनमासचल्यौ जोसीजीपुरीद्वारिकाध्यायौ ॥ प
नीजायकृष्णकोदीनी सारोपतोबतायौ ॥ विद्रुभदेशकंदनापुर
नगरीरुक्मनिमोअ खिनायौ ॥ ब्राह्मणबांचैपत्रिकासुनियो
जादूराय ॥ ॥ औरसंगहरगिजनहिजानुसंशयमेदौ आयाकरो
वेगाअसवारी॥ द्वापौषमासमेरेपितापासआजोसीबैनसुनाया ॥
पांचूपांडुअरुबलभदर श्रीकृष्णचढआया ॥ सुनसुनबातनाथ
कीहमरेहोयराहरबासवाया॥ जानु अंबापूजिवाभरमोतियन
कोथाल ॥ नारदजीमोयेबचनदियाथामिलसी नंदकोलाल
कारीजलबाकीन्यारी ॥ १० ॥ माघमासदुर्गाबरदीनीमिलगये

सनमुखऔयिमिले हलधरजी जुद्ध भया औतिमारी ॥ राजा
 साराखपगया हस्तिनकोनहिंपार ॥ चंदेरीकोराजाभाग्योज
 रासिंधहेलार ॥ खपादईसेनासारी ॥ ११ ॥ फागण चावरावभी
 धमके सुवर्णस्तंभरूपाया ॥ ब्रह्मादिकनारदमुनिआयेमोतिय
 न चौकपुराया ॥ भलीभांत दीनी ॥ मिजमानी जादुविद्या
 कराया ॥ परणपधारेचावसेरूकमनिअरुघनस्याम ॥ जोजन
 गावैबारामासो पूरणहेसबकाम ॥ कहैरूनीरामपुजारी ॥ १२ ॥

॥ इति बारामासियो रुकमनीजीको रूलीराम कृत समाप्तम् ॥

इति रुकमनीमंगल बड़ा विवाहोत्सव पदमशक्त कृत महामंगल रूलीराम ब्राह्मण राजगढवाले द्वारा
 संशोधित समाप्तम् । नातोकछु विद्वानमें, कविताको न विचार । जैसीमेरीबुद्धिथी तैसीदियो सुधार ॥
 इस पृथ्वीपर हैं घने, बड़े-विद्वान् । भूलभई सो बकसियो, मुझको मुरखजाना ॥ २॥ दिल्लीसोंपश्चिम
 तरफ़ राजगढहै गाम । जाती ब्राह्मण गौड है, रूलीराम है नाम ॥ ३॥ शुभंभवतु संवत् १६८४

पुस्तक मिलने का प्रता—

लाला श्यामलाल हरिलाल,

श्यामकाशी प्रेस, मथुरा।

मुद्रक--महेश प्रसाद सत्यनाम प्रेस, मैदागिन, बनारस सिटी।

